शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 13 | अंक : 02 | गुवाहाटी | रविवार, 2 अगस्त, 2026 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

शाह ने एनएसए अजीत डोभाल को लोकमान्य तिलक पुरस्कार... पेज 2
असम बाढ़ : गौतम अदानी ने मुख्यमंत्री राहत कोष में दिए 11 करोड़ पेज 3
भाजपा नेता राजेंद्र सिंह राठौड़ का गहलोत सरकार पर तीखा हमला : पेपर लीक ... पेज 5
राष्ट्रमंडल खेल 2026 : नौवें दिन छह पदकों के साथ भारत पदक तालिका में ... पेज 7

एडवांस पेमेंट और लोन की सुविधा के साथ अरुणोदय 3.0 लॉन्च

37 लाख से अधिक महिलाओं को मिलेगा लाभ

गुवाहाटी। असम सरकार की प्रमुख अरुणोदय योजना शनिवार को अरुणोदय 3.0 के शुभारंभ के साथ फिर से शुरू हो गई, क्योंकि मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने मासिक कल्याण सहायता को महिलाओं के लिए एक वित्तीय सुरक्षा जाल में बदलने के उद्देश्य से कई नए उपायों का अनावरण किया। गुवाहाटी के श्रीमंत शंकरदेव कलाक्षेत्र में इस योजना का शुभारंभ करते हुए शर्मा ने घोषणा की कि लाभार्थी जल्द ही अपनी भविष्य की अरुणोदय सहायता अग्रिम रूप से प्राप्त कर सकेंगे या बैंक ऋण सुरक्षित करने के लिए अपने वार्षिक हक का उपयोग कर सकेंगे। मान लीजिए किसी महिला को अचानक किसी आपात स्थिति में 2,000 रुपए या 10,000 रुपए की आवश्यकता पड़ जाती है। साहूकारों से उधार लेने के बजाय, उसे भविष्य में मिलने वाली अरुणोदय पेंशन से बिना ब्याज के यह राशि लेने की सुविधा मिलनी चाहिए। इसके बाद इस राशि को उसकी मासिक सहायता राशि से धीरे-धीरे समायोजित किया जा सकता है, शर्मा ने कहा। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार एक ऐसी व्यवस्था पर काम कर रही है जिससे लाभार्थियों को अग्रिम रूप से 15,000 रुपए तक की राशि बिना ब्याज के प्राप्त करने की अनुमति मिलेगी, जिसे भविष्य की मासिक किस्तों से धीरे-धीरे वसूल किया जाएगा। शर्मा ने यह भी कहा कि लाभार्थियों के पास भविष्य में मिलने वाली अपनी अरुणोदय राशि को गिरवी रखकर बैंक से ऋण लेने का विकल्प भी होगा, जिसकी चुकौती राशि उनकी मासिक सहायता राशि से स्वचालित रूप से काट ली जाएगी। उन्होंने कहा कि अगर कोई बैंक से ऋण लेना पसंद करता है, तो हम बैंकों से कहेंगे कि वे मासिक अरुणोदय सहायता राशि से किश्तों की राशि सीधे काट लें। हम अरुणोदय को उस स्तर तक ले जाना चाहते हैं, जहां यह केवल वित्तीय सहायता नहीं बल्कि वित्तीय सशक्तिकरण बन जाए। शर्मा ने यह भी घोषणा की कि सरकार लाभार्थियों की संख्या और मासिक -शेष पृष्ठ दो पर

अरुणोदय 3.0 महिलाओं की सामाजिक-आर्थिक सुरक्षा और वित्तीय सशक्तिकरण का सफल मॉडल : अजंता नेउग

गुवाहाटी (हि.स.)। असम सरकार की महिला एवं बाल विकास, पर्यटन मंत्री तथा कामरूप जिले की संरक्षक मंत्री अजंता नेउग ने शनिवार को कामरूप जिले के शुआलकुची विकास खंड अंतर्गत 82 नंबर बोंगशर गांव पंचायत में आयोजित अरुणोदय 3.0 के शुभारंभ कार्यक्रम में भाग लिया। यह कार्यक्रम गुवाहाटी में मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा द्वारा राज्य स्तरीय शुभारंभ के साथ राज्यभर के 3,500 से अधिक स्थानों पर एक साथ आयोजित किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री नेउग ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण के -शेष पृष्ठ दो पर

मणिपुर में अलग-अलग इलाकों से दो उग्रवादी गिरफ्तार

इंफाल (हि.स.)। मणिपुर में उग्रवादियों, हथियारों एवं मादक पदार्थ समेत अन्य अपराधों के विरूद्ध पुलिस एवं सुरक्षा बलों का अभियान जारी है। इस कड़ी में राज्य के अलग-अलग हिस्सों से उग्रवादी संगठन केसीपी (नोयोन) गुट एक एवं प्रीपाक (प्रो) गुट के एक कुल दो उग्रवादियों को गिरफ्तार किया गया है। असम पुलिस मुख्यालय से शनिवार को दी गई आधिकारिक जानकारी के अनुसार 31 जुलाई को, सुरक्षा बलों ने काकचिंग जिले के काकचिंग थानांतर्गत पल्लेल लीमानई चिंगजिन क्षेत्र -शेष पृष्ठ दो पर

पूर्वोत्तर में इस हफ्ते भारी वर्षा के आसार

नई दिल्ली (हि.स.)। देश के पूर्वोत्तर और उत्तर-पश्चिमी क्षेत्रों के अलग-अलग स्थानों पर इस सप्ताह भारी बारिश होने के आसार हैं। वहीं, दिल्ली-एनसीआर में रविवार को हल्की बारिश होने का अनुमान है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार दिल्ली-एनसीआर में रविवार सुबह से दोपहर के बीच कुछ जगहों पर मध्यम हवाओं के साथ हल्की बारिश होने के आसार हैं। रात में भी यही सिलसिला जारी रह सकता है। राजधानी में इस दिन का अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 32-34 डिग्री सेल्सियस और 25-27 डिग्री सेल्सियस के -शेष पृष्ठ दो पर

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

अपने से अधिक शक्तिशाली और समान बल वाले से शत्रुता ना करें।

– आचार्य चाणक्य

राष्ट्रपति की मंजूरी के बाद परीक्षा संशोधन बिल अब बना कानून

नई दिल्ली। पेपर लीक पर शिकंजा कसने के लिए संसद द्वारा पारित सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन विधेयक, 2026 को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की मंजूरी मिल गई है। विपक्षी दलों के वॉकआउट के बीच संसद के दोनों सदनों से पारित हुआ यह कानून अब देशभर में लागू हो गया है। यह नया कानून पेपर लीक रोकने और सरकारी व प्रतियोगी परीक्षाओं में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए है। इसका उल्लंघन करे वालों को 10 साल की सजा और 10 करोड़ रुपए तक के जुर्माने का प्रावधान है। सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन विधेयक, 2026 को राज्यसभा ने गुरुवार को ध्वनि मत से पारित कर दिया। लोकसभा ने इस विधेयक को एक दिन पहले ही पारित कर दिया था। जिस पर अब राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू की मंजूरी मिल गई है। केंद्र सरकार के अनुसार, इस नए संशोधन का मुख्य उद्देश्य सरकारी और प्रतियोगी परीक्षाओं में पारदर्शिता बनाए रखना और लाखों युवाओं के भविष्य व हितों की सुरक्षा करना है। संशोधित कानून के तहत सार्वजनिक परीक्षाओं में -शेष पृष्ठ दो पर

मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा के दनादन एक्शन से बांग्लादेशी घुसपैठियों के बीच मचा हड़कंप

नई दिल्ली /गुवाहाटी। असम में अवैध बांग्लादेशी घुसपैठ के खिलाफ हिमंत विश्व शर्मा सरकार ने एक बार फिर सख्त संदेश देते हुए स्पष्ट कर दिया है कि राज्य की सीमा, सुरक्षा और अस्मिता से खिलवाड़ करने वालों के लिए अब कोई जगह नहीं है। 29 जुलाई की रात सुरक्षा बलों ने 21 अवैध बांग्लादेशी घुसपैठियों को चिह्नित कर सीमा पार वापस भेज दिया, जबकि इससे एक दिन पहले 18 अन्य घुसपैठियों के विरुद्ध भी यही कार्रवाई की गई थी। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने दो टूक कहा कि असम में अवैध रूप से घुसकर बसने की हर कोशिश नाकाम की जाएगी और राज्य की सुरक्षा तथा पहचान को कमजोर करने वाले किसी भी तत्व के खिलाफ बिना किसी ढिलाई के कार्रवाई जारी रहेगी। उनका स्पष्ट संदेश है कि असम में अवैध घुसपैठ की राह अब बंद हो चुकी है और कानून तोड़कर प्रवेश करने वालों के लिए यहां कोई सुरक्षित ठिकाना नहीं है। हम आपको बता दें कि असम सरकार के अनुसार पिछले दो वर्षों में राज्य से 1,679 बांग्लादेशी नागरिकों को वापस भेजा जा चुका है। मुख्यमंत्री ने विधानसभा में बताया कि 1 जुलाई 2024 से 30 जून 2026 के बीच यह कार्रवाई केंद्रीय गृह मंत्रालय के दिशा-निर्देशों तथा इमिग्रेंट्स (एक्सपॉलसन फ्रॉम -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

कमर्शियल सिलेंडर हुआ सस्ता

नई दिल्ली (हि.स.)। अगस्त महीने की शुरुआत आम लोगों के बजाय होटल, रेस्टोरेंट, ढाबों और अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के लिए बड़ी राहत लेकर आई है। ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने 19 किलोग्राम वाले कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में 200 रुपए से अधिक की कटौती की है। नई कीमतें एक अगस्त से लागू हो गई -शेष पृष्ठ दो पर

कुलगाम आतंकी हमले में घायल दूसरे प्रवासी मजदूर की भी मौत

श्रीनगर (हि.स.)। जम्मू-कश्मीर के कुलगाम जिले में हुए आतंकी हमले में मृतकों की संख्या बढ़कर दो हो गई है। शनिवार को श्रीनगर स्थित शेर-ए-कश्मीर इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (एसकेआईएमएस) में उपचाराधीन एक और घायल प्रवासी मजदूर ने दम तोड़ दिया। एक अधिकारी के अनुसार, शुक्रवार देर शाम दक्षिण कश्मीर के कुलगाम जिले के केलम गांव में -शेष पृष्ठ दो पर

जीएसटी कलेक्शन में बंपर उछाल, जुलाई में आंकड़ा 2.11 लाख करोड़ के पार

नई दिल्ली। अर्थव्यवस्था में मजबूती का सिलसिला जारी है, तभी जुलाई माह में जीएसटी संग्रह से लेकर ऑटमोबाइल्स की बिक्री में खासी तेजी दर्ज की गई। जुलाई में जीएसटी का संग्रह 2,11,205 करोड़ रहा जो पिछले साल जुलाई के मुकाबले 15.4 प्रतिशत अधिक है। चालू वित्त वर्ष 2026-27 के चार माह में दो बार जीएसटी संग्रह दो लाख करोड़ के पार हो चुका है। जुलाई के जीएसटी संग्रह में सीजीएसटी की हिस्सेदारी 39,853 करोड़ तो एसजीएसटी की 47,881 करोड़ की बताई गई। आईजीएसटी का योगदान 1,23,490 करोड़ का रहा। सभी प्रकार के रिफंड के बाद जुलाई का शुद्ध जीएसटी संग्रह 1,81,237 करोड़ रहा जो पिछले -शेष पृष्ठ दो पर

आजादी का मतलब मनमर्जी नहीं देशहित के बारे में सोचें युवा : डोभाल

मुंबई। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल ने शनिवार को देश के युवाओं से अपील की कि वे खुद को पूरी तरह से देशहित के लिए समर्पित करें और निजी स्वार्थ से ऊपर उठें। उन्होंने युवाओं से कहा कि वे एक मजबूत राष्ट्र बनाने के लिए भारत के सामने मौजूद मौके का पूरा फायदा उठाएं। लोकमान्य तिलक राष्ट्रीय पुरस्कार 2026 मिलने के बाद एक सभा को संबोधित करते हुए डोभाल ने कहा कि युवा पीढ़ी को सिर्फ देशहित में काम करने का संकल्प लेना चाहिए और संकीर्ण व अल्पकालिक स्वार्थों को नजरअंदाज करना चाहिए। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने डोभाल को तिलक स्मारक ट्रस्ट की ओर से शुरू किया गया यह पुरस्कार सौंपा। उन्होंने कहा कि आज के युवाओं को खुद को पूरी तरह समर्पित कर देना चाहिए और यह सोचना चाहिए कि वे सिर्फ देशहित में काम करेंगे। उन्हें अपने छोटे-मोटे निजी हितों का त्याग करने के लिए तैयार रहना चाहिए और अगर ऐसी बातें मन में आएं भी, तो उन्हें नजरअंदाज कर देना चाहिए। -शेष पृष्ठ दो पर

गुटबाजी खत्म किए बिना कांग्रेस मजबूत नहीं होगी : राहुल

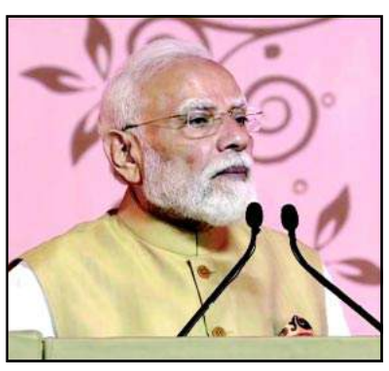

चेन्नई (हि.स.)। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने शनिवार को कहा कि तमिलनाडु में कांग्रेस संगठन को मजबूत बनाने के लिए पार्टी के भीतर की गुटबाजी समाप्त करना सबसे बड़ी प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि जब तक नेता और कार्यकर्ता एकजुट होकर काम नहीं करेंगे, तब तक राज्य में कांग्रेस को अपेक्षित मजबूती नहीं मिल सकेगी। उन्होंने निर्वाचन क्षेत्रों के प्रस्तावित परिसीमन का भी विरोध करते हुए कहा कि यह केवल तमिलनाडु ही नहीं, बल्कि राज्यों के अधिकारों और संघीय ढांचे से जुड़ा मुद्दा है। राहुल गांधी -शेष पृष्ठ दो पर

राष्ट्र प्रथम का मंत्र लेकर आगे बढ़ें युवा, विवेक स्मारक नई पीढ़ी के लिए बने प्रेरणा केंद्र : मोदी

मैसूर (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को मैसूर में श्री रामकृष्ण आश्रम परिसर में स्वामी विवेकानंद सांस्कृतिक युवा केंद्र *विवेक स्मारक* का उद्घाटन करते हुए युवाओं से राष्ट्र प्रथम की भावना के साथ आगे बढ़ने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि यह स्मारक ऐसे युवाओं के निर्माण का केंद्र बनेगा, जिनके लिए राष्ट्रहित सर्वोपरि हो और गरीब, वंचित तथा समाज की सेवा जीवन का लक्ष्य हो। उन्होंने कहा कि आज भारत की आर्थिक, तकनीकी और वैश्विक उपलब्धियों के पीछे देश के युवाओं की शक्ति है और यही युवा विकसित भारत के निर्माण का आधार बनेंगे। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन की शुरुआत मैसूर की आराध्य देवी चामुंडेश्वरी को नमन करते हुए की। उन्होंने कहा कि दो दिन पहले ही देश ने गुरु पूर्णिमा मनाई थी और उनके जीवन की यात्रा में रामकृष्ण मिशन का बहुत बड़ा योगदान रहा है। उन्होंने कहा कि जहां से उनकी यात्रा शुरू हुई और आज वह जिस स्थान पर हैं, उसमें रामकृष्ण मिशन की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उन्होंने कहा कि मैसूर भारत की प्राचीन सांस्कृतिक चेतना का महत्वपूर्ण केंद्र रहा है। यहां के मंदिर, परंपराएं, दशहरा, राजमहल, संगीत और -शेष पृष्ठ दो पर

जंतर-मंतर पर पुलिस की वर्दी में आतंकी साजिश की थी योजना, मुख्यमंत्री शुभेंदु भी थे निशाने पर : एसटीएफ

कोलकाता (हि.स.)। पश्चिम बंगाल पुलिस के विशेष कार्य बल (एसटीएफ) ने पूर्व बर्धमान से गिरफ्तार संदिग्ध आतंकी हमीम मंडल मामले में शनिवार को कई चौंकाने वाले खुलासे किए हैं। एसटीएफ के महानिरीक्षक (आईजी) गौरव शर्मा ने यहां पत्रकार वार्ता में दावा किया कि हमीम मंडल की योजना नई दिल्ली के जंतर-मंतर पर पुलिस की वर्दी पहनकर बड़ी साजिश को अंजाम देने की थी। उन्होंने यह भी दावा किया कि पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी भी उसके निशाने पर थे। एसटीएफ के अनुसार, 24 वर्षीय हमीम मंडल को शुक्रवार को पूर्व बर्धमान से गिरफ्तार किया गया था। उसी रात उसे कोलकाता लाकर पूछताछ शुरू की गई। जांच के दौरान उसके मोबाइल फोन, अन्य डिजिटल उपकरणों और विभिन्न सोशल मीडिया मंचों पर हुई चैट की गहन पड़ताल में कई अहम जानकारियां सामने आई हैं। एसटीएफ का दावा है कि हमीम के पाकिस्तान में बैठे कई हैंडलरों से संपर्क थे। ये लोग मादक पदार्थों -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
94350-14771

शाह ने एनएसए अजीत डोभाल को लोकमान्य तिलक पुरस्कार से किया सम्मानित

मुंबई (हि.स.)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल को पुणे में आयोजित कार्यक्रम में प्रतिष्ठित लोकमान्य तिलक पुरस्कार से सम्मानित किया। इस मौके पर शाह और मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने लोकमान्य तिलक के कार्यों को याद किया और अजीत डोभाल की देश सेवा व कामों की खूब तारीफ की। केंद्रीय गृह मंत्री शाह आज पुणे में लोकमान्य तिलक की 106वीं पुण्यतिथि पर आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने अजीत डोभाल को लोकमान्य तिलक अवॉर्ड पर से सम्मानित होने पर खुशी जताते हुए, उनसे अपनी पहली मुलाकात को याद किया। उन्होंने बताया कि गुजरात में जब बम धमाके हुए थे, उस समय नरेंद्र मोदी मुख्यमंत्री थे और वह गुजरात के गृह मंत्री थे। उन्होंने वह घटना याद की, जब डोभाल को सीनियर पुलिस अधिकारियों से चर्चा करने के बाद आगे के फैसले लेने के लिए कहा गया था। उन्होंने बताया कि उस दौरान उनकी डोभाल से जान-पहचान हुई और गुजरात पुलिस ने देश में हुए 14 बम धमाकों को सुलझाया। शाह ने कहा कि 1972 से देश के सामने आए हर संकट में अजीत डोभाल का योगदान रहा है और इसका पूरी तरह से आकलन करना मुश्किल है। उन्होंने कहा कि उन्होंने छह साल तक पाकिस्तान में बहुत मुश्किल हालात में काम किया, देश की अंदरूनी सुरक्षा को मजबूत करने की कोशिश की और विदेश नीति, राष्ट्रीय सुरक्षा और अंतरिक्ष सुरक्षा से जुड़े क्षेत्रों में भी कई सालों तक काम किया। उन्होंने यह भी बताया कि वह पिछले बारह सालों से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ काम कर रहे हैं। केंद्रीय गृह मंत्री ने आज पुणे में आयोजित कार्यक्रम में लोकमान्य तिलक के साथ-साथ लोकतंत्रवादी अन्नाभाऊ साठे को भी श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि कि अन्नाभाऊ साठे, जो एक मातंग समुदाय में पैदा हुए थे और अपनी छोटी सी जिंदगी में समाज को जागरूक करने का बड़ा काम किया, एक समाज सुधारक और लेखक थे। उन्होंने कहा कि लोकमान्य तिलक के काम को किसी किताब में शामिल करना नामुमकिन है। उन्होंने आजादी की लड़ाई में उनके योगदान का खास जिक्र किया। उन्होंने कहा कि तिलक ने लोगों के मन में स्वराज्य की भावना जगाने, गणेशोत्सव और शिव जयंती जैसे सार्वजनिक त्योहारों के जरिए समाज को एकजुट करने और राष्ट्रीय चेतना जगाने का काम किया। उन्होंने कहा कि तिलक एक निडर पत्रकार, कर्मयोगी और राष्ट्रवादी विचारक थे। पत्रकारिता का आदर्श तिलक से लेने की बात कहते हुए उन्होंने युवाओं से *गीतारहस्य* और लोकमान्य का साहित्य पढ़ने की अपील की। शाह ने यह भी बताया कि पुणे में शिक्षा व्यवस्था को स्थापित करने में तिलक का योगदान अहम था और उन्होंने लोगों को देश को शिक्षा समर्पित करने के लिए प्रेरित किया। यह कहते हुए कि आत्मनिर्भरता, निडरता और स्वराज्य की अवधारणाएं तिलक के विचारों का एक अहम हिस्सा थीं, उन्होंने यह भी कहा कि महात्मा गांधी को तिलक को *लोकमान्य* मानना पड़ा था। पुरस्कार मिलने के बाद अपने संबोधन में एनएसए डोभाल ने युवाओं को आजादी का सही मतलब समझने की बात कही। साथ ही उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमित शाह के नेतृत्व की सहारना की।

पीएम, उनकी मां के लिए अपशब्द कहने वाली किशोरी ने सोशल मीडिया पर मांगी माफी

नोएडा (हि.स.)। राजधानी नई दिल्ली में जंतर मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी द्वारा हाल ही में आयोजित विरोध प्रदर्शन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी मां को अपशब्द कहने वाली नोएडा के सेक्टर 168 में रह रही एक किशोरी ने सोशल मीडिया के माध्यम से आज प्रधानमंत्री और देशवासियों से माफी मांगी। इस बच्ची ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो जारी किया है। जिसमें उसने कहा कि जंतर मंतर पर आयोजित धरना प्रदर्शन में वह गई थी। वहां मौजूद तमाम लोग प्रधानमंत्री के लिए अपशब्दों का प्रयोग कर रहे थे। भावावेश में आकर उसने भी कुछ अपशब्द कहे जो अत्यंत खराब थे। उसे ऐसा नहीं करना चाहिए था। उसने वीडियो संदेश में प्रधानमंत्री और देशवासियों से हाथ जोड़कर माफी मांगते हुए कहा कि मेरी उम्र 15 वर्ष है। मेरे से भूल हुई है। मैंने बहुत गलत काम किया है। वहीं प्रधानमंत्री मोदी ने भी सोशल मीडिया के माध्यम से धरना प्रदर्शन के दौरान उनके और उनकी मां के लिए अपशब्द कहने वाले लोगों को माफ करने की बात कही है। उन्होंने कहा कि बच्चों से गलतियां हो जाती है। उन्हें अदालत के चक्कर कटवाने की वजाय उन्हें सही रास्ते पर लाना हमारा कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि अपशब्द कहने वालों को वह माफ करते हैं। बीते 29 जुलाई को गाजियाबाद की रहने वाली श्रीमती स्मृति सिंह, पत्नी तेजेंद्र सिंह ने थाना एक्सप्रेसवे में मुकदमा दर्ज करवाया था।

दीपशिखा शिशु आश्रय स्थल में रोटरी क्लब ऑफ गुवाहाटी वेस्ट का सेवा कार्यक्रम

गुवाहाटी (हिंस)। रोटरी क्लब ऑफ गुवाहाटी वेस्ट ने शनिवार को भोलानाथ पथ स्थित दीपशिखा शिशु आश्रय स्थल में बाल देखभाल, नि:शुल्क दंत परीक्षण और आवश्यक किराना सामग्री वितरण का सेवा कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम में बच्चों के स्वास्थ्य परीक्षण के साथ उन्हें दंत स्वच्छता के प्रति भी जागरूक किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत क्लब के अध्यक्ष रोटेरियन पवन कुमार गोयल ने की। उन्होंने रोटरी के सेवा कार्यों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि समाज के वंचित और जरूरतमंद लोगों की सेवा संस्था की प्राथमिकता है। दीपशिखा फाउंडेशन की सचिव डॉ. मृण्मयी बरुवा ने रोटरी क्लब के लंबे समय से मिल रहे सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। क्लब के सचिव डॉ. आशीष शर्मा ने आश्रय स्थल के बच्चों और अन्य लाभार्थियों का नि:शुल्क दंत परीक्षण किया तथा उन्हें दंत स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक जानकारी दी। इस अवसर पर रोटरी क्लब ऑफ गुवाहाटी वेस्ट ने असम में चल रहे रोटरी के बाढ़ राहत अभियान के लिए रोटरी इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 3240 को 60 हजार रुपए की सहयोग राशि प्रदान की।

यात्री सुविधा और सुरक्षा के लिए रेल अधिनियम के प्रावधानों में संशोधन

गुवाहाटी (हिंस)। पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (पूसीरे) ने बताया है कि भारतीय रेलवे के अनुरूप रेल अधिनियम, 1989 के कई प्रावधानों में अहम संशोधन किए गए हैं। इन संशोधनों का उद्देश्य रेलवे से जुड़े अपराधों के नियमों के पालन को सहज बनाना, कुछ प्रावधानों को भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के अनुरूप करना और यात्री सुरक्षा एवं रेलवे के कामकाज को खतरे में डालने वाले अपराधों के खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करना है। पूसीरे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी (सीपीआरओ) कपिंजल किशोर शर्मा ने शनिवार को बताया कि संशोधित प्रावधानों का मकसद कई छोटी-मोटी उल्लंघनों को अपराध की श्रेणी से हटाना है। इसके तहत पहली बार या कम गंभीर अपराधों के लिए जेल की सजा की जगह आर्थिक जुर्माना लगाया जाएगा, जबकि बार-बार होने वाले या गंभीर उल्लंघनों के लिए कड़ी सजा का प्रावधान बना रहेगा। इन सुधारों का उद्देश्य रेलवे प्रणाली की सुरक्षा और अनुशासन से समझौता किए बिना कानूनी ढांचे को नागरिकों के लिए ज्यादा सुविधाजनक बनाना है।

स्पेन के स्यूटा में प्रवासी संकट : 48,000 से अधिक लोग मोरक्को लौटे, ट्रंप ने सरकार को घेरा

मैड्रिड (हि.स.)। उत्तरी अफ्रीका में स्थित स्पेन के स्वायत्त क्षेत्र स्यूटा में प्रवासियों की भारी आमद के बाद हालात धीरे-धीरे नियंत्रण में आने लगे हैं। स्पेन सरकार के अनुसार, सीमा पार करने वाले 60,000 प्रवासियों में से 48,300 से अधिक लोग अपनी मर्जी से मोरक्को लौट चुके हैं। फ्रांस की सरकारी अंतरराष्ट्रीय समाचार टेलीविजन नेटवर्क फ्रांस 24 के मुताबिक स्पेन के गृह मंत्रालय ने बताया कि गुरुवार सुबह से बड़ी संख्या में लोग जमीन और समुद्र के रास्ते स्यूटा पहुंचे थे, जिससे वहां अफरा-तफरी और मानवीय संकट जैसी स्थिति पैदा हो गई थी। हालात पर काबू पाने के लिए मोरक्को की सुरक्षा बलों ने सीमा पर लाठीचार्ज और आंसू गैस का इस्तेमाल किया तथा नए प्रवासियों को सीमा पार करने से रोकने की कोशिश की। यूरोपीय आयोग (ईयू) की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने इस स्थिति को *अस्वीकार्य* बताते हुए कहा कि यूरोपीय संघ में बिना नियमों का पालन किए किसी को प्रवेश की अनुमति नहीं दी जा सकती। इस बीच इटली ने स्पेन को शेंगेन फ्री-मूवमेंट जोन से निलंबित करने की मांग की। बाद में फिनलैंड और डेनमार्क ने भी इस मांग का समर्थन किया। वहीं, जर्मनी के चांसलर फ्रेडरिक मर्ज़ ने मोरक्को से अवैध प्रवासियों को तुरंत वापस लेने की अपील की। फ्रांस और ब्रिटेन ने संकट से निपटने में स्पेन की मदद की पेशकश की है, जबकि फ्रांस ने स्पेन से लगी अपनी सीमा पर सुरक्षा जांच भी कड़ी कर दी है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस प्रवासी संकट को लेकर स्पेन सरकार पर निशाना साधा। मैरीलैंड स्थित कैंप डेविड में कैबिनेट बैठक के दौरान उन्होंने कहा कि स्यूटा में जो हालात बने हैं, वे अनियंत्रित प्रवासन के खतरे का उदाहरण हैं।

অসম লোকসেৱা আয়োগ
ASSAM PUBLIC SERVICE COMMISSION
Jawaharnagar, Khanapara, Guwahati-781022.

No.140PSC/DR-4/1/2024-2025

NOTIFICATION

In pursuance to earlier notification dated Guwahati the 10th July, 2026, it is for information to all concerned that in view of the prevailing flood situation in Assam, the Screening Test (OMR Based) for recruitment to the post of **Assistant Engineer (Civil/Mechanical/ Chemical) under Public Health Engineering Department, Assam. (Advt. No. 31/2025, Dated Guwahati the 9th September, 2025)** which was scheduled to be held on 9th August, 2026 has been **postponed** by the Commission.

The revised date of the Screening Test shall be notified in due course of time.

-- DIPR /D/ VBS-45/2-Aug-26

Sd / -
Secretary,
Assam Public Service Commission
Jawaharnagar, Khanapara, Guwahati - 22

पृष्ठ एक का शेष

एडवांस पेमेंट और ...

सहायता राशि, जो वर्तमान में 1,250 रुपए है, दोनों को बढ़ाकर योजना का और विस्तार करने की योजना बना रही है। नवीनतम चरण में आधार-आधारित सत्यापन शुरू किया गया है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि लाभ वास्तविक लाभार्थियों तक पहुंचे और गलत बैंक खाता विवरण, डुप्लिकेट खातों या परिवारों के भीतर साझा किए गए खातों से उत्पन्न होने वाली समस्याओं को समाप्त किया जा सके। उन्होंने कहा कि हमने ऐसे मामले देखे हैं जहां बैंक खातों में समस्याओं या किसी और के खाते की जानकारी के इस्तेमाल के कारण महिलाओं को पैसा नहीं मिला। बैंक खातों को आधार से जोड़ने से सिस्टम अधिक पारदर्शी हो जाएगा और यह सुनिश्चित होगा कि पैसा सही लाभार्थी तक पहुंचे। मुख्यमंत्री ने स्वीकार किया कि कुछ लाभार्थियों को, जिनकी आधार-लिंकिंग प्रक्रिया अभी भी चल रही है, मौजूदा किस्त प्राप्त करने में अस्थायी देरी का सामना करना पड़ सकता है, लेकिन उन्होंने कहा कि इस मुद्दे को जल्द ही हल कर लिया जाएगा। कार्यान्वयन में सुधार के लिए, सरकार प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में अरुणोदय सारथी नियुक्त करेगी जो लाभार्थियों को नामांकन, आधार लिंकिंग, शिकायत निवारण और अन्य योजना संबंधी सेवाओं में सहायता प्रदान करेंगे। ऊपरी असम में विनाशकारी बाढ़ की पृष्ठभूमि में, मुख्यमंत्री ने शिवसागर, चराईदेउ, गोलाघाट और जोरहाट जिलों में अरुणोदय लाभार्थियों के लिए विशेष सहायता के रूप में अतिरिक्त 2,500 रुपए की घोषणा की। उन्होंने बाढ़ राहत के लिए स्वेच्छा से 150 रुपए का योगदान देने वाले लाभार्थियों की भी प्रशंसा की और इस भाव को योजना की मानवीय भावना का प्रतिबिंब बताया। राज्यपाल की मंजूरी मिलने के बाद असम के 2026-27 के बजट का यह पहला बड़ा कार्यान्वयन था। शनिवार को अरुणोदय 3.0 योजना के तहत 37 लाख से अधिक महिलाओं को मासिक सहायता प्राप्त हुई। कुछ लोगों ने सुझाव दिया कि हम अरुणोदय योजना को एक महीने के लिए निलंबित कर दें और पूरी राशि बाढ़ राहत कार्य में लगा दें, लेकिन हम दोनों का समर्थन करने की स्थिति में हैं। अरुणोदय अब केवल एक कल्याणकारी योजना नहीं रह गई है, बल्कि लाखों महिलाओं के लिए मानवता और गरिमा का प्रतीक बन गई है, शर्मा ने कहा। उन्होंने आगे कहा कि हमारी सरकार अरुणोदय को लगातार मजबूत करने और इसे हर उस परिवार के लिए ज्यादा सुलभ, ज्यादा संवेदनशील और ज्यादा सशक्त बनाने के अपने संकल्प पर अडिग है, जिसकी यह सेवा करती है। इस मौके पर असम सरकार के मंत्री जयंत मल्लबरुवा, विधायक प्रद्युत बरदलै, विधायक विजय गुप्ता, विधायक दिप्लु रंजन शर्मा, गुवाहाटी के मेयर मृगेन शरणिया समेत अन्य गणमान्य लोग मौजूद थे।

अरुणोदय 3.0 महिलाओं की ...

माध्यम से मजबूत असम के निर्माण की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि अरुणोदय 3.0 महिलाओं की सामाजिक-आर्थिक सुरक्षा और वित्तीय सशक्तिकरण का एक सफल मॉडल बनकर उभरा है। उन्होंने कहा कि इस योजना ने महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। वर्ष 2026-27 के राज्य बजट के प्रथम आवंटन से ही पात्र लाभार्थी महिलाओं को बढ़ी हुई वित्तीय सहायता मिलनी शुरू हो गई है। मंत्री ने कहा कि महिलाओं को आपात स्थिति में सहायता उपलब्ध कराने के लिए अग्रिम वित्तीय सहायता का प्रावधान किया गया है। साथ ही, माइक्रोफाइनेंस ऋणों से उत्पन्न समस्याओं को ध्यान में रखते हुए योजना के तहत छोटे ऋण उपलब्ध कराने की व्यवस्था भी की गई है, ताकि लाभार्थी कर्ज के बोझ से बच सकें। उन्होंने बताया कि बाढ़ प्रभावित शिवसागर, चराईदेउ, गोलाघाट और जोरहाट जिलों के अरुणोदय लाभार्थियों को विशेष सहायता के रूप में 2,500 रुपए प्रदान किए गए हैं। कार्यक्रम में हाजो-शुआलकुची के विधायक प्रकाश चंद्र दास, कामरूप के जिला आयुक्त देव कुमार मिश्र, जिला परिषद के प्रतिनिधि सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। इससे पहले मंत्री ने कामरूप जिले के शुआलकुची आईसीडीएस परियोजना के अंतर्गत 15 नंबर पूब फुलबारी पहाड़ आंगनवाड़ी केंद्र का भी उद्घाटन किया।

मणिपुर में अलग-अलग ...

से प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन केसीपी (नोयोन) के एक सक्रिय कैडर स्वयंभू सेकेंड लेफ्टिनेंट एक सारंगथेम राहुल सिंह को गिरफ्तार किया। वह, पल्लेल मायाई लीकाई का निवासी बताया गया है। इसी दिन मणिपुर पुलिस ने इंफाल पूर्वी जिले के पोरोम्पैट थानांतर्गत खुरई कोनसम लीकाई से उग्रवादी संगठन प्रीपाक (प्रो) के एक जबरन वसूली करने वाले सक्रिय कैडर निंगथौजम नानाओ मैतेई उर्फ लंथोंगंगकपा (41) को गिरफ्तार किया। पुलिस का राज्य में एंटी एक्सटॉर्शन अभियान जारी है।

पूर्वोत्तर में इस हफ्ते ...

बीच रहने की संभावना है। तीन एवं चार अगस्त को भी यही स्थिति बनी रहेगी। इस दिन का तापमान भी सामान्य रहने की संभावना है। आईएमडी के मुताबिक उत्तर-पश्चिम भारत के हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, उत्तराखंड, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पूर्वी राजस्थान, पश्चिमी राजस्थान और पंजाब में 2-5 अगस्त के बीच कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश होने के आसार हैं। मध्य भारत के पूर्वी मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ में कहीं-कहीं 4-7 अगस्त के दौरान भारी बारिश होने की संभावना है। पूर्वी भारत के अंडमान-निकोबार द्वीप समूह, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल, सिक्किम, गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल, झारखंड, बिहार और ओडिशा में 2-7 अगस्त के दौरान कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश हो सकती है। पूर्वोत्तर भारत के अरुणाचल प्रदेश, असम, मेघालय, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में 5-7 अगस्त के दौरान कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है। पश्चिम भारत के कोंकण, गोवा, मध्य महाराष्ट्र, गुजरात क्षेत्र, सौराष्ट्र और कच्छ में अगले 5-6 दिनों के दौरान कहीं-कहीं भारी बारिश होने का अनुमान है। दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत के केरल, माहे, तटीय कर्नाटक और दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक में कुछ जगहों पर अत्यधिक भारी बारिश होने की संभावना है।

राष्ट्रपति की मंजूरी ...

धांधली, पेपर लीक करने या अनुचित साधनों (नकल) का इस्तेमाल करने के दोषी पाए जाने वाले व्यक्तियों को पांच से दस साल तक की कैद के साथ-साथ 50 लाख रुपए तक का जुर्माना भी देना होगा। वहीं, पेपर लीक से जुड़े संगठित गिरोहों या सिंडिकेट पर शिकंजा कसते हुए कानून में कम से कम 7 साल की कैद और कम से कम 10 करोड़ के जुर्माने का कड़ा प्रावधान किया गया है। संसद में विधेयक पारित होने के तुरंत बाद पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर एक वीडियो संदेश साझा किया, जिसमें उन्होंने कहा कि पेपर लीक के खिलाफ कड़ा कानून बनाने का महत्वपूर्ण कार्य पूरा हो गया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार पेपर लीक और परीक्षा में होने वाली धांधली को रोकने के लिए कदम उठा रही है, और नवीनतम तकनीक के उपयोग से परीक्षा प्रणाली को मजबूत करना अनिवार्य हो गया है। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए काम कर रही है कि कोई भी पेपर लीक माफिया छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ न कर सके।

मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा के ...

असम) एक्ट, 1950 के प्रावधानों के अनुरूप की गई। सरकार ने यह भी स्पष्ट किया कि जिन मामलों पर उच्च न्यायालय या सर्वोच्च न्यायालय में सुनवाई लंबित होती है, उनमें निर्वासन की कार्रवाई नहीं की जाती। जिन लोगों को वापस भेजा गया है, वे या तो विदेशी न्यायाधिकरण द्वारा घोषित विदेशी, दोषसिद्ध विदेशी अथवा ताजा अवैध घुसपैठिए थे। वहीं विधानसभा में एआईयूडीएफ विधायक बदरुद्दीन अजमल ने इस प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए निर्वासन की कानूनी प्रक्रिया, न्यायिक अपील और बांग्लादेश से समन्वय की जानकारी मांगी। जवाब में सरकार ने स्पष्ट किया कि नागरिकता और विदेशी सरकारों से समन्वय पूरी तरह केंद्र सरकार का विषय है, जबकि राज्य सरकार केवल केंद्र के निर्देशों और कानून के अनुसार कार्रवाई करती है। साथ ही यह भी कहा गया कि पूरी प्रक्रिया के दौरान मानवाधिकारों की रक्षा के लिए आवश्यक सावधानियां बरती जाती हैं। हम आपको बता दें कि कांग्रेस और एआईयूडीएफ लगातार इस अभियान का विरोध कर रहे हैं, लेकिन राज्य सरकार का कहना है कि कार्रवाई केवल कानूनी रूप से चिन्हित अवैध विदेशियों के विरुद्ध ही की जा रही है। देखा जाए तो असम की यह कार्रवाई केवल एक राज्य की सीमा सुरक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि दुनिया भर में तेजी से उभर रहे अवैध प्रवासन संकट की व्यापक तस्वीर का हिस्सा भी है। यूरोप इस समय ऐसे ही संकट से जूझ रहा है। स्पेन के उत्तर अफ्रीकी क्षेत्र स्यूटा में हजारों प्रवासियों ने मोरक्को से सीमा पार कर घुसपैठ कर ली। इससे स्थानीय संसाधनों पर भारी दबाव पड़ा, सीमा सुरक्षा पर गंभीर प्रश्न खड़े हुए और पूरे यूरोपीय संघ में अवैध प्रवासन को लेकर नई बहस शुरू हो गई। इसी संदर्भ में अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने स्यूटा की घटनाओं को पश्चिमी देशों की ढीली सीमा नीतियों का परिणाम बताते हुए कहा कि अनियंत्रित प्रवासन राष्ट्रीय संप्रभुता और आंतरिक स्थिरता को कमजोर करता है। देखा जाए तो दुनिया के कई देशों में यह धारणा मजबूत हो रही है कि अवैध और बिना सत्यापन वाले बड़े पैमाने के प्रवासन से आवास, स्वास्थ्य सेवाओं, शिक्षा, रोजगार और सामाजिक कल्याण योजनाओं पर असाधारण दबाव पड़ता है। साथ ही सीमा पार अपराध, मानव तस्करी और सुरक्षा संबंधी जोखिम भी बढ़ जाते हैं। इन्हीं चुनौतियों को देखते हुए अनेक देश अब कड़े आव्रजन नियम लागू कर रहे हैं। सरकारों का तर्क है कि राष्ट्रीय संप्रभुता बनाए रखने, सीमाओं पर कानून का शासन स्थापित करने, मानव तस्करी के नेटवर्क को तोड़ने, स्थानीय संसाधनों की रक्षा करने और लोकतांत्रिक जनादेश के अनुरूप सीमा सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सख्त कदम आवश्यक हैं। तेज पहचान, त्वरित प्रत्यावर्तन और अवैध प्रवेश के विरुद्ध स्पष्ट कार्रवाई को कई देश अब अपनी दीर्घकालिक रणनीति का हिस्सा बना रहे हैं।

जीएसटी कलेक्शन में बंपर ...

साल जुलाई के मुकाबले 15.8 प्रतिशत अधिक है। चालू वित्त वर्ष के पहले चार महीनों में जीएसटी का कुल संग्रह 8.42 लाख करोड़ रहा जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि की तुलना में 10 प्रतिशत अधिक है। टैक्स कनेक्ट एडवाइजरी सर्विस के पार्टनर विवेक जालान कहते हैं, देश के जीएसटी संग्रह में लगातार हो रही बढ़ोतरी देश की मजबूत आर्थिक स्थिति को दर्शाता है। अच्छी बात यह है कि देश के 36 राज्य व केंद्र शासित प्रदेशों में से 28 में जीएसटी संग्रह में इजाफा हुआ है। इससे साफ है कि देश में टैक्स का दायरा लगातार बढ़ रहा है। जानकारों का कहना है कि पिछले साल सितंबर में सैकड़ों रोजमर्रा की वस्तुओं की जीएसटी दर को 12 प्रतिशत से घटाकर पांच प्रतिशत कर दिया गया जिससे उनकी बिक्री बढ़ी है और इससे भी जीएसटी संग्रह में तेजी है। कार पर जीएसटी दर को 28 प्रतिशत से कम कर 18 प्रतिशत कर दिया। कार की कीमत में राहत मिलने से उनकी बिक्री भी बढ़ रही है। जीएसटी संग्रह सीधे तौर पर वस्तुओं की बिक्री पर निर्भर करता है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक जुलाई माह में हरियाणा के जीएसटी संग्रह में 25 प्रतिशत, उत्तर प्रदेश में 15 प्रतिशत, बिहार में नौ प्रतिशत, झारखंड में 16 प्रतिशत, पंजाब में 16 प्रतिशत, हिमाचल प्रदेश में (-22) प्रतिशत, उत्तराखंड में (-18) प्रतिशत, मध्य प्रदेश में (-10) प्रतिशत, दिल्ली में आठ तो गुजरात में 19 प्रतिशत की बढ़ोतरी रही। दूसरी तरफ चालू वित्त वर्ष के पहले माह अप्रैल से यात्री वाहनों की बिक्री में तेजी का सिलसिला जारी है। देश की सबसे बड़ी कार कंपनी मारुति सुजुकी के वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक जुलाई में घरेलू स्तर पर देश भर में यात्री वाहनों की बिक्री 4.65 से लेकर 4.7 लाख यूनिट के बीच रहने का अनुमान है जो पिछले साल जुलाई में हुई बिक्री की तुलना में 33 प्रतिशत अधिक है। मारुति सुजुकी की अपनी यात्री वाहनों की बिक्री जुलाई में 1,96,203 यूनिट की रही जो पिछले साल जुलाई के मुकाबले 43.4 प्रतिशत अधिक है। हुंडई 54,210 यूनिट की बिक्री जो पिछले साल जुलाई की तुलना में 23.3 प्रतिशत अधिक है।

आजादी का मतलब...

डोभाल ने कहा कि भारत अपने इतिहास के एक अहम दौर से गुजर रहा है और उसे इस मौके को हाथ से नहीं जाने देना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमारे देश के इतिहास में एक सुनहरा मौका आया है। हम इसे गंवा नहीं सकते। अभी हमारी प्राथमिकता देश का निर्माण करना है। भारत के भविष्य पर भरोसा जताते हुए एनएसए ने कहा कि देश अपने मिशन में सफल होगा और इतिहास में एक नया अध्याय लिखेगा। डोभाल ने आगे कहा कि मुझे भरोसा है कि हम इस कोशिश में सफल होंगे और एक नया इतिहास रचेंगे। उन्होंने कहा कि देश खुशकिस्मत है कि उसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह जैसे नेता मिले हैं। लोकमान्य तिलक की तारीफ करते हुए डोभाल ने कहा कि वे न सिर्फ एक स्वतंत्रता सेनानी थे, बल्कि एक समाज सुधारक और दार्शनिक भी थे। उन्होंने कहा कि जब पुणे में प्लेग फैला और तिलक के 21 साल के बेटे की जान चली गई, तो उस आजादी की लड़ाई लड़ने वाले नेता ने शहर नहीं छोड़ा, बल्कि वहीं डटे रहे। उन्होंने आगे कहा कि शायद आज के युवाओं को लगता है कि भारत हमेशा से ऐसा ही था। युवाओं को शायद लगता है कि आजादी का मतलब है जो मन में आए वो करना। आजादी ऐसी नहीं थी। जिन लोगों ने आजादी के लिए अपनी जान दी, जिन्होंने इसके लिए संघर्ष किया... जैसे लोकमान्य तिलक। लोगों में दर्द था... वे अपनी बात कहना चाहते थे। तिलक ने उन्हें ऐसा करने की हिम्मत दी और उनमें एक नई *चेतना* जगाई।

गुटबाजी खत्म किए ...

महाबलीपुरम स्थित तमिलनाडु पर्यटन विभाग के अतिथि गृह में 23 जुलाई से चल रहे तमिलनाडु कांग्रेस के जिला अध्यक्षों के प्रशिक्षण शिविर के समापन समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने जिला अध्यक्षों और वरिष्ठ नेताओं के साथ संगठन विस्तार, बूथ स्तर पर मजबूती, राजनीतिक रणनीति और आगामी चुनावों की तैयारियों पर चर्चा की। अपने संबोधन में राहुल गांधी ने कहा कि तमिलनाडु में कांग्रेस के अपेक्षाकृत कमजोर होने का प्रमुख कारण पार्टी के भीतर गुटबाजी है। उन्होंने कहा कि अलग-अलग समूहों में काम करने की प्रवृत्ति संगठन की सामूहिक शक्ति को कमजोर करती है। उन्होंने सभी नेताओं और कार्यकर्ताओं से व्यक्तिगत मतभेद भुलाकर संगठन को मजबूत बनाने के लिए एकजुट होकर काम करने का आह्वान किया। उन्होंने जिला अध्यक्षों से कहा कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में संगठन और जनता के बीच मजबूत कड़ी बनें तथा आम लोगों के मुद्दों को प्राथमिकता दें। उनका कहना था कि कांग्रेस तभी मजबूत होगी, जब कार्यकर्ता लगातार जनता के बीच रहकर उनकी समस्याओं के समाधान के लिए संघर्ष करेंगे। कार्यक्रम के बाद पत्रकारों से बातचीत में राहुल गांधी ने निर्वाचन क्षेत्रों के परिसीमन का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि यदि परिसीमन मौजूदा प्रस्तावों के अनुरूप लागू किया गया तो इसका सबसे अधिक असर तमिलनाडु जैसे राज्यों पर पड़ेगा। उनके अनुसार यह केवल राजनीतिक प्रतिनिधित्व का विषय नहीं, बल्कि राज्य के भविष्य और वहां के लोगों के अधिकारों से जुड़ा प्रश्न है। उन्होंने सभी राजनीतिक दलों और राज्यों से इस मुद्दे पर एकजुट होकर विरोध दर्ज कराने की अपील की। राहुल गांधी ने परिसीमन का समर्थन करने वालों की भी आलोचना की। उन्होंने कहा कि जो लोग इस प्रक्रिया का समर्थन कर रहे हैं, वे *नासमझ* हैं। उनका आरोप था कि मौजूदा स्वरूप में परिसीमन की प्रक्रिया तमिलनाडु के लोगों के अधिकारों और उनके राजनीतिक प्रतिनिधित्व को प्रभावित कर सकती है।

राष्ट्र प्रथम का मंत्र ...

साहित्य भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के प्रतीक हैं। उन्होंने कहा कि यह सुखद है कि मैसूर ने अपनी इस विरासत को सहेजकर रखा है। श्री रामकृष्ण आश्रम और स्वामी विवेकानंद की स्मृतियां इसी गौरवशाली विरासत का हिस्सा हैं। प्रधानमंत्री ने बताया कि उन्होंने उस ऐतिहासिक भवन का भी दौरा किया, जहां स्वामी विवेकानंद अपने प्रवास के दौरान ठहरे थे। उन्होंने कहा कि राष्ट्रकवि कुवेम्पु सहित अनेक विद्वानों का भी रामकृष्ण आश्रम से गहरा संबंध रहा है और विवेक स्मारक इस विरासत को नया विस्तार देगा। मोदी ने कहा कि कोई भी व्यक्ति एक दिन में महान नहीं बनता। महानता के लिए तप, साधना, संघर्ष और निरंतर आत्मसमर्पण की आवश्यकता होती है। उन्होंने कहा कि प्रसिद्धि मिलने के बाद तो दुनिया साथ खड़ी हो जाती है लेकिन तपस्या के समय किसी महान व्यक्तित्व को पहचानना आसान नहीं होता। उन्होंने कहा कि करीब 130 वर्ष पहले जब युवा संन्यासी के रूप में स्वामी विवेकानंद मैसूर आए थे, तब उनकी प्रसिद्धि नहीं थी लेकिन उनके विचार उतने ही महान थे। उस समय मैसूर के तत्कालीन महाराजा ने उनकी प्रतिभा को पहचाना और सहयोग दिया। प्रधानमंत्री ने कहा कि अमेरिका प्रवास के दौरान स्वामी विवेकानंद ने स्वयं अपने पत्र में महाराजा के सहयोग का उल्लेख किया था। उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद ने भारतीय संस्कृति और शास्त्रों के मूल संदेश को आत्मसात किया था। उनका मानना था कि वही व्यक्ति वास्तव में जीवित है, जो दूसरों के लिए जीता है। इसी विचार को आगे बढ़ाते हुए मैसूर का रामकृष्ण आश्रम पिछले सौ वर्षों से शिक्षा, स्वास्थ्य, आपदा राहत और समाज सेवा के अनेक कार्य कर रहा है। प्रधानमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि विवेक स्मारक साधकों और श्रद्धालुओं के लिए आध्यात्मिक प्रेरणा का केंद्र बनेगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि स्वामी विवेकानंद का संदेश *शिव ज्ञाने, जीव सेवा* आज भी उतना ही प्रासंगिक है।

जंतर-मंतर पर पुलिस ...

की तस्करी और आतंकवादी गतिविधियों से जुड़े शाहजहाद भट्टी गिरोह के सदस्य बताए जा रहे हैं। इनके बीच व्हाट्सऐप, टेलीग्राम और अन्य माध्यमों से नियमित संपर्क बना हुआ था। एसटीएफ आईजी ने दावा किया कि हमीम मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी की गतिविधियों पर नजर रख रहा था। इसके अलावा हाल में दिल्ली के जंतर-मंतर पर छात्रों के प्रदर्शन के दौरान पुलिस की वर्दी पहनकर हिंसक वारदात को अंजाम देने की भी योजना बनाई गई थी। हावड़ा के एक मंत्री भी संभावित निशानों में शामिल थे। जांच में यह भी सामने आया है कि हमीम *राना, आबिर, हबीब* और *333* जैसे कूटनाम वाले संचालकों के संपर्क में था। एसटीएफ के मुताबिक यह नेटवर्क युवाओं को कट्टरपंथ की ओर प्रेरित करने, हथियारों की तस्करी, विध्वंसक गतिविधियों की साजिश रचने और प्रभावशाली लोगों को *हनी ट्रैप* में फंसाने जैसे मामलों में सक्रिय रहा है। इसी सिलसिले में झारखंड के साहिबगंज से आरोपित की प्रेमिका अर्पिता सरकार को भी शनिवार सुबह गिरफ्तार किया गया है।

कमर्शियल सिलेंडर ...

है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, दिल्ली में 19 किलो के कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमत में 202 रुपए और कोलकाता में 209 रुपए की कमी की गई है। कटौती के बाद दिल्ली में इसकी नई कीमत 2,728 रुपए और कोलकाता में 2,872.50 रुपए हो गई है। हालांकि, 14.2 किलोग्राम वाले घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में इस बार भी कोई बदलाव नहीं किया गया है। दिल्ली में घरेलू सिलेंडर 942 रुपए, मुंबई में 941.50 रुपए, कोलकाता में 968 रुपए और चेन्नई में 957.50 रुपए में उपलब्ध रहेगा। विभिन्न राज्यों में स्थानीय वैट और टैक्स के कारण कीमतों में मामूली अंतर हो सकता है। यह लगातार दूसरा महीना है जब कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर सस्ता हुआ है। इससे पहले एक जुलाई को भी इसकी कीमत में 183.50 रुपए तक की कटौती की गई थी। वहीं, इस साल जनवरी से जून के बीच कमर्शियल सिलेंडर के दाम सात बार बढ़ाए गए थे, जिनमें मार्च में दो बार बढ़ोतरी शामिल थी। उस समय पश्चिम एशिया में जारी तनाव और वैश्विक सप्लाई बाधित होने से कीमतों पर दबाव बना था। कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर का उपयोग मुख्य रूप से होटल, रेस्टोरेंट, कैटरिंग, ढाबों और अन्य व्यावसायिक संस्थानों में किया जाता है। ऐसे में कीमतों में आई इस कटौती से कारोबारियों की लागत कम होने की उम्मीद है।

कुलगाम आतंकी हमले ...

आतंकवादियों ने दो प्रवासी मजदूरों पर गोलीबारी की थी। हमले में एक मजदूर की मौत शुक्रवार को ही अनंतनाग स्थित सरकारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में हो गई थी, जबकि दूसरे घायल मजदूर को बेहतर इलाज के लिए एसकेआईएमएस, श्रीनगर रेफर किया गया था, जहां शनिवार को उसकी भी मृत्यु हो गई। मृतकों की पहचान दीपक राठे (24), पुत्र उमा शंकर और बोपिंदर (28, पुत्र दसराठ) के रूप में हुई है। दोनों छत्तीसगढ़ के निवासी थे और कश्मीर में प्रवासी मजदूर के रूप में कार्यरत थे।

असम बाढ़ : गौतम अदानी ने मुख्यमंत्री राहत कोष में दिए 11 करोड़

गुवाहाटी (हिंस)। असम में आई विनाशकारी बाढ़ से प्रभावित लोगों की मदद के लिए पूरा देश एकजुट होकर सामने आ रहा है। इसकी जानकारी मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने सोशल मीडिया के जरिए साझा की है। इस कड़ी में देश के प्रमुख उद्योगपति गौतम अदानी द्वारा बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए दिए गये दान का मुख्यमंत्री ने जिक्र किया है। मुख्यमंत्री ने कहा है कि असम के बाढ़ पीड़ित लोगों की मदद के लिए गौतम अदानी ने मुख्यमंत्री की सहायता कोष में 11 करोड़ रुपए का दान दिया, यह खबर अचानक मुझे पता चली। हमेशा प्रचार से दूर रहकर चुपचाप काम करने वाले

अदानी ने इस बार भी सिर्फ आर्थिक मदद तक ही सीमित नहीं रहकर, बाढ़ पीड़ित हजारों परिवारों के पास समय पर मदद पहुंचाने के लिए विभिन्न माध्यमों से संपत्ति जुटाने की दिशा में भी चुपचाप काम किया है। उन्होंने कहा है कि असम के विकास की यात्रा में निवेश करने के मामले में उन्होंने जो भरोसा और साहस दिखाया है, आज भी संकट के इस समय में असम के आम लोगों के प्रति वही जिम्मेदारी और सहानुभूति दिखा रहे हैं। असम के मुश्किल समय में आम लोगों के साथ खड़े होने के इस मानवीय कदम के लिए मैं उनका दिल से आभारी हूं। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने कहा है कि मुख्यमंत्री राहत कोष में मदद को लेकर समाज के विभिन्न स्तरों से मदद का सिलसिला जारी है। इस मदद के हर एक योगदान का इस्तेमाल पूरी पारदर्शिता, ईमानदारी और जिम्मेदारी के साथ जरूरतमंद लोगों की जिंदगी को फिर से संवारने में किया जाएगा।

कोकराझाड़ में जनगणना 2027 के प्रथम चरण की तैयारियों का आयुक्त ने लिया जायजा

कोकराझाड़ (हिंस)। कोकराझाड़ के जिला आयुक्त पंकज चक्रवर्ती ने शनिवार को बोड़ोलैंड एडमिनिस्ट्रेटिव स्टाफ कॉलेज (बीएएससी), कोकराझाड़ में आयोजित जनगणना 2027 के प्रथम चरण के लिए गणनाकर्मियों एवं पर्यवेक्षकों के प्रशिक्षण कार्यक्रम का निरीक्षण किया। कोकराझाड़ म्यूनिसिपल चार्ज के तहत आयोजित इस प्रशिक्षण में दो बैचों में कुल 72 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। प्रशिक्षण का उद्देश्य गणनाकर्मियों एवं पर्यवेक्षकों को जनगणना कार्य के सफल संचालन के लिए आवश्यक तकनीकी ज्ञान एवं प्रक्रियात्मक जानकारी प्रदान करना है। निरीक्षण के दौरान जिला आयुक्त ने प्रशिक्षण मॉड्यूल की समीक्षा की और प्रशिक्षुओं से संवाद करते हुए क्षेत्रीय स्तर पर आंकड़े एकत्र करने में सटीकता, समर्पण और पेशेवर रवैये के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने सभी गणनाकर्मियों एवं पर्यवेक्षकों से जनगणना की प्रक्रियाओं को अच्छी तरह समझने और पूरी जिम्मेदारी एवं ईमानदारी के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि विश्वसनीय जनगणना आंकड़े साक्ष्य-आधारित योजना, प्रभावी प्रशासन और समावेशी विकास की मजबूत नींव तैयार करते हैं।

साथ ही उन्होंने निर्धारित दिशा-निर्देशों का कड़ाई से पालन करने तथा प्रशिक्षण सत्रों में सक्रिय रूप से भाग लेने और किसी भी प्रकार की शंका होने पर आवश्यक स्पष्टीकरण प्राप्त करने की सलाह दी, ताकि क्षेत्रीय स्तर पर आंकड़ा संग्रहण में किसी प्रकार की त्रुटि न हो। जनगणना 2027 के प्रथम चरण की तैयारियों के तहत कोकराझाड़ जिले के विभिन्न चार्ज क्षेत्रों में व्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इन प्रशिक्षणों का उद्देश्य सभी नियुक्त गणनाकर्मियों एवं पर्यवेक्षकों को जनगणना कार्य के सुचारू, सटीक और प्रभावी क्रियान्वयन के लिए आवश्यक तकनीकी ज्ञान, संचालन संबंधी कौशल और प्रक्रियात्मक स्पष्टता से लैस करना है।

असम भाजपा ने *बिजेपी बार्ता* के नए अंक का किया विमोचन

गुवाहाटी (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) असम प्रदेश ने शनिवार को अपने आधिकारिक मुखपत्र *बिजेपी बार्ता* के दसवें वार्षिक खंड के आठवें अंक का विमोचन पार्टी के प्रदेश मुख्यालय अटल बिहारी वाजपेयी भवन, बशिष्ठ (गुवाहाटी) में आज किया। मुखपत्र का विमोचन असम सरकार की पशुपालन एवं पशु चिकित्सा, मत्स्य तथा लोक उद्यम मंत्री एवं भाजपा असम प्रदेश महिला मोर्चा की अध्यक्ष नीलिमा देवी ने किया। इस अवसर पर भाजपा असम प्रदेश के उपाध्यक्ष मनोज बरुवा तथा प्रदेश सचिव महेश देउरी भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री नीलिमा देवी ने कहा कि *बिजेपी बार्ता* पार्टी कार्यकर्ताओं के लिए वैचारिक संवाद का सशक्त मंच बन चुका है। उन्होंने कहा कि यह प्रकाशन पार्टी की विचारधारा, उपलब्धियों और संगठनात्मक गतिविधियों को जन-जन तक पहुंचाने के साथ-साथ कार्यकर्ताओं को समसामयिक सामाजिक-राजनीतिक विषयों की जानकारी देकर उन्हें प्रेरित और जागरूक करने का कार्य भी करता है। कार्यक्रम का संचालन भाजपा असम प्रदेश मीडिया विभाग के सह-संयोजक डॉ. ध्रुव ज्योति ठाकुरिया ने किया।

असम में 14 *घुसपैठिए* पकड़े गए, कार्रवाई शुरू : हिमंत

गुवाहाटी (हिंस)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने बताया है कि असम पुलिस ने 14 कथित घुसपैठियों को पकड़ा है और उनके खिलाफ उचित कार्रवाई शुरू कर दी गई है। हालांकि, मुख्यमंत्री ने पकड़े गए लोगों की पहचान, ऑपरेशन की जगहों या की गई कार्रवाई के बारे में कोई जानकारी नहीं दी। डॉ. शर्मा ने बीती रात सोशल मीडिया *एक्स* पर एक पोस्ट शेयर करते हुए कहा कि हर दिन, जब घुसपैठिए असम में अपनी नापाक साजिशों को अंजाम देने की कोशिश करते हैं, तो हम उनके मंसूबों को नाकाम करते रहते हैं और उनके खिलाफ कार्रवाई करते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि असम पुलिस ने ऐसे 14 घुसपैठियों को पकड़ा है और उनके खिलाफ उचित कार्रवाई की गई है। असम सतर्क है। यह ताजा घोषणा असम सरकार द्वारा अवैध आव्रजन और संदिग्ध विदेशी नागरिकों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के बीच आई है। मुख्यमंत्री ने 30 जुलाई को भी असम पुलिस द्वारा 18 घुसपैठियों के पकड़े जाने की जानकारी सोशल मीडिया के जरिए साझा की थी। ज्ञात हो कि राज्य सरकार ने हाल ही में असम विधानसभा को बताया था कि पिछले 10 वर्षों में लगभग 2,100 अवैध विदेशियों को राज्य से डिपोर्ट किया गया, निकाला गया या वापस भेजा गया। सरकार द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, कुल लोगों में से 2,023 बांग्लादेश से थे।

कोकराझाड़ जिले में *अरुणोदय 3.0* का भव्य शुभारंभ

कोकराझाड़ (हिंस)। कोकराझाड़ जिले में जिला प्रशासन की ओर से आज *अरुणोदय 3.0* के तहत आधार-आधारित भुगतान प्रणाली के राज्यव्यापी औपचारिक शुभारंभ का सफल आयोजन किया गया। इस पहल का उद्देश्य पात्र लाभार्थियों को वित्तीय सहायता का पारदर्शी, सुरक्षित और सुगम वितरण सुनिश्चित करना है। गुवाहाटी के श्रीमंत शंकरदेव कलाक्षेत्र में आयोजित केंद्रीय शुभारंभ समारोह में मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा शामिल हुए। कार्यक्रम का सीधा प्रसारण कोकराझाड़ जिले के विभिन्न वीसीडीसी, वीडीसी और शहरी वार्डों में आयोजित कार्यक्रम स्थलों पर किया गया, जिससे बड़ी संख्या में लाभार्थियों और आम लोगों ने भाग लिया। स्थानीय कार्यक्रमों में विधायक, कार्यकारी सदस्य (ईएम), एमसीएलए, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी और जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। राज्यस्तरीय कार्यक्रम के समापन के बाद स्थानीय समारोहों का आयोजन किया गया, जहां उपस्थित अतिथियों ने आधार-सक्षम भुगतान प्रणाली के माध्यम से सरकारी कल्याणकारी योजनाओं में पारदर्शिता, जवाबदेही और कार्यकुशलता को मजबूत करने पर प्रकाश डाला। *अरुणोदय 3.0* के उन्नत चरण के तहत कोकराझाड़ जिले के पात्र लाभार्थियों को आधार-सक्षम भुगतान प्रणाली से जोड़ा जा रहा है। इसके माध्यम से मासिक वित्तीय सहायता सीधे लाभार्थियों के बैंक खातों में आधार पेमेंट ब्रिज सिस्टम (एपीबीएस) के जरिए जमा की जाएगी। इससे डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) को अधिक पारदर्शी और सुगम बनाने में मदद मिलेगी। जिले के विभिन्न आयोजन स्थलों पर लाभार्थियों और आम जनता की उत्साहपूर्ण भागीदारी देखने को मिली। सभी कार्यक्रम शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुए और अंत में राष्ट्रगान के साथ समारोह का समापन हुआ।

चैंपियन मेकर एकादमी का शानदार प्रदर्शन

विश्वनाथ (विभास)। सतिया चैंपियन मेकर एकादमी से परीक्षण प्राप्त खिलाड़ियों ने छत्तीसगढ़ में अनुष्ठित सीबीएससी फॉर ईस्ट जन जूडो प्रतियोगिता में कई पदक जीतने में सफल रहे हैं। परीक्षक हृदयानंद दास के बताए अनुसार उक्त प्रतियोगिता में सतिया चैंपियन मेकर एकादमी के सात खिलाड़ियों ने भाग लिया था जिसमें 5 खिलाड़ियों ने पदक जीते हैं जिसमें 14 साल 45 किलो शाखा में प्रथम गीतार्थ कलिता को स्वर्ण पदक दूसरा 14 साल 50 किलो शाखा में देवानिभ बरमुदोई स्वर्ण पदक 17 साल 45 किलो शाखा में भूमिष्ठा दास स्वर्ण पदक हासिल किया है वहीं उक्त प्रतियोगिता में देवपर्ण मेधी ने अपनी शाखा में सिल्वर पदक वही अंकुमान बोरा को कांस्य पदक हासिल किया है चैंपियन मेकर एकादमी की इस सफलता पर सभी सतिया वासियों ने सभी खिलाड़ियों को बधाई देने के साथ सफलता हासिल करने पर खुशी जाहिर की है।

तामुलपुर में अमृत वृक्ष आंदोलन का सफल समापन 5,000 पौधों का वितरण

तामुलपुर (हिंस)। जिला प्रशासन और बाक्सा वन प्रभाग के संयुक्त तत्वावधान में शनिवार को तामुलपुर में अमृत वृक्ष आंदोलन का सफल आयोजन किया गया। *मां के नाम एक पेड़* उप-विषय पर आयोजित कार्यक्रम का उद्देश्य वृक्षारोपण के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण और जनभागीदारी को बढ़ावा देना था। मुख्य अतिथि एवं स्थानीय विधायक तथा राज्य के कैबिनेट मंत्री बिश्वजीत दैमारी ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल वन विभाग की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि प्रत्येक नागरिक को वृक्षारोपण और पौधों के संरक्षण के प्रति जिम्मेदार बनना होगा। उन्होंने कहा कि प्रकृति का संतुलन बनाए रखने के लिए सभी को इस अभियान से जुड़ना चाहिए।

विवेकानंद केंद्र कन्याकुमारी विश्वनाथ शाखा का पांच दिवसीय स्थानीय कार्यकर्ता प्रशिक्षण शिविर संपन्न

विश्वनाथ (विभास)। विवेकानंद केंद्र कन्याकुमारी विश्वनाथ चारिआलि शाखा के सौजन्य में पांच दिवसीय *स्थानीय कार्यकर्ता प्रशिक्षण शिविर* का आयोजन किया गया। शहर के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान शंकरदेव शिशु विद्या निकेतन में यह शिविर 25 से 29 जुलाई तक आयोजित हुई। शिविर में प्रत्येक दिन अलग-अलग बौद्धिक सत्र, शारीरिक का अभ्यास के साथ अपने समूह के साथ चर्चा करते हुए गानाशाह प्रस्तुति किया गया। बौद्धिक सत्र में शहर के समाजसेवी प्रभुनाथ सिंह, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के जिला सेवा प्रमुख डॉ. सरजीत दास आदि ने शिविरार्थी के समक्ष अपने विषय पर प्रकाश डाले। शाम को भजन संध्या में भारत माता की पूजन भी किया गया। इस शिविर में कुल शिविरार्थी की संख्या 30 और आयोजक की समूह की संख्या 23 के साथ 53 लोगों ने अपना योगदान दिया। मां भारती की चारणों में प्रणाम करते हुए शिविर का समापन हुई। उल्लेखनीय है कि विवेकानंद केंद्र कन्याकुमारी का उद्देश्य मानव निर्माण राष्ट्र पुनरूत्थान हेतु कार्यकर्ता का प्रशिक्षण अलग,अलग कार्यपद्धति के वर्ग को लेते हुए यह पांच दिवसीय शिविर आयोजित करना है।

एसएसबी जवानों ने किया योगाभ्यास फिटनेस और मानसिक स्वास्थ्य पर जोर

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी के सोनापुर स्थित प्रथम वाहिनी सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) के कमांडेंट सुनील कौशिक के मार्गदर्शन में शनिवार को होजाई स्थित *जी* समवाय में 100 दिवसीय योग कार्यक्रम के अंतर्गत योगाभ्यास का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य जवानों के शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य को सुदृढ़ बनाना, तनाव को कम करना तथा स्वस्थ एवं अनुशासित जीवनशैली को बढ़ावा देना है। योग सत्र के दौरान जवानों को प्राणायाम, सूर्य नमस्कार तथा विभिन्न योगासनों का अभ्यास कराया गया। प्रशिक्षकों द्वारा प्रत्येक योगाभ्यास के स्वास्थ्य संबंधी लाभों की भी जानकारी दी गई, जिससे जवानों को योग को अपनी दैनिक दिनचर्या

का अभिन्न हिस्सा बनाने के लिए प्रेरित किया जा सके। इस अवसर पर समवाय प्रभारी ने अपने संबोधन में कहा कि योग केवल शरीर को स्वस्थ रखने का माध्यम नहीं है, बल्कि यह मन को शांति, एकाग्रता और सकारात्मक ऊर्जा भी प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि 100 दिनों तक निरंतर योगाभ्यास करने से जीवनशैली में सकारात्मक परिवर्तन आएंगे तथा जवानों की कार्यक्षमता, मानसिक दृढ़ता और आत्मविश्वास में भी वृद्धि होगी। उन्होंने सभी जवानों से प्रतिदिन नियमित रूप से योग करने का आह्वान किया। यह 100 दिवसीय योग कार्यक्रम प्रतिदिन प्रातःकाल आयोजित किया जाएगा, जिससे सभी कार्मिक योग के माध्यम से स्वस्थ, तनावमुक्त एवं ऊर्जावान जीवन की ओर अग्रसर हो सकें।

स्वास्थ्य मंत्री ने किया नगांव मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल का निरीक्षण

नगांव (निसं)। असम के स्वास्थ्य मंत्री अशोक सिंघल ने शनिवार को नगांव मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल का दौरा कर वहां की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अस्पताल में उपलब्ध स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता, चिकित्सा शिक्षा के वातावरण तथा चल रहे विकास कार्यों की प्रगति की समग्र समीक्षा की। इस अवसर पर नगांव-बटद्रवा विधानसभा क्षेत्र के विधायक रूपक शर्मा, ब्रह्मपुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक जीतू गोस्वामी, नगांव के जिला आयुक्त देवाशीष शर्मा, स्वास्थ्य विभाग के संयुक्त निदेशक डॉ. पंचम कुमार बोरा तथा नगांव मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य, अधीक्षक और वरिष्ठ चिकित्सक उपस्थित रहे। सभी के साथ मंत्री ने अस्पताल की स्वास्थ्य सेवाओं, उपलब्ध बुनियादी ढांचे और अन्य महत्वपूर्ण पहलुओं पर विस्तृत समीक्षा की। स्वास्थ्य मंत्री ने अस्पताल में भर्ती मरीजों और उनके परिजनों से भी बातचीत कर उनकी समस्याओं, अनुभवों और उपचार संबंधी सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने अस्पताल प्रशासन को निर्देश दिया कि प्रत्येक मरीज को समय पर बेहतर, गुणवत्तापूर्ण और सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना हर हाल में सुनिश्चित किया जाए।

अवैध खनन में संलिप्त दो माफिया गिरफ्तार, दो डंपर जब्त

कोकराझाड़ (विभास)। छठी वाहिनी सशस्त्र सीमा बल, रानीगुली की बाह्य सीमा चौकी दादागिरी ने अवैध खनन के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। बल को मिली गुप्त सूचना के आधार पर, सहायक कमांडेंट भरत शरण के नेतृत्व में सीमा चौकी दादागिरी और वन विभाग, देवश्री के संयुक्त दलों ने एक विशेष अभियान चलाया। इस संयुक्त अभियान के तहत भारत-भूटान सीमा स्तंभ संख्या 169/5 से लगभग 11.5 किलोमीटर भारतीय क्षेत्र के भीतर स्थित देवश्री इलाके में गश्त की गई। कार्रवाई के दौरान अवैध खनन में संलिप्त दो व्यक्तियों को रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया, साथ ही पत्थरों से भरे दो डम्पर भी जब्त किए गए। कार्रवाई के बाद जब्त किए गए दोनों डम्परों और गिरफ्तार अभियुक्तों को आगे की विधिक कार्रवाई के लिए वन विभाग, शांतिपुर को सौंप दिया गया है। सशस्त्र सीमा बल द्वारा भारत-भूटान सीमा क्षेत्र में लगातार नियमित गश्त, कड़ी निगरानी और सतर्कता बरती जा रही है, जिसके सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं। इसके चलते सीमाई इलाकों में तस्करी और अन्य अवैध गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लग रहा है। एसएसबी ने स्पष्ट किया है कि भविष्य में भी सीमा क्षेत्र में शांति, कानून-व्यवस्था और सुरक्षा बनाए रखने के लिए उनका यह अभियान पूरी प्रतिबद्धता के साथ जारी रहेगा।

शिवसागर में तटबंध टूटने का कोई नया खतरा नहीं : मंत्री बिमल बोरा

गुवाहाटी (हिंस)। असम के जल संसाधन मंत्री बिमल बोरा ने शनिवार को कहा कि शिवसागर जिले में किसी भी तटबंध के नए सिरे से टूटने का कोई खतरा नहीं है। उन्होंने बताया कि जल संसाधन विभाग की टीमें दिन-रात जिले के सभी तटबंधों की लगातार निगरानी कर रही हैं। संवेदनशील स्थानों पर विशेष नजर रखी जा रही है ताकि किसी भी संभावित स्थिति से समय रहते निपटा जा सके। मंत्री ने लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने और घबराने की आवश्यकता नहीं होने की अपील करते हुए कहा कि विभाग पूरी तरह सतर्क है तथा सभी आवश्यक एहतियाती कदम उठाए जा रहे हैं।

धुबड़ी : पगला बाबा धाम में श्रावण उत्सव को लेकर तैयारियां जोरों पर

धुबड़ी (विभास)। धुबड़ी जिले के प्रख्यात पगला बाबा जो की धुबड़ी शहर के जीटीबी रोड पर स्थित श्रावण महीना की इस पावन उत्सव के अवसर पर श्री श्री पगला बाबा सेवा समिति की ओर से इस त्यौहार को बेहतर हर्ष के साथ मनाए जाने का प्रबंध जबरदस्त तरीके से किया गया है। इस उत्सव में सभी श्रद्धालुओं भक्तों की उपस्थिति की हार्दिक कामना की गई है। उक्त इस पगला बाबा सेवा समिति का स्थापना 1949 में की गई थी धुबड़ी गौरीपुर के बीचो बीच बसे जीटीबी रोड पर हैं। पिछले कई वर्षों से इस मंदिर में महादेव की भक्तों की भक्ति प्रचुर मात्रा में देखी जा रही है इस सावन महीना भक्तों का भीर अतिरिक्त मात्रा में होने की संभावना है।

होजाई के वरिष्ठ नागरिकों ने चार जिलों के बाढ़ प्रभावितों के लिए 1,04,000 रुपए का सहयोग दिया

होजाई (निसं)। असम में हालिया विनाशकारी बाढ़ से प्रभावित चार जिलों के राहत कार्यों के लिए होजाई जिले के वरिष्ठ नागरिकों ने बढ़चढ़कर सहयोग दिया है। असम वरिष्ठ नागरिक सम्मिलन के केंद्रीय आह्वान पर होजाई जिला वरिष्ठ नागरिक सम्मिलन के नेतृत्व में होजाई, काकी, लंका, डबका, दलपुखुरी, जमुनामुख, शंकरदेव नगर एवं आसपास के क्षेत्रों के वरिष्ठ नागरिकों ने कुछ ही दिनों में खुले दिल से सहयोग देकर 1,04,000 (एक लाख चार हजार) रुपए राज्य समिति के बाढ़ सहायता कोष में जमा कराए है। होजाई जिला वरिष्ठ नागरिक सम्मिलन के अध्यक्ष कृष्ण कुमार शर्मा व सचिव अनूप कुमार बरठाकुर ने बताया होजाई जिले के वरिष्ठ नागरिकों ने दिल खोलकर सहयोग किया है। पहली किस्त जमा करने के बावजूद दान एकत्र करने का अभियान 15 अगस्त तक जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि जिलास्तर पर और भी योगदान अपेक्षित है ताकि प्रभावित परिवारों को तेजी से राहत पहुंचायी जा सके। अनुप कुमार बरठाकुर आगे बताया असम वरिष्ठ नागरिक सम्मिलन जिला एवं शाखा समितियों के साथ मिलकर जुटाए गए कोष का सही और पारदर्शी तरीके से वितरण करेगा। हमारी टीमें प्रभावित जिलों का निरीक्षण कर स्थानीय वरिष्ठ नागरिक सम्मिलन के सुझाए अनुसार सहायता का वितरण सुनिश्चित करेंगी। समिति ने कहा है कि अभूतपूर्व प्राकृतिक आपदा के इस कठिन समय में देश के वरिष्ठ नागरिकों ने पीड़ितों के प्रति अपनी सहानुभूति और सहयोग स्पष्ट कर दिया है। होजाई जिला वरिष्ठ नागरिक सम्मिलन आगे भी राहत कार्यों के लिए नागरिकों से समर्थन जुटाने की प्रक्रिया जारी रखेगा।

बाढ़ से प्रभावित किसानों के लिए वैकल्पिक खेती की योजना बनाएगी सरकार : पीयूष

गुवाहाटी (हिंस)। असम सरकार शिवसागर जिले में बाढ़ से प्रभावित किसानों के लिए वैकल्पिक खेती की योजना तैयार कर रही है। कृषि मंत्री पीयूष हजारिका ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि शिवसागर जिले में बाढ़ से करीब एक लाख परिवार प्रभावित हुए हैं, जबकि 60 हजार परिवारों की फसल पूरी तरह नष्ट हो गई है। ऐसे में बड़ी संख्या में किसान इस वर्ष धान की खेती नहीं कर पाएंगे। कृषि मंत्री ने कहा कि प्रभावित किसानों की आजीविका बनाए रखने के लिए राज्य सरकार वैकल्पिक खेती की व्यवस्था करेगी। कृषि विभाग किसानों को फलदार पौधे उपलब्ध कराने के लिए तैयार है। इसके साथ ही रबी फसलों की खेती के लिए भी आवश्यक सहायता और व्यवस्था की जाएगी।

डूरंड कप : अजराई की शानदार हैट्रिक से नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी ने बोड़ोलैंड एफसी को 6-0 से हराया

गुवाहाटी। मौजूदा चैंपियन नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी ने 135वें इंडियनऑयल डूरंड कप के गुवाहाटी चरण की शुरुआत शानदार अंदाज में करते हुए शनिवार को इंदिरा गांधी एथलेटिक स्टेडियम में खेले गए ग्रुप एफ के उद्घाटन मुकाबले में बोड़ोलैंड एफसी को 6-0 से करारी शिकस्त दी। टीम के स्टार खिलाड़ी अलाउद्दीन अजराई ने शानदार हैट्रिक जमाकर मुकाबले के नायक बने, जबकि लालरिनजुआला, रिडीम त्लांग और एंटोनियो मोयानो ने भी एक-एक गोल दागकर हाईलैंडर्स को अपने खिताब बचाने के अभियान की बेहतरीन शुरुआत दिलाई। 135वें इंडियनऑयल डूरंड कप के सभी 43 मुकाबलों का सीधा प्रसारण सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क पर किया जाएगा, जबकि लाइव स्ट्रीमिंग सोनीलिव पर उपलब्ध रहेगी। नॉर्थईस्ट यूनाइटेड के मुख्य कोच जुआन पेद्रो बेनाली ने अपनी टीम को 4-4-2 फॉर्मेशन में उतारा, जिसमें अजराई और लालरिनजुआला ने आक्रमण की जिम्मेदारी संभाली। वहीं, बोड़ोलैंड एफसी के मुख्य कोच विकास पंथी ने रॉबिन्सन ब्लैंडोन रेंडोन को अकेले स्ट्राइकर के रूप में उतारते हुए 4-2-3-1 रणनीति अपनाई। हाईलैंडर्स ने शुरुआत से ही मुकाबले पर अपनी पकड़ बना ली। टीम ने गेंद पर नियंत्रण रखते हुए खेल की रफ्तार तय की। अजराई शुरुआती मिनटों से ही खतरनाक दिखे। उन्होंने बाएं छोर से शानदार क्रॉस दिया, जिसे मैकार्टन लुईस निक्सन ने नियंत्रित कर गोल पर शॉट लगाया, लेकिन गोलकीपर बिरखांग दैमारी ने उसे आसानी से रोक लिया। आठवें मिनट में नॉर्थईस्ट बढ़त लेने के बेहद करीब पहुंच गया। जितिन एम.एस. ने बाईं ओर से शानदार दौड़ लगाकर गेंद लालरिनजुआला के लिए छोड़ी।

उनके हल्के से फ्लिक पर मोहम्मद अरशफ को सुनहरा मौका मिला, लेकिन उन्होंने अनुकूल स्थिति से गेंद क्रॉसबार के ऊपर मार दी। जितिन और लालरिनजुआला की आपसी समझ लगातार बोड़ोलैंड की रक्षापंक्ति को परेशान करती रही। हालांकि, गौरव बोहरा, उरजॉय ब्रह्मा और डिडवम हाजोवारी ने बेहतरीन रक्षात्मक खेल दिखाते हुए शुरुआती बढ़त नहीं बनने दी। बोड़ोलैंड ने भी कुछ अच्छे मूव बनाए। मिडफील्डर ऋत्विराज मोहन ने अजराई को अंदर की ओर बढ़ने से रोकने के लिए शानदार स्लाइडिंग टैकल किया, जबकि विंगर वांश्वादामे डिएंगदोह का प्रयास अपने ही साथी खिलाड़ी से टकराकर बाहर चला गया। नॉर्थईस्ट लगातार ऊंची डिफेंसिव लाइन और लंबे समय तक गेंद अपने कब्जे में रखकर दबाव बनाता रहा। अजराई ने दो फ्री-किक से खतरा पैदा किया। पहली बार दैमारी गेंद को पूरी तरह नहीं रोक सके, लेकिन लालरिनजुआला के पहुंचने से पहले उसे संभाल लिया। दूसरी बार उन्होंने शानदार पंच लगाकर गेंद को टॉप कॉर्नर में जाने से रोक दिया। लगातार दबाव बनाने के बावजूद हाईलैंडर्स को पहला गोल पहले हाफ के इंजरी टाइम तक इंतजार करना पड़ा। बोड़ोलैंड ने अपने ही हाफ में गेंद गंवा दी, जिसका पूरा फायदा उठाते हुए अजराई ने पेनल्टी बॉक्स के भीतर शानदार संयम दिखाया। उन्होंने गेंद को बेहतरीन तरीके से नियंत्रित किया और फिर बाएं पैर से गोलकीपर को छकाते हुए गेंद जाल में पहुंचा दी।

संपादकीय

अब हवाई 'नाका'

भारत के संप्रभु राष्ट्र बनने के बाद से ही पाकिस्तान देश व भारतीय समाज को क्षति पहुंचाने के तमाम षड्यंत्र रचता और उन्हें अंजाम देने की हर कोशिश करता रहा है। शक्तिशाली सेना का मुकाबला न कर पाने पर छद्म युद्ध, आतंकवाद व नशे के जरिये भारत को चोट पहुंचाने की साजिश करता है। जब से पाक से लगती सीमा पर कड़ी सुरक्षा बढ़ी और पाक संस्थागत सहयोग से सक्रिय तस्करों की आवाजाही बाधित हुई, उसने तकनीक व ड्रोन की मदद से नशे, नकली करेंसी व हथियार भेजने की साजिश को अंजाम देने शुरू किया। ड्रोन के जरिये लगातार नशे-हथियारों की तस्करी से पैदा खतरे के मद्देनजर, पाक सीमा से ड्रग्स व हथियार लाने वाले ड्रोनों को रोकने के लिये पंजाब में नई पहल हुई है। हवाई चेक प्वाइंट या 'हवाई नाके, लगाने का यह फैसला, सुरक्षा के बदलते खतरे से निपटने का एक नया और असरदार तरीका साबित हो सकता है। निस्संदेह, तस्करी करने वाले अपराधी गिरोहों ने, कानून लागू करने वाली एजेंसियों से ज्यादा तेजी से टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल किया है। पाक द्वारा संस्थागत रूप से पोषित तस्करों की जगह जीपीएस-निर्देशित ड्रोनों का इस्तेमाल शुरू किया गया। ये ड्रोन भारतीय सीमा में निर्धारित जगहों में बहुत भीतर तक हेरोइन, हथियार और गोला-बारूद गिराने में सक्षम हैं। आसमान में उड़ने वाले दुश्मन के खिलाफ सामान्य चेक प्वाइंट कुछ नहीं कर पाते। यह सुरक्षा एजेंसियों व पुलिस के लिये बड़ी चुनौती है। यही वजह है कि आज पंजाब ड्रोन के जरिये होने वाली नशीले पदार्थों की तस्करी का मुख्य केंद्र बन गया है। देश में ज्यादातर ड्रोन तस्करी की घटनाएं पाक से लगते पंजाब के सीमावर्ती जिलों में हुई हैं। दरअसल, ड्रग्स का कारोबार अब सिर्फ कानून-व्यवस्था की समस्या मात्र नहीं रह गया। आज यह सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल है। जिसके प्रकोप से असंख्य परिवार बर्बाद हो गए हैं। यह एक बड़ी हकीकत है कि नशे का कारोबार राष्ट्रीय सुरक्षा के लिये भी एक बड़ा खतरा है। वास्तव में नशा तस्कर इन्हीं रास्तों का प्रयोग राष्ट्रविरोधी ताकतों को हथियार पहुंचाने और आतंकी नेटवर्क को फंडिंग के लिये करते हैं। दरअसल, हवाई नाके का विचार, सिर्फ आपराधिक घटना के बाद होने वाली पुलिस कार्रवाई से हटकर, अपराध के होने से पहले होने वाली पुलिस कार्रवाई होगी। निश्चय ही यह स्वागत योग्य बदलाव है। अब सुरक्षा एजेंसियों व पुलिस की कोशिश होगी कि ड्रग्स की खेप जमीन पर पहुंचाने के बाद उसे बरामद करने के प्रयास करने की बजाय, पहले ही ड्रोनों की निगरानी की जाए। जिससे समय रहते ड्रोनों का पता लगाकर, उनके उड़ने के रास्ते को ट्रैक किया जा सके। साथ ही सामान गिराने की जगहों की पहचान के बाद नशीले पदार्थों व हथियारों की आपूर्ति करने के लिये इंतजार कर रहे स्थानीय लोगों को पकड़ा जा सके। सही मायने में खुफिया जानकारी, एंटी-ड्रोन सिस्टम तथा पंजाब पुलिस, बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स व केंद्रीय खुफिया एजेंसियों के बीच बेहतर तालमेल के साथ यह रणनीति तस्करों पर शिकंजा कसने में मददगार साबित हो सकती है। यह भी हकीकत है कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर तस्करी करने वाले गिरोह अपना नेटवर्क समय के साथ नई तकनीकों के जरिये बदलते रहते हैं। जिसके लिये वे बड़े ड्रोन, एन्क्रिप्टेड कम्युनिकेशन और लगातार बदलती रणनीतियों का इस्तेमाल करते हैं। इसलिए नई तकनीक के साथ-साथ लगातार खुफिया जानकारी जुटाने तथा तस्करी करने वाले गिरोहों को खत्म करने के लिये निरंतर मजबूत फाइनेंशियल जांच जरूरी है। इसके अलावा ड्रग्स के मददगार लोगों पर तेजी से कानूनी कार्रवाई करना भी जरूरी है। कोशिश हो कि नशे के खिलाफ अभियान में नागरिकों की सक्रिय भूमिका हो। इसके लिये सामाजिक स्तर पर रचनात्मक कार्यक्रम चलाकर नशे के विरुद्ध अभियान चलाना भी जरूरी है। जिसके तहत नशा छोड़ने वालों का पुनर्वास करने तथा जागरूकता के लिये असरदार कार्यक्रम चलाने की भी जरूरत है। सही मायने में यदि 'हवाई नाकों' को पर्याप्त संसाधनों के साथ अमली-जामा पहनाया जाए, तो निश्चित तौर पर ये सीमा पार से होने वाली नशे की तस्करी पर अंकुश लगा सकते हैं।

देश में ज्यादातर ड्रोन तस्करी की घटनाएं पाक से लगते पंजाब के सीमावर्ती जिलों में हुई हैं। दरअसल, ड्रग्स का कारोबार अब सिर्फ कानून-व्यवस्था की समस्या मात्र नहीं रह गया। आज यह सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल है। जिसके प्रकोप से असंख्य परिवार बर्बाद हो गए हैं। यह एक बड़ी हकीकत है कि नशे का कारोबार राष्ट्रीय सुरक्षा के लिये भी एक बड़ा खतरा है। वास्तव में नशा तस्कर इन्हीं रास्तों का प्रयोग राष्ट्रविरोधी ताकतों को हथियार पहुंचाने और आतंकी नेटवर्क को फंडिंग के लिये करते हैं। दरअसल, हवाई नाके का विचार, सिर्फ आपराधिक घटना के बाद होने वाली पुलिस कार्रवाई से हटकर, अपराध के होने से पहले होने वाली पुलिस कार्रवाई होगी। निश्चय ही यह स्वागत योग्य बदलाव है। अब सुरक्षा एजेंसियों व पुलिस की कोशिश होगी कि ड्रग्स की खेप जमीन पर पहुंचाने के बाद उसे बरामद करने के प्रयास करने की बजाय, पहले ही ड्रोनों की निगरानी की जाए। जिससे समय रहते ड्रोनों का पता लगाकर, उनके उड़ने के रास्ते को ट्रैक किया जा सके। साथ ही सामान गिराने की जगहों की पहचान के बाद नशीले पदार्थों व हथियारों की आपूर्ति करने के लिये इंतजार कर रहे स्थानीय लोगों को पकड़ा जा सके।

पीओके चुनावी हिंसा में 37 लोगों की मौत

पाक अधिकृत कश्मीर में बदलाव की तस्वीर

प्रमोद भार्गव

चुनावों में कुल 45 सीटों में से 12 सीटें शरणार्थियों के लिए आरक्षित हैं। किंतु गुलाम जम्मू-कश्मीर के शरणार्थियों के लिए आरक्षित सीटें मंजूर नहीं हैं। इसलिए जम्मू-कश्मीर और गिलगित-बाल्टिस्तान के लोग जबरदस्त विरोध पर उतर आए हैं। इस विरोध के चलते पहले 46 प्रदर्शनकारी और अब मतदान के दौरान 37 लोग मारे जा चुके हैं, सैकड़ों लोग घायल हैं। पाक आर्मी और पुलिस के इस दमन एवं नरसंहार से आंदोलनकारियों का गुस्सा और भड़क गया है। इस जोश और नाराजगी को दबाने के लिए पुंछ, मीरपुर एवं मुजफ्फराबाद में बड़ी संख्या में अतिरिक्त अर्धसैनिक बल तैनात कर दिए हैं। दरअसल, लोगों का गुस्सा इसलिए फूट रहा है, क्योंकि ये चुनाव अंतरराष्ट्रीय समुदाय एवं मानवाधिकार आयोग को यह दिखाने के लिए कराए जा रहे हैं कि पाकिस्तान लोकतंत्र का पैरोकार है। लेकिन यह पूरा नाटक फरेब की नौटंकी के अलावा कुछ नहीं है। भारत भी इस चुनाव के विरोध में है। इस विरोध का प्रमुख कारण पीओजेके में विधानसभा की 45 निर्वाचित सीटों में से 12 सीटों को शरणार्थियों के लिए आरक्षित करना है।

पीओके में 27 जुलाई से 10 अगस्त तक तीन चरणों में चुनाव होने हैं। चुनावों में कुल 45 सीटों में से 12 सीटें शरणार्थियों के लिए आरक्षित हैं। किंतु गुलाम जम्मू-कश्मीर के शरणार्थियों के लिए आरक्षित सीटें मंजूर नहीं हैं। इसलिए जम्मू-कश्मीर और गिलगित-बाल्टिस्तान के लोग जबरदस्त विरोध पर उतर आए हैं। इस विरोध के चलते पहले 46 प्रदर्शनकारी और अब मतदान के दौरान 37 लोग मारे जा चुके हैं, सैकड़ों लोग घायल हैं। पाक आर्मी और पुलिस के इस दमन एवं नरसंहार से आंदोलनकारियों का गुस्सा और भड़क गया है। इस जोश और नाराजगी को दबाने के लिए पूंछ, मीरपुर एवं मुजफ्फराबाद में बड़ी संख्या में अतिरिक्त अर्धसैनिक बल तैनात कर दिए हैं। दरअसल, लोगों का गुस्सा इसलिए फूट रहा है, क्योंकि ये चुनाव अंतरराष्ट्रीय समुदाय एवं मानवाधिकार आयोग को यह दिखाने के लिए कराए जा रहे हैं कि पाकिस्तान लोकतंत्र का पैरोकार है। लेकिन यह पूरा नाटक फरेब की नौटंकी के अलावा कुछ नहीं है। भारत भी इस चुनाव के विरोध में है। इस विरोध का प्रमुख कारण पीओजेके में विधानसभा की 45 निर्वाचित सीटों में से 12 सीटों को शरणार्थियों के लिए आरक्षित करना है। जेएएसी का आरोप है कि इन सीटों के कारण स्थानीय लोगों का राजनीतिक प्रतिनिधित्व प्रभावित हो रहा है। संगठन लंबे समय से इन सीटों को समाप्त करने की मांग कर रहा है। चुनाव के ठीक पहले यह मुद्दा राजनीतिक रूप से अत्यंत संवेदनशील बन गया है। इस मुद्दे के साथ-साथ आमजन बढ़ती महंगाई, गेहूं और आटे की उपलब्धता में कमी, बिजली की दरों में वृद्धि, बेरोजगारी तथा स्थानीय प्रशासनिक अधिकारों की मांग को भी आगे बढ़ा रहा है। दरअसल, शरणार्थियों के लिए सीटें आरक्षित करने का मतलब स्थानीय लोगों को जनप्रतिनिधित्व से बहिष्कृत करने का संवैधानिक उपाय पाकिस्तान ने मान लिया है। अतएव ये चुनावी फरेब पीओजेके पर अवैध कब्जे को वैध ठहराने का उपाय भर है। पाकिस्तान इस चुनाव के जरिए यह जताने का उपक्रम कर लेता है कि वह लोकतंत्र का पक्षधर होने के साथ भू-राजनीतिक शक्ति भी है। इस परिप्रेक्ष्य में भारत को इस चुनावी हथकंडे को राष्ट्रीय सुरक्षा नीति के परिदृश्य में एक बड़े मुद्दे के रूप में अंतरराष्ट्रीय समुदाय के समक्ष पेश करने के साथ हस्तक्षेप की मांग करने की जरूरत है। हालांकि, पीओके में हुई हिंसा को लेकर भारत के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने पाक पर करारा हमला बोला है। कहा है कि पाकिस्तान को उसके दुष्कर्मों और मानवाधिकारों के उल्लंघन के लिए उत्तरदायी ठहराना चाहिए। पाकिस्तान अपनी आंतरिक विफलताओं को छुपाने और मानवाधिकार उल्लंघनों से ध्यान भटकाने के लिए झूठी खबरों और फर्जी वीडियो का सहारा ले रहा है। जबकि पीओजेके में आर्मी और पुलिस ने बर्बर कार्रवाई की है। हम उम्मीद करते हैं कि विश्व समुदाय पाक के इन कृत्यों के लिए उसे जवाबदेह ठहराएगा। इसी बीच संयुक्त राष्ट्र संघ के गलियारों से ऐसी खबर आई है, जिसने

आतंकवाद के मुद्दे पर वैश्विक कूटनीति के दोहरे मानदंडों को एक बार फिर से उजागर कर दिया है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में पाकिस्तान और चीन की एक साझा और बेहद महत्वाकांक्षी कोशिश को अमेरिका ने पूरी तरह से असफल कर दिया। इन दोनों देशों ने बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) और उसके आत्मघाती दस्ते 'मजीद ब्रिगेड' को वैश्विक आतंकी संगठन घोषित करने के लिए एक प्रस्ताव पेश किया था, जिस पर अमेरिका ने फ्रांस और ब्रिटेन के साथ मिलकर वीटो लगा दिया है। जबकि दिलचस्प बात है कि खुद अमेरिका ने 2019 में बीएलए और मजीद ब्रिगेड को अपनी घरेलू फॉरेन टेररिस्ट ऑर्गेनाइजेशन सूची में शामिल किया था। बावजूद, वैश्विक मंच पर चीन और पाकिस्तान के इस साझा प्रस्ताव को अमेरिका और उसके पश्चिमी सहयोगियों द्वारा रोका जाना एक बड़ा कूटनीतिक संदेश है। यह वही चीन है, जिसने अतीत में भारत और अमेरिका द्वारा पाकिस्तानी आतंकियों को वैश्विक प्रतिबंधित आतंकवादी सूची में डालने से जुड़े कई प्रस्तावों पर वीटो लगा दिया था। सुरक्षा परिषद का यह घटनाक्रम संकेत देता है कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई केवल सरहदों पर ही नहीं, बल्कि बंद कमरों में भी कुटिल कूटनीति के लिए लड़ी जाती है। पीओजेके में वर्तमान नरसंहार को लेकर ब्रिटेन के 50 सांसदों ने भी अंतरराष्ट्रीय समुदाय के समक्ष चिंता जताई है। भारत को पीओजेके में उभरे इस आंतरिक संकट और नरसंहार से सावधान रहने की जरूरत है। क्योंकि धूर्त पाकिस्तान इस ओट मे अपनी पुरानी और नापाक चालें चलते हुए प्रशिक्षित आतंकियों की भारतीय सीमा में घुसपैठ कराने की चाल चल सकता है। हालांकि, भारतीय खुफिया एजेंसी आईबी ने चेतावनी दी है कि पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई इस अराजकता और खून-खराबे की आड़ में नियंत्रण रेखा पर आतंकियों की घुसपैठ कराकर जम्मू-कश्मीर तथा भारत के अन्य नगरों में हिंसा व अशांति फैलाने की दृष्टि से आत्मघाती हमले करा सकती है। हालांकि, भारतीय सुरक्षा बल हाई अलर्ट पर हैं। इधर, पीओजेके में आमजनों पर सुरक्षा बलों की बर्बरता को पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने उचित ठहराया है। उन्होंने अधिकारों और पहचान दिए जाने की मांग कर रहे कश्मीरियों को भारत जैसा दुश्मन करार दिया है। आसिफ के इस बयान को इस तथ्य की स्वीकार्यता माना जा रहा है कि गुलाम जम्मू-कश्मीर के लोग भारतीय जम्मू-कश्मीर की भूमि का हिस्सा हैं। हकीकत भी यही है। पीओजेके की परिधि में आने वाले गिलगित-बाल्टिस्तान वास्तव में भारत के जम्मू-कश्मीर राज्य के हिस्से हैं। बावजूद, पाकिस्तान के नाजायज कब्जे में हैं। लेकिन यहां के नागरिकों ने इस बलात कब्जे को कभी नहीं स्वीकारा। यहां तभी से राजनीतिक अधिकारों के लिए लोकतांत्रिक आवाजें उठ रही हैं और पाक सरकार इन लोगों पर दमन और अत्याचार का सिलसिला जारी रखे हुए है। साफ है, पाक की आजादी के साथ गिलगित-बाल्टिस्तान का मुद्दा जुड़ा हुआ है। पाक की कुल भूमि का 40 फीसदी हिस्सा यहीं है। लेकिन इसका विकास नहीं हुआ है। करीब 1 करोड़ 30 लाख की आबादी वाले इस हिस्से में सर्वाधिक बलूच हैं, इसलिए इसे गिलगित-बलूचिस्तान भी कहा जाता है। पाक और बलूचिस्तान के बीच संघर्ष 1945, 1958, 1962-63, 1973-77 में होता रहा है। 77 में पाक द्वारा दमन के बाद करीब 2 दशक तक यहां शांति रही। लेकिन 1999 में परवेज मुशर्रफ सत्ता में आए तो उन्होंने बलूच भूमि पर सैनिक अड्डे खोल दिए। इसे बलूचों ने अपने क्षेत्र पर अवैध कब्जे की कोशिश माना और फिर से संघर्ष तेज हो गया। इसके बाद यहां कई अलगाववादी आंदोलन वजूद में आए, इनमें प्रमुख बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी है। यहां की विधानसभा को अपने बूते कोई कानून बनाने का अधिकार नहीं है। सारे फैसले एक परिषद लेती है, जिसके अध्यक्ष पाकिस्तान के पदेन प्रधानमंत्री होते हैं। लिहाजा, चुनाव के बावजूद भी यहां विद्रोह की आग सुलगी रहती है। यह आग उन सब इलाकों में सुलगी रहती है, जो शिया बहुल हैं। सुन्नी बहुल पाकिस्तान में शिया और अहमदिया मुस्लिमों समेत सभी धार्मिक अल्पसंख्यक प्रताड़ित किए जा रहे हैं। अहमदिया मुस्लिमों के साथ तो पाक के मुस्लिम समाज और हुकूमत ने भी ज्यादती बरती है। 1947 में उन्हें गैर-मुस्लिम घोषित कर दिया गया था। तब से वे न केवल बेगाने हैं, बल्कि हिंदू, सिख व ईसाइयों की तरह मजहबी चरमपंथियों के निशाने पर भी रहते हैं। इस क्षेत्र में चीन बड़ा निवेश कर रहा है। ग्वादर में एक बड़ा-सा बंदरगाह बनाया है। चीन की एक और बड़ी योजना है, 'चाइना-पाकिस्तान इकोनॉमिक कॉरिडोर', इसकी लागत 3 लाख 51 हजार करोड़ है। यह गलियारा गिलगित-बाल्टिस्तान से गुजर रहा है। इस गलियारे के निर्माण में लगे चीनी नागरिकों की आतंकी संगठन बीएलए हत्याएं कर रहा है। चूंकि यह क्षेत्र आधिकारिक रूप से भारत का है, इसलिए भारत भी इस परियोजना का लगातार विरोध कर रहा है। पाकिस्तान रणनीतिक रूप से गिलगित-बाल्टिस्तान को पांचवां प्रांत बना लेने की फिराक में लगा है। चूंकि यह क्षेत्र आधिकारिक रूप से भारत के जम्मू-कश्मीर प्रांत का हिस्सा है, इसलिए यहां कोई भी बदलाव कई अंतरराष्ट्रीय समझौतों का उल्लंघन होगा।

देश दुनीया से

युवाओं के हाथ में अराजकता का झंडा थमाने की विपक्षी रणनीति

देश का युवा आज जागरुक है; वह समझता है कि कौन उसके भविष्य की बात कर रहा है और कौन उसे केवल राजनीतिक मोहरा बना रहा है। विपक्ष को लगता है कि वह अगले साल पांच राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनावों में इसका फायदा उठा लेगा तो यह इतना सहज नहीं है क्योंकि जनता सब जानती है। युवाओं के हाथ में अराजकता का झंडा थमाने की विपक्षी रणनीति भारतीय राजनीति में लोकतांत्रिक विरोध प्रदर्शनों का एक गरिमामय इतिहास रहा है। संविधान ने नागरिकों को शांतिपूर्ण ढंग से अपनी मांगों को रखने और विरोध दर्ज कराने का मौलिक अधिकार दिया है। लेकिन बीते कुछ वर्षों में देश की राजनीति में एक खतरनाक प्रवृत्ति देखने को मिली है, जहाँ लोकतांत्रिक आंदोलन की आड़ में उपद्रवी और अराजक तत्व हिंसा फैलाते हैं और राजनीतिक दल अपने संकीर्ण स्वार्थों के लिए उन दंगाइयों-उपद्रवियों को कभी मासूम जनता, मासूम छात्र और युवा या अन्नदाता बताकर देश में अराजकता फैलाने और लोगों को भड़काने की साजिश में जुट जाते हैं। हाल ही में जंतर-मंतर पर हुए प्रदर्शनों और उपद्रव के दौरान भी यही पटकथा दोहराई गईं। उपद्रवियों और हिंसा फैलाने वालों को छात्रों का चोला पहनाकर पूरे देश के युवाओं की संवेदनाओं से खेलने का प्रयास किया जा रहा है। यह पहला अवसर नहीं है; इससे पूर्व किसान आंदोलन, नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) विरोधी प्रदर्शन, और एसआईआर आंदोलन के दौरान भी विपक्ष ने अराजकता फैलाने वालों को ढाल बनाकर अपने राजनीतिक मंसूबों को साधने का प्रयास किया था। इसकी जड़ में जाया जाये तो पता चलता है कि जब-जब देश में बड़े कानून बने या प्रशासनिक सुदृढ़ीकरण की दिशा में कदम उठाए गए, तब-तब एक खास राजनीतिक तंत्र ने उन सुधारों का रचनात्मक विरोध करने के बजाय सड़कों पर हिंसा और व्यवधान उत्पन्न करने वाली शक्तियों को संरक्षण दिया। सीएए विरोधी आंदोलन, नागरिकता देने वाले कानून को नागरिकता छीनने वाला भ्रम बनाकर देश के विभिन्न हिस्सों में सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाया गया। हिंसा में लिप्त असामाजिक तत्वों के पक्ष में राजनीतिक

बयानबाजी की गईं। इसी तरह से किसानों के नाम पर दिल्ली की सीमाओं को महीनों तक घेरा गया, जिससे आम नागरिकों और देश की अर्थव्यवस्था को भारी नुकसान हुआ। 26 जनवरी को लाल किले पर हुई ऐतिहासिक हिंसा और राष्ट्रीय ध्वज के अपमान के दोषियों का बचाव करने में भी राजनीतिक दलों ने कोई कसर नहीं छोड़ी। जंतर-मंतर पर हालिया प्रदर्शनों के दौरान जब स्थिति बिगड़ी और उपद्रवियों द्वारा सुरक्षा बलों एवं आम जनजीवन को निशाना बनाया गया, तब पुनः वही घिसा-पिटा वृत्तांत गढ़ा गया कि सरकार निर्दोष छात्रों पर अत्याचार कर रही है। उधर, न्यायपालिका ने बार-बार स्पष्ट किया है कि विरोध प्रदर्शन का अधिकार कानून हाथ में लेने या हिंसा फैलाने का लाइसेंस नहीं है। सर्वोच्च न्यायालय ने अपने कई मील के पत्थर साबित होने वाले फैसलों में यह सिद्धांत तय किया है। आंदोलन या विरोध के नाम पर सार्वजनिक या निजी संपत्ति को नुकसान पहुँचाने वाले, कानून-व्यवस्था को भंग करने वाले और सार्वजनिक हिंसा में शामिल पूर्व के अपराधियों एवं उपद्रवियों के खिलाफ दर्ज मुकदमों को राजनीतिक दबाव में वापस नहीं लिया जा सकता। सर्वोच्च न्यायालय का यह रुख स्पष्ट करता है कि कानून की नजर में उपद्रवी केवल उपद्रवी होता है, चाहे वह खुद को छात्र कहे या आंदोलनकारी। बहरहाल, अदालत के इस स्पष्ट और सख्त रुख के बावजूद, आम आदमी पाटा के प्रवक्ता सौरभ भारद्वाज और अन्य नेताओं ने अदालती प्रायिा और फैसलों पर राजनीतिक बयानबाजी की। न्यायपालिका द्वारा आपराधिक मामलों को वापस न लेने के फैसले के खिलाफ जिस प्रकार की तीखी भाषा का प्रयोग किया गया, उसने न्यायिक मर्यादाओं पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए। अदालत को एक तरह से राजनीतिक चुनौती देना या सार्वजनिक रूप से दबाने का प्रयास करना न्याय तंत्र की निष्पक्षता पर सीधा हमला है। विपक्ष के वृत्तांत की सबसे बड़ी कमजोरी उसका दोहरा रवैया और चयनात्मक संवेदनशीलता है। बात पैलेट गन के इस्तेमाल की भी जरूरत है। विपक्ष के नेता राहुल गांधी संसद से लेकर सड़कों तक पेलेट गन की एक घटना को लेकर पूरे देश में हाहाकार मचाए हुए हैं और संसद की कार्यवाही नहीं चलने दे रहे हैं। निस्संदेह किसी भी नागरिक या छात्र का घायल होना दुखद है और उसकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। लेकिन इस एक घटना को राजनीतिक ढाल बनाकर संसद की कार्यवाही को ठप करना, देश के करोड़ों रुपये और विधायी समय को बर्बाद करना कहाँ तक न्यायसंगत है? दूसरी तरफ, प्रतियोगी परीक्षाओं के तनाव, कोचिंग संस्थानों की लापरवाही और प्रशासनिक कमियों के चलते जब हाल ही में लगभग 21 छात्र-छात्राओं की अकाल मृत्यु (आत्महत्या और दुर्घटनाओं) हुई, तो उस गंभीर त्रासदी पर विपक्ष की ओर से वैसी संवेदनशीलता नहीं दिखाई गईं। पैलेट गन की घटना पर विपक्ष ने संसद की कार्यवाही बाधित की, प्रेस कॉन्फ्रेंस कीं और आमक बयान दिए, जबकि 21 छात्रों की मृत्यु पर सीमित या नाममात्र की बयानबाजी देखने को मिली। पेलेट गन की घटना में नेता पीड़ित के घर पहुँचे या मीडिया में उनके साथ दिखाई दिए, लेकिन 21 मृतक छात्र-छात्राओं के मामले में किसी प्रमुख विपक्षी नेता का परिवारों से मिलने पहुँचना भी आवश्यक नहीं समझा गया।

आप का नजरीया

..और अब ईंरान बनाम यूक्रेन

दुनिया के दो बड़े संघर्ष अब एक-दूसरे से जुड़ते हुए दिखाई दे रहे हैं।

एक तरफ पिछले कईं महीनों से अमेरिका और ईंरान के बीच तनाव और सैन्य कार्रवाई चल रही है, वहीं अब दूसरी तरफ रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध पांचवें साल में प्रवेश कर चुका है। अब एक ऐसी घटना सामने आई है, जिसने दोनों संघषरे को आपस में जोड़ दिया है और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर नईं चिंताएं पैदा कर दी हैं। ताजा विवाद कैस्पियन सागर में एक ईंरानी जहाज पर हुए हमले से शुरू हुआ है। यूक्रेन पर आरोप है कि उसने वैस्पियन सागर में एक ईंरानी कमर्शियल जहाज को निशाना बनाया। यूक्रेन के राष्ट्रपति बेलादिमीर जेलेंस्की का दावा है कि यह जहाज रूस और ईंरान के बीच हथियारों और सैन्य सामानों की सप्लाईं में इस्तेमाल किया जा रहा था। इसी वजह से इस पर हमला किया गया। इस घटना के बाद ईंरान ने कड़ी नाराजगी जताईं है। तेहरान ने यूक्रेन के राजदूत को तलब किया और गंभीर परिणाम भुगतने की चेतावनी दी। ईंरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने यूरोपीय संघ की विदेश नीति प्रमुख काजा कैलिस से भी बात की और इस हमले के खिलाफ अपना विरोध जताया। उन्होंने यूक्रेन के खिलाफ सख्त कार्रवाईं की मांग भी की। कैस्पियन सागर में किसी जहाज पर इस तरह हमला पहली बार हुआ है। कैस्पियन सागर एक ऐसा समुद्री क्षेत्र है जो चारों ओर जहां जमीन से घिरा हुआ है। इसके उत्तर-पश्चिम में रूस, दक्षिण में ईंरान, पूर्व में कजाखस्तान और तुर्कमेन्तिान तथा पश्चिम में अजरबैजान स्थित हैं। यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद रूस और ईंरान के संबंध और मजबूत हुए हैं। दोनों देशों के बीच व्यापार, तकनीकी सहयोग और रक्षा क्षेत्र में संपर्क बढ़ा है। इसी कारण लंबे समय से यह चर्चा होती रही है कि कैस्पियन सागर के रास्ते रूस और ईंरान के बीच सैन्य सामग्री का आदान-प्रदान भी होता है। हालांकि इस बारे में कभी सार्वजनिक रूप से कोईं स्पष्ट स्वीकारोक्ति नहीं हुईं थी। ईंरान का कहना है कि जिस जहाज पर हमला हुआ वह एक सामान्य कमर्शियल जहाज था। ईंरानी अधिकारियों के अनुसार इस हमले में एक नाविक की मौत हो गईं जबकि एक अन्य नाविक घायल हो गया। हमले के बाद राष्ट्रपति जेलेंस्की ने सोशल मीडिया पर बयान जारी करते हुए कहा कि जहाज रूस और ईंरान के बीच सैन्य सामग्री पहुंचाने का काम कर रहा था। उन्होंने दावा किया कि रूस लंबे समय से ईंरान की तरफ से उपलब्ध कराए गए शहीद ड्रोन का इस्तेमाल यूक्रेन के खिलाफ कर रहा है। युद्ध के शुरुआती चरण में रूस ने बड़ी संख्या में ईंरानी ड्रोन का उपयोग किया था, जिससे उसे युद्ध में बढ़त हासिल करने में मदद मिली थी। जेलेंस्की ने केवल जहाज पर हमले का बचाव ही नहीं किया, बल्कि रूस पर एक और गंभीर आरोप भी लगाया। उन्होंने दावा किया कि रूस ने ईंरान को खाड़ी में मौजूद अमेरिकी सैन्य ठिकानों की उपग्रह तस्वीरें और खुफिया जानकारी उपलब्ध कराईं हैं। उनके अनुसार जुलाईं महीने में रूसी उपग्रह बहरीन जार्डन और वुवैत में स्थित अमेरिकी सैन्य ठिकानों की निगरानी भी कर रहे हैं। जेलेंस्की का आरोप है कि ईंरान द्वारा अमेरिकी ठिकानों पर किए गए वुछ सटीक हमलों के पीछे भी रूस की ओर से दी गईं खुफिया जानकारी की भूमिका हो सकती है। यूक्रेन का मानना है कि रूस केवल यूक्रेन से युद्ध नहीं लड़ रहा, बल्कि वह पूरे क्षेत्र में तनाव बढ़ाने की कोशिश कर रहा है।

ईंरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने यूरोपीय संघ की विदेश नीति प्रमुख काजा कैलिस से भी बात की और इस हमले के खिलाफ अपना विरोध जताया। उन्होंने यूक्रेन के खिलाफ सख्त कार्रवाईं की मांग भी की। कैस्पियन सागर में किसी जहाज पर इस तरह हमला पहली बार हुआ है। कैस्पियन सागर एक ऐसा समुद्री क्षेत्र है जो चारों ओर जहां जमीन से घिरा हुआ है। इसके उत्तर-पश्चिम में रूस, दक्षिण में ईंरान, पूर्व में कजाखस्तान और तुर्कमेन्तिान तथा पश्चिम में अजरबैजान स्थित हैं। यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद रूस और ईंरान के संबंध और मजबूत हुए हैं। दोनों देशों के बीच व्यापार, तकनीकी सहयोग और रक्षा क्षेत्र में संपर्क बढ़ा है। इसी कारण लंबे समय से यह चर्चा होती रही है कि कैस्पियन सागर के रास्ते रूस और ईंरान के बीच सैन्य सामग्री का आदान-प्रदान भी होता है। हालांकि इस बारे में कभी सार्वजनिक रूप से कोईं स्पष्ट स्वीकारोक्ति नहीं हुईं थी। ईंरान का कहना है कि जिस जहाज पर हमला हुआ वह एक सामान्य कमर्शियल जहाज था। ईंरानी अधिकारियों के अनुसार इस हमले में एक नाविक की मौत हो गईं जबकि एक अन्य नाविक घायल हो गया। हमले के बाद राष्ट्रपति जेलेंस्की ने सोशल मीडिया पर बयान जारी करते हुए कहा कि जहाज रूस और ईंरान के बीच सैन्य सामग्री पहुंचाने का काम कर रहा था।

कुछ अलग

प्रकृति से सह-अस्तित्व का वैदिक जीवन-संदेश

महर्षि कश्यप वैदिक परंपरा में एक बहुत बड़ा नाम हैं, जिन्हें सप्तऋषियों में से एक माना जाता है—वे सात महान ऋषि, जिनकी बुद्धि ने भारतीय चिंतन और संस्कृति की दिशा को गहराई से प्रभावित किया। ऋग्वेद और पुराणों की हजारों वर्ष पुरानी शिक्षाओं में निहित उनकी दार्शनिक दृष्टि केवल रीति-रिवाजों और वंश-परंपरा तक सीमित नहीं है। इसके विपरीत, वे एकता, पारिस्थितिक संतुलन, सामंजस्य और सभी जीवों के कल्याण के प्रति दृढ़ नैतिक प्रतिबद्धता पर आधारित विचारों की समृद्ध परंपरा प्रस्तुत करते हैं। महर्षि कश्यप की दार्शनिक संरचना के केंद्र में 'वसुधैव कुटुम्बकम्' का शक्तिशाली और दूरदर्शी सिद्धांत है, जो पूरी दुनिया को एक परस्पर जुड़े परिवार के रूप में देखता है। हजारों वर्ष पूर्व प्रतिपादित यह शाश्वत विचार सभी प्रकार के जीवों—मनुष्यों, पशुओं, पक्षियों और यहां तक कि प्रकृति की मूल शक्तियों—के बीच के गहरे संबंधों को स्पष्ट करता है। 'प्रजापति' अर्थात् 'सभी जीवों के पिता' माने जाने वाले कश्यप ने यह प्रतिपादित किया कि जीवन की यह अद्भुत विविधता एक ही दिव्य स्रोत से उत्पन्न हुई है। यह मूल दृष्टिकोण सभी जीवों को जोड़ने वाले गहरे संबंध को पुष्ट करता है। वर्तमान समय में यह दृष्टि आधुनिक 'डीप इकोलॉजी' के सिद्धांतों से साम्य रखती है, जो मानते हैं कि किसी एक तत्व का अति-दोहन पूरे पारिस्थितिक तंत्र की एकता के लिए संकट बन सकता है तथा यह विभिन्न प्रजातियों के बीच प्रभुत्व के बजाय सह-अस्तित्व की वकालत करता है। महर्षि कश्यप के भूमि-पुनर्निर्माण संबंधी योगदान का उल्लेख कल्हण की प्रसिद्ध रचना राजतरंगिणी में मिलता है, जहां कश्मीर के सुंदर प्रदेश को 'कश्यप-मर' अथवा 'कश्यपपुर' कहा गया है।

दृष्टि कोण

निरंतर बढ़ते प्लास्टिक कूड़े के निपटान की चुनौती

धरती पर निरंतर बढ़ता प्लास्टिक कचरा एक प्रमुख पर्यावरणीय समस्या बनकर उभर रहा है। देश में प्रतिवर्ष लगभग 94 लाख टन से लेकर 1.02 करोड़ टन तक प्लास्टिक वेस्ट पैदा होता है। धरती, समुद्र, पहाड़, नदियां -शायद ही कोई कोना प्लास्टिक कचरे की घुसपैठ से बचा हो ! सड़कों, गलियों, नालियों में यत्र-तत्र फेंके गए प्लास्टिक के लिफ़ाफ़े अक्सर भूखे जानवरों के गले में फंसकर उनकी मौत तक को न्योता दे सकते हैं। गत दिनों दैनिक ट्रिब्यून में ही प्रकाशित एक ख़बर के अनुसार, हरियाणा में क़रीब चार फुट लंबे कोबरा के पेट में काली पॉलीथिन फंसने से उसकी जान पर बन आई। हिसार स्थित लाला लाजपत राय पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय (लुवास) के चिकित्सकों ने क़रीब एक घंटे की सर्जरी करके इंसानी लापरवाही के शिकार निरीह जीव को 'प्लास्टिक आफ़त' से निजात दिलाई ! देश में 1 जुलाई, 2022 से लागू सिंगल यूज़ प्लास्टिक पर प्रतिबंध, प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2016 के तहत प्लास्टिक के कटलरी-स्ट्रॉ, पतले प्लास्टिक सजावटी सामान तथा गुणवत्ता रहित प्लास्टिक लिफ़ाफ़े प्रतिबंधित होने के बाबजूद ये आम प्रचलन में हैं। विशेषकर, घटिया मेटिरियल से निर्मित प्लास्टिक के लिफ़ाफ़े आज भी देश के अधिकतर हिस्सों में देखे जा सकते हैं। सामान डालने के लिए समुचित व सर्वसुलभ विकल्प उपलब्धता न करा पाना इसमें मुख्य कारण है, जिसके चलते जुर्माने जैसी दंडात्मक कार्रवाई की कोशिश भी खटाई में पड़ती देखी गई। विकास तथा आधुनिकीकरण ने यदि वैश्विक स्तर पर प्लास्टिक के निर्माण तथा उपभोग में भारी वृद्धि की, तो इसमें मुख्य वजह इसकी बहुउपयोगिता, टिकाऊपन तथा अपेक्षाकृत कम लागत होना है। हालांकि, अविश्वसनीय रूप से लंबे समय तक बने रहने की यही विशेषता पर्यावरण की सेहत के लिहाज़ से हानिप्रद साबित होती है। प्लास्टिक के न सड़ने तथा वर्षों तक ज़मीन के अंदर कायम रहने से मिट्टी की उपजाऊ शक्ति कम हो जाती है। प्लास्टिक बैग नालियां, सीवेज सिस्टम आदि ब्लॉक करके अस्वच्छता बढ़ाने के साथ बीमारियां फैलाने की वजह बनते हैं। माइक्रोप्लास्टिक के सूक्ष्म कण वायु, जल तथा भोजन के ज़रिए शरीर में प्रविष्ट

होकर, मानव व अन्य जीव-जंतुओं के स्वास्थ्य को क्षति पहुंचाते हैं। प्लास्टिक से निकलने वाले रसायनों से हार्मोन असंतुलन, कैंसर जैसी समस्याएं पनप सकती हैं। इसे जलाने से उत्पन्न विषैली गैसें सांस संबंधी गंभीर बीमारियां उत्पन्न करती हैं। प्रतिवर्ष लगभग 80 लाख टन प्लास्टिक कचरे का दुनिया के समुद्रों तथा महासागरों में पहुंचना, समुद्री जीवन के लिए प्रतिकूलताएं लेकर आता है। आर्थिक गतिविधियों पर बोझ डालने वाला प्लास्टिक कचरा जलवायु परिवर्तन का बड़ा कारण बनता है। दरअसल, पर्यावरण व जैव विविधता के लिए गंभीर ख़तरा बन चुका प्लास्टिक कूड़ा वैज्ञानिक चमत्कार के बजाय पारिस्थितिक अभिशाप माना जाने लगा है। प्लास्टिक कचरे का समुचित निस्तारण न हो पाना प्रमुख चुनौती है। देश में रोज़ाना निकलने वाले लगभग 26,000 टन प्लास्टिक कचरे में से क़रीब 60 प्रतिशत कचरे का ही पुनर्चक्रण (रिसाइक्लिंग) हो पाता है, शेष हिस्सा पर्यावरण अथवा लैंडफिल में बना रहता है। इसका अनुचित निपटान पर्यावरण प्रदूषण, जैव विविधता की हानि तथा पारिस्थितिकी तंत्र के क्षरण का व्यापक कारण बनता है। भस्मीकरण, लैंडफिलिंग जैसी उपलब्ध प्रक्रियाएं अस्थिर, महंगी व पर्यावरण के प्रतिकूल हैं। इसीलिए, अब जैव-अपघटनीय प्लास्टिक तथा वैकल्पिक निपटान विधियों जैसे विकल्पों पर बल दिया जा रहा है, विशेषकर, सूक्ष्म जीवों द्वारा कृत्रिम प्लास्टिक को बिना किसी हानिकारक प्रभाव के विघटित करने की क्षमता पर। नवीकरणीय संसाधनों से बने तथा जैव-अपघटनीय (बायोडिग्रेडेबल) बायोप्लास्टिक का उपयोग प्लास्टिक प्रदूषण घटाकर ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन कम करने के साथ पर्यावरणीय स्थिरता को बढ़ावा दे सकता है।

गहलोत को साइडलाइन किया जा रहा, उनके आरोप की वैल्यू नहीं : पटेल

जोधपुर (हिंस)। संसदीय कार्य, विधि एवं विधिक कार्य मंत्री ने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस में विरोध नहीं, बल्कि अंदरूनी कलह चल रही है। गहलोत को पार्टी में साइडलाइन किया जा रहा है, इसलिए वे सुर्खियों में बने रहने के लिए इस तरह के बयान दे रहे हैं। उनकी समझ नकारात्मक है। कैबिनेट मंत्री आज जोधपुर सर्किट हाउस में मीडिया से रूबरू थे। पटेल ने आरोप लगाया कि गहलोत सरकार के 5 साल के कार्यकाल में अपराध बढ़े थे, जबकि मौजूदा सरकार के आंकड़ों में 18 से 36 प्रतिशत तक अपराध में कमी दर्ज की गई है। उन्होंने कहा कि जिनके शासनकाल में कन्हैयालाल हत्याकांड जैसी घटनाएं हुईं, उन्हें समझ जाना चाहिए कि उनके आरोपों की क्या वैल्यू हो सकती है। पटेल ने कहा कि उनके कार्यकाल में रेप होते थे, पुलिस पीटती थी और कन्हैयालाल जैसे गो-भक्तों की हत्या होती थी। अब लॉ एंड ऑर्डर का युग है।

भाजपा नेता राजेंद्र सिंह राठौड़ का गहलोत सरकार पर तीखा हमला : पेपर लीक के जनक थे गहलोत

बांसवाड़ा (हिंस)। बांसवाड़ा में आगामी नगर निकाय और पंचायती राज चुनावों की तैयारियों को लेकर आयोजित एक उच्चस्तरीय बैठक में भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता राजेंद्र सिंह राठौड़ ने पूर्ववर्ती अशोक गहलोत सरकार पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कांग्रेस सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि यदि हिंदुस्तान में पेपर लीक का कोई वास्तविक जनक है, तो वह अशोक गहलोत की सरकार है। बांसवाड़ा में कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए राठौड़ ने कहा कि आरपीएससी जैसी पवित्र संस्था को अपवित्र करने का बड़ा पाप अशोक गहलोत के कार्यकाल में हुआ है। उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा कि आज वही लोग भारतीय जनता पार्टी की सरकार पर बेबुनियाद प्रश्न खड़े कर रहे हैं, जिनकी अपनी सरकार भ्रष्टाचार और घोटालों के दलदल में डूबी हुई थी। पेपर लीक जैसी गंभीर समस्याओं पर बात करते हुए वरिष्ठ भाजपा नेता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्र सरकार के कदमों की सराहना की। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार एक ऐसा सख्त कानून लेकर आई है, जिसके तहत भविष्य में पेपर

लीक जैसी आपराधिक गतिविधियों में लिप्त लोगों के खिलाफ अति कठोर कार्रवाई की जाएगी, ताकि युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने की कोई हिम्मत न कर सके। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की तारीफ करते हुए राजेंद्र सिंह राठौड़ ने उन्हें *आम जनता का मुख्यमंत्री* करार दिया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री निरंतर जनसंपर्क कर रहे हैं और सीधे लोगों के बीच जाकर उनकी समस्याओं का समाधान कर रहे हैं। राठौड़ ने पूर्ण विश्वास जताते हुए दावा किया कि आगामी नगर निकाय और पंचायती राज चुनावों में भारतीय जनता पार्टी के सभी प्रत्याशी भारी मतों से विजयी होंगे और जनता प्रदेश सरकार के बेहतरीन कार्यों पर अपनी मुहर लगाएगी।

अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी शीलू बल्हारा की पत्नी मुस्कान की मौत मामले में नया मोड़, पति समेत चार पर केस

डीएसपी बोले, मामले की गहनता से की जा रही जांच पड़ताल

रोहतक, (हिंस)। गांव बहु अकबरपुर निवासी अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी शीलू बल्हारा की पत्नी मुस्कान की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत के मामले में नया मोड़ सामने आया है। पुलिस ने मृतका के पिता के बयान पर उसके पति शीलू बल्हारा समेत परिवार के चार सदस्यों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस प्रवक्ता ने शनिवार को बताया कि पुलिस ने चारों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। शुक्रवार को अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी शीलू बल्हारा की पत्नी की संदिग्ध परिस्थितियों हुई मौत के मामले में जांच के लिए अलग से टीम बनाई गई है। मृतका के परिजनों ने आरोप लगाया है कि मुस्कान ने आत्महत्या नहीं की, बल्कि उसकी हत्या की गई है। परिजनों के आरोपों के बाद पुलिस ने मामले की जांच तेज कर दी है।

हालांकि, मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा जांच और पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगा। महम के डीएसपी तनुज शर्मा ने बताया कि मृतका के पिता की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। पूरे मामले की गहनता से जांच की जा रही है और जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगामी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवाने के बाद उसे मृतका के मायके वालों को सौंप दिया है। फिलहाल पुलिस मामले से जुड़े सभी पहलुओं की जांच कर रही है।

वाराणसी : संतों ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी, पप्पू यादव और अवधेश प्रसाद के विरुद्ध दर्ज कराया मुकदमा

वाराणसी (हिंस)। उत्तर प्रदेश के वाराणसी जनपद में कोतवाली थाना क्षेत्र में शनिवार को संतों के अपमान किए जाने के मामले में संतों ने मोर्चा खोल दिया। संतों में प्रार्थना पत्र देकर नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, सांसद पप्पू यादव और अवधेश प्रसाद के विरुद्ध मुकदमा पंजीकृत कराया है। वाराणसी के प्रमुख धर्माचार्य और पातालपुरी मठ के पीठाधीश्वर महंत बालक दास ने कहा कि सांसद पप्पू यादव ने संतों का वेश धारण कर जिस प्रकार की नौटंकी की है, यह अशोभनीय हैं। संतों का अपमान हम सहन नहीं करेंगे। इस कारण से हमने कोतवाली में पप्पू यादव के संत वेश धारण कर नौटंकी करने पर मुकदमा लिखे जाने के लिए प्रार्थना पत्र दिया है। इसमें पप्पू यादव का साथ देने के लिए राहुल गांधी और अयोध्या से सांसद अवधेश प्रसाद को भी बराबर का भागीदार माना जाएगा। इसलिए उनका नाम भी शामिल किया गया है। उक्त लोगों की हरकत से संत समाज में बड़ा गुस्सा व्याप्त है। इस संबंध में डीसीपी काशी गौरव वंशवाल ने बताया कि वाराणसी के प्रमुख संतों की ओर से प्रार्थना पत्र कोतवाली थाने दिया गया है। शिकायत के आधार पर विभिन्न धारा के अंतर्गत एफआईआर दर्ज कर ली गई है। आगे की कार्रवाई कोतवाली पुलिस करेगी।

नूंह में 71 हजार मतदाता प्रारूप सूची से हटाए गए, 30 अगस्त तक दावे का मौका

नूंह (हिंस)। भारत निर्वाचन आयोग के विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के तहत नूंह जिले में मतदाता सत्यापन का पहला चरण पूरा हो गया है। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त अखिल पिलानी ने शनिवार को पत्रकार वार्ता में बताया कि घर-घर जाकर बूथ स्तरीय अधिकारियों (बीएलओ) द्वारा सत्यापन के बाद प्रारूप मतदाता सूची प्रकाशित कर दी गई है। अब 1 अगस्त से 30 अगस्त 2026 तक दावा एवं आपत्ति दर्ज कराने की प्रक्रिया चलेगी। उपायुक्त ने बताया कि जिले में कुल 655 मतदान केंद्र हैं और सत्यापन से पहले मतदाताओं की संख्या 6, 59, 697 थी। जांच के दौरान 71, 052 मतदाता ऐसे मिले जो अनुपस्थित, स्थानांतरित, मृत अथवा डुप्लीकेट श्रेणी में पाए गए। ऐसे मतदाताओं के नाम फिलहाल प्रारूप मतदाता सूची से अस्थायी रूप से हटाए गए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह अंतिम मतदाता सूची नहीं है। जिन लोगों के नाम हटाए गए हैं, उन्हें निर्धारित अवधि के दौरान आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत कर अपना दावा करने का पूरा अवसर मिलेगा। उपायुक्त ने बताया कि सत्यापन के दौरान 12, 886 मतदाताओं का वर्ष 2002 अथवा 2004 की मतदाता सूची के साथ आवश्यक पारिवारिक

या अन्य प्रकार का मिलान नहीं हो पाया। इसका अर्थ यह नहीं है कि उनका मताधिकार समाप्त हो गया है। ऐसे सभी मतदाताओं को बीएलओ के माध्यम से नोटिस जारी किए जाएंगे और दस्तावेजों के आधार पर उनके मामलों का निस्तारण किया जाएगा। उन्होंने बताया कि निर्वाचन आयोग की संगणक प्रणाली द्वारा 1, 67, 168 मतदाताओं के रिकॉर्ड में विभिन्न प्रकार की विसंगतियां चिन्हित की गई हैं। इनमें नाम, वर्तनी, अभिलेखों के मिलान और अन्य तकनीकी त्रुटियां शामिल हैं। संबंधित मतदाताओं को नोटिस भेजकर आवश्यक प्रमाण प्रस्तुत करने का अवसर दिया जाएगा। अखिल पिलानी ने बताया कि प्रारूप मतदाता सूची प्रकाशित होने के बाद सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के लेवल एजेंटों के साथ बैठक कर पुनरीक्षण अभियान, सत्यापन प्रक्रिया और दावा-आपत्ति संबंधी जानकारी साझा की गई। साथ ही उन्हें प्रारूप मतदाता सूची की प्रतियां भी उपलब्ध कराई गईं ताकि वे भी मतदाताओं को जागरूक कर सकें। दावे एवं आपत्तियों की संभावित अधिक संख्या को देखते हुए भारत निर्वाचन आयोग से अतिरिक्त सहायक निर्वाचक पंजीकरण अधिकारियों की अधिसूचना कराई गई है। सभी मामलों की सुनवाई संबंधित निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी (एसडीएम) करेंगे। यदि कोई व्यक्ति उनके निर्णय से संतुष्ट नहीं होता, तो वह जिला निर्वाचन अधिकारी के समक्ष अपील कर सकेगा। जिला निर्वाचन अधिकारी ने सभी मतदाताओं से अपील की कि यदि उन्हें कोई नोटिस प्राप्त होता है या वे अपना दावा अथवा आपत्ति दर्ज कराना चाहते हैं, तो निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित 12 प्रकार के वैध दस्तावेजों में से आवश्यक दस्तावेज समय सीमा के भीतर अवश्य प्रस्तुत करें। उन्होंने दोहराया कि वर्तमान सूची केवल प्रारूप मतदाता सूची है और सभी दावों, आपत्तियों तथा दस्तावेजों की जांच के बाद ही अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित की जाएगी।

संतों का छद्म वेश धारण करना भारतीय संस्कृति पर कुठाराघात : सतीश महाना

अयोध्या (हिंस)। उत्तर प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष सतीश महाना शनिवार को अयोध्या पहुंचे। महानगर की सीमा मऊ शिवाला पर अयोध्या विधायक प्रतिनिधि अमल गुप्ता ने उनका स्वागत किया। विधानसभा अध्यक्ष ने श्रीराम जन्मभूमि मंदिर पहुंचकर रामलला के दर्शन-पूजन किए। हनुमानगढ़ी में भी मत्था टेका। दर्शन-पूजन के दौरान विधायक रामचंद्र यादव, विधायक चंद्रभानु पासवान, विधायक अभय सिंह सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं पार्टी पदाधिकारी मौजूद रहे। दर्शन के बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने संसद भवन परिसर के बाहर कांग्रेस सांसद पप्पू यादव द्वारा किए गए प्रदर्शन पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति संतों के त्याग, तपस्या और आशीर्वाद पर आधारित है। ऐसे में संतों का छद्म वेश धारण करना किसी भी स्थिति में मान्य नहीं और अनुचित है। जब उस छद्म वेश को हटाया गया तो जो वास्तविकता निकली वह कांग्रेस के एक सांसद के रूप में निकली। उनका अपना एक इतिहास है जिसे पूरा देश जानता है। उन्होंने इस घटना को संत समाज का अपमान बताते हुए कहा कि इस प्रकार का कृत्य भारतीय संस्कृति पर कुठाराघात है। श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के चढ़ावा प्रकरण पर पूछे गए सवाल के जवाब में विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि मामले की जांच एसआईटी कर रही है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ स्वयं पूरे प्रकरण की निगरानी कर रहे हैं और जांच में जो भी दोषी पाया जाएगा, उसके विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। उल्लेखनीय है कि अयोध्या दौरे के दौरान विधानसभा अध्यक्ष के आगमन को लेकर सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए थे। इस दौरान भाजपा नेता अभय सिंह, हरभजन गौड, सहित पुलिस व प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे।

प्रदेश में स्वास्थ्य, कानून विकास की स्थिति बेहाल, जनता परेशान : गहलोत

जोधपुर (हिंस)। प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने आज राज्य की भजनलाल सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि सरकार के आने के बाद प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाएं, कानून व्यवस्था, वित्तीय प्रबंधन और विकास कार्यों की स्थिति लगातार बिगड़ती जा रही है। वे आज जोधपुर प्रवास पर पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। गहलोत ने कहा कि प्रदेश में दवाइयों, ऑपरेशन और इलाज का खर्च बढ़ गया है, जबकि उनकी सरकार द्वारा शुरू की गई सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का लाभ लोगों को समय पर नहीं मिल रहा। उन्होंने आरोप लगाया कि पेंशनधारियों को समय पर पेंशन नहीं मिल रही और सरकार भुगतान करने में विफल साबित हो रही है। एनजीओ आंदोलन का जिक्र करते हुए गहलोत ने कहा कि इस मुद्दे को सबसे पहले राहुल गांधी ने उठाया था और संबंधित मंत्री के इस्तीफे की मांग की थी। इसके बाद कांग्रेस ने राज्यभर में आंदोलन किए, जिससे केंद्र सरकार दबाव में आ गई। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने समझौते का वादा किया, लेकिन आज तक उसकी प्रति सार्वजनिक नहीं की गई। उन्होंने कहा कि वादा खिलाफी को देश और युवा कभी माफ नहीं करेंगे। कानून व्यवस्था पर सरकार को घेरते हुए गहलोत ने कहा कि राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के आंकड़े प्रदेश की बिगड़ती स्थिति की गवाही दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में हत्या, दुष्कर्म, लूट और डकैती जैसी घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं और सरकार केवल मुख्यमंत्री को खुश करने में लगी हुई है। अकाल और जल संकट को लेकर उन्होंने सरकार को आगाह करते हुए कहा कि कई जिलों में वर्षा की कमी चिंता का विषय है। यदि समय रहते पानी और पशुओं के चारे की व्यवस्था नहीं की गई तो गंभीर स्थिति पैदा हो सकती है। उन्होंने अपने मुख्यमंत्री कार्यकाल का उदाहरण देते हुए कहा कि लगातार चार अकाल के बावजूद उनकी सरकार ने बेहतर प्रबंधन किया था और किसी को भूखा नहीं सोने दिया। गहलोत ने आरोप लगाया कि प्रदेश के अधिकांश विभागों में भुगतान रुके हुए हैं। सेवानिवृत्त कर्मचारियों को उनके जीपीएफ और अन्य रिटायरमेंट लाभ समय पर नहीं मिल रहे हैं। उन्होंने कहा कि वित्त विभाग के बाहर सेवानिवृत्त कर्मचारियों की लंबी कतारें इस बात का प्रमाण हैं कि सरकार आर्थिक प्रबंधन में पूरी तरह विफल है। उन्होंने कहा कि विपक्ष लगातार विधानसभा और सड़कों पर जनता के मुद्दे उठा रहा है, लेकिन सरकार उन्हें आलोचना समझकर नजरअंदाज कर रही है। उन्होंने कहा कि विपक्ष का उद्देश्य सरकार को फीडबैक देना है ताकि जनता को बेहतर शासन मिल सके। भ्रष्टाचार को लेकर भी गहलोत ने सरकार पर गंभीर आरोप लगाए।

वन नेशन, वन इलेक्शन की दिशा में आगे बढ़ चुका देश, राजस्थान में भी एक साथ चुनाव कराए जाना सकारात्मक शुरुआत : केंद्रीय मंत्री अर्जुनराम

बीकानेर (हिंस)। केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुनराम मेघवाल ने शनिवार को कहा कि देश *वन नेशन, वन इलेक्शन* की दिशा में आगे बढ़ चुका है। इससे संबंधित विधेयक लोकसभा में पेश किया जा चुका है और फिलहाल संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) इसका अध्ययन कर रही है। उन्होंने कहा कि राजस्थान में भी एक साथ निकाय चुनाव कराए जाना इसी दिशा में एक सकारात्मक शुरुआत है शनिवार को बीकानेर प्रवास पर आए केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुनराम मेघवाल ने यह बात मीडियाकर्मियों से बातचीत के दौरान कही। उन्होंने कहा कि वन नेशन, वन इलेक्शन की दिशा में कदम बढ़ चुके हैं। राजस्थान में भी एक साथ निकाय पालिका चुनाव हो रहे है। पहले बीकानेर नगर निगम के चुनाव अलग होते थे, लेकिन अब बीकानेर नगर निगम, श्रीडूंगरगढ़ और देशनोक के निकाय चुनाव एक साथ हो रहे हैं। उन्होंने इसे चुनावी व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। संसद में विपक्ष के प्रदर्शन पर प्रतिक्रिया देते हुए मेघवाल ने कहा कि सदन की गरिमा और आसन की मर्यादा बनाए रखना सभी सांसदों की जिम्मेदारी है। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्ष अपने आरोपों के समर्थन में कोई ठोस प्रमाण प्रस्तुत नहीं कर पाया। नकल विरोधी कानून पर बोलते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि संसद में लंबी चर्चा के बाद यह कानून बनाया गया है। इसका उद्देश्य पेपर लीक और नकल माफियाओं पर सख्त कार्रवाई करना है। उन्होंने कहा कि नए कानून में दोषियों के खिलाफ कड़े दंड का प्रावधान किया गया है, जिससे परीक्षा प्रणाली अधिक पारदर्शी, निष्पक्ष और सुरक्षित बनेगी।

रक्षाबंधन पर डाक विभाग की विशेष पहल

वाटरप्रूफ राखी लिफाफे और राखी बॉक्स उपलब्ध 30 से अधिक देशों में रियायती दरों पर भेज सकेंगे राखी

बीकानेर (हिंस)। रक्षाबंधन के पावन पर्व को देखते हुए डाक विभाग ने बहनों की सुविधा के लिए विशेष वाटरप्रूफ एवं कटर-प्रूफ राखी लिफाफे तथा राखी बॉक्स उपलब्ध कराए हैं। बीकानेर मंडल के सभी डाकघरों में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी ये विशेष पैकिंग सामग्री उपलब्ध करा दी गई है, ताकि बहनें अपने भाइयों तक राखी सुरक्षित और समय पर पहुंचा सकें। बारिश के मौसम में राखियों को सुरक्षित रखने के उद्देश्य से तैयार किए गए इन विशेष लिफाफों में भेजी गई राखियों को नमी या अन्य कारणों से नुकसान नहीं होगा। विभाग ने राखी डाक के पंजीयन एवं वितरण के लिए विशेष व्यवस्था की है। आवश्यकता के अनुसार अतिरिक्त काउंटर भी संचालित किए जाएंगे, जिससे किसी भी बहन को राखी भेजने में असुविधा का सामना न करना पड़े। डाक विभाग द्वारा दो प्रकार के विशेष वाटरप्रूफ राखी लिफाफे उपलब्ध कराए गए हैं। 11म22 सेंटीमीटर आकार का लिफाफा मात्र 10 रुपए तथा 15म26 सेंटीमीटर आकार का लिफाफा 15 रुपए में उपलब्ध है। इसके अलावा 150म260म52 मिमी आकार का विशेष राखी बॉक्स 30 रुपए में उपलब्ध कराया गया है। छोटे लिफाफे में एक या दो राखियां सुरक्षित भेजी जा सकती हैं। यह मुलायम एवं मजबूत कागज से निर्मित होने के साथ आकर्षक राखी थीम प्रिंटिंग से सुसज्जित है। बड़े लिफाफे में अधिक संख्या में राखियां भेजने के साथ रोली, चावल, चॉकलेट अथवा अन्य छोटे उपहार भी रखे जा सकते हैं। वहीं विशेष राखी बॉक्स में मिठाई, ड्राई फ्रूट, चॉकलेट सहित अन्य उपहार भी सुरक्षित रूप से भेजे जा सकते हैं। डाक विभाग ने इस वर्ष विदेशों में रहने वाले भाइयों तक भी बहनों का स्नेह कम खर्च में पहुंचाने के लिए इंटरनेशनल ट्रैक पैकेट सर्विस की सुविधा उपलब्ध कराई है। इस सेवा के माध्यम से 30 से अधिक देशों में ट्रैकिंग सुविधा के साथ सुरक्षित राखी भेजी जा सकेगी। थाईलैंड सहित कई देशों में मात्र 185 रुपए तथा अमेरिका में 400 रुपए में राखी भेजने की सुविधा उपलब्ध है। इस सेवा के साथ ट्रैकिंग, सुरक्षित पैकिंग तथा स्पीड पोस्ट जैसी सुविधाएं भी दी जा रही हैं। विभाग ने बताया कि इस वर्ष रक्षाबंधन का पर्व 28 अगस्त 2026 को मनाया जाएगा। इसे ध्यान में रखते हुए सभी डाकघरों में समय रहते विशेष राखी लिफाफे एवं राखी बॉक्स उपलब्ध करा दिए गए हैं, ताकि बहनों द्वारा भेजा गया रक्षा सूत्र समय पर उनके भाइयों तक पहुंच सके।

सनातन धर्म का मजाक बना कर पप्पू यादव दूसरे समुदाय को खुश करना चाह रहा है : मनोज सोनी

अररिया (हिंस)। राम मंदिर चोरी मामले में पूर्णिया सांसद पप्पू यादव सहित कांग्रेस के नेता के द्वारा दिल्ली संसद भवन के पास जिस तरह से सनातन धर्म का मजाक उड़ाया जा रहा है, इससे समस्त हिंदू समाज आक्रोश में है, जिसका खामियाजा आने वाले चुनाव में पप्पू यादव सहित कांग्रेस पार्टी को भुगतना पड़ेगा। उक्त बातें बजरंग दल के पूर्व जिला संयोजक मनोज सोनी ने पटेल चौक स्थित महावीर मंदिर के प्रांगण में शनिवार को बैठक के दौरान कहा। उन्होंने कहा राम मंदिर चोरी मामले में अब तक की जांच अनुसार किसी भी पुजारी का इंवॉल्वमेंट सामने नहीं आई है। चोरी में केवल मंदिर कमेटी के कुछ वर्कर का नाम सामने आ रहा है, जिसके लिए सरकार टीम गठित कर जांच करवा रही है। दोषी बक्से नहीं जाएंगे। अब इसी बीच हिंदू धर्म को बदनाम करने के उद्देश्य से पूर्णिया सांसद पप्पू यादव सहित कांग्रेस के नेता लोग विदेशी ताकतों के इशारे पर सनातन धर्म के लोगों को गुमराह करने के साथ हिंदू धर्म को कलंकित करने का प्रयास कर रहा है। सोनी ने कहा पप्पू यादव सहित कांग्रेस के लोगों को अगर हिंदुओं की थोड़ी सी भी चिंता है और हिम्मत है तो हिंदू बेटियों को लव जिहाद की चंगुल से बचाने के लिए और धर्म परिवर्तन को रोकने के लिए सरकार से कानून की मांग करें। इसके लिए आंदोलन क्यों नहीं कर रहा है। मौके पर बैठक में बजरंग दल के पूर्व जिला संयोजक मनोज सोनी, संजीव रजक, यशवंत शर्मा, पिंटू सोनी, करण कर्मकार, विश्वजीत कुमार, आरव गुप्ता, नवीन कुमार, दीपक यादव, अभिषेक राज, अजय कुमार, राहुल गुप्ता सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद थे।

छात्रों पर दर्ज मुकदमे वापस नहीं हुए तो कांग्रेस करेगी देशव्यापी आंदोलन : कमरुल होदा

भागलपुर (हिंस)। किशनगंज से कांग्रेस विधायक कमरुल होदा ने भागलपुर के सर्किट हाउस में शनिवार को आयोजित प्रेस वार्ता में केंद्र और बिहार सरकार पर छात्रों की आवाज दबाने तथा आंदोलनकारियों के साथ अन्याय करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व के निर्देश पर एक टीम पूरे बिहार का दौरा कर छात्र आंदोलन की जमीनी हकीकत जान रही है। इस टीम में वे स्वयं राष्ट्रीय नेतृत्व के प्रतिनिधि के रूप में भागलपुर पहुंचे हैं। उन्होंने कहा कि 20 जून से दिल्ली के जंतर-मंतर पर नीट पेपर लीक के विरोध में शुरू हुआ छात्र आंदोलन पूरे देश की आवाज बन गया। इस आंदोलन में देश के विभिन्न राज्यों और जिलों से छात्र-युवा जुड़े उन्होंने कहा कि पेपर लीक केवल परीक्षा की गड़बड़ी नहीं, बल्कि लाखों छात्रों और उनके अभिभावकों के सपनों पर चोट है। गरीब परिवार अपने बच्चों को डॉक्टर, इंजीनियर, आईएएस और आईपीएस बनाने के लिए वर्षों तक मेहनत और त्याग करते हैं। माता-पिता अपना पेट काटकर बच्चों की पढ़ाई का खर्च उठाते हैं, लेकिन जब परीक्षा का पेपर लीक हो जाता है तो उनके सारे सपने बिखर जाते हैं। कमरुल

होदा ने कहा कि छात्रों और युवाओं की इसी आवाज ने केंद्र सरकार को झुकने पर मजबूर किया और तत्कालीन केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को अपने पद से इस्तीफा देना पड़ा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस शुरू से ही छात्रों के साथ खड़ी रही है। पार्टी के शीर्ष नेता राहुल गांधी लगातार संसद और सड़क दोनों जगह छात्रों की आवाज उठाते रहे कांग्रेस की मांग थी कि जंतर-मंतर पर शांतिपूर्ण आंदोलन कर रहे छात्रों की बात सुनी जाए और संसद में इस मुद्दे पर गंभीर चर्चा कर समाधान निकाला जाए। उन्होंने आरोप लगाया कि लोकतांत्रिक तरीके से आंदोलन करने के बावजूद कांग्रेस नेताओं के साथ अभद्र व्यवहार किया गया। राहुल गांधी और सोनिया गांधी के साथ धक्का-मुक्की की गई। उन्होंने कहा कि विपक्ष की आवाज सुनने के बजाए सरकार ने दमन का रास्ता अपनाया। विधायक ने कहा कि 24 जून को पटना स्थित बिहार प्रदेश कांग्रेस कार्यालय पर भाजपा समर्थकों द्वारा हमला किया गया कार्यालय में मौजूद कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ मारपीट की गई, जिसमें कई लोग घायल हुए। उस समय विधानसभा का सत्र चल रहा था। कमरुल होदा ने कहा कि कांग्रेस लगातार यह मांग कर रही है कि संसद में ऐसा सशक्त कानून बनाया जाए, जिससे भविष्य में पेपर लीक जैसी घटनाओं पर पूरी तरह रोक लग सके और छात्रों का भविष्य सुरक्षित हो। साथ ही आंदोलन के दौरान छात्रों, युवाओं और कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर दर्ज सभी मुकदमे वापस लिए जाएं।

एआई का डर खत्म! आईटी सेक्टर के लिए अब कमाई का नया मौका

कॉग्निजेंट की कुल कमाई का लगभग 25 फीसदी हिस्सा ही पुराने कान्ट्रैक्ट्स से आ रहा है

नई दिल्ली

भारतीय आईटी सेक्टर जो पिछले डेढ़-दो साल से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के कारण कमाई और नौकरियों पर संभावित नकारात्मक असर को लेकर आशंकित था, अब एक नई उम्मीद देख रहा है। एक रिपोर्ट और आईटी दिग्गज कॉग्निजेंट के नतीजों ने इस डर को काफी हद तक दूर कर दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक एआई की वजह से कीमतों और कंपनियों की आय पर पड़ने वाले दबाव का बड़ा हिस्सा शायद अब पीछे छूट चुका है, जिससे सेक्टर के लिए ग्रोथ का नया रास्ता खुलता दिख रहा है।

पिछले काफी समय से यह चिंता थी कि एआई की तेज रफ्तार से प्रोजेक्ट पूरे होने के कारण ग्राहक कीमतों में कमी का दबाव डालेंगे, जिससे टीसीएस, इंफोसिस, एचसीएल टेक और विप्रो जैसी कंपनियों की ग्रोथ सुस्त पड़ सकती है। लेकिन नई रिपोर्ट, जो कॉग्निजेंट के नतीजों का विश्लेषण करती है, बताती है कि यह चिंता अब कम हो रही है। रिपोर्ट के अनुसार कॉग्निजेंट की कुल कमाई का केवल लगभग 25 फीसदी हिस्सा ही अब उन पुराने कान्ट्रैक्ट्स से आ रहा है, जो एआई के आने से पहले तय हुए थे। अगले 12 से 18 महीनों में इन सभी कान्ट्रैक्ट्स की भी नई कीमतें तय हो जाएंगी। छोटे प्रोजेक्ट्स (6-15 महीने) में एआई से होने वाली लागत बचत का असर पहले ही दिख चुका है। एक बार पुराने कान्ट्रैक्ट्स की री-प्राइसिंग पूरी हो जाने के बाद, कंपनियों की ग्रोथ इस बात पर निर्भर करेगी कि एआई उन्हें कितना नया कारोबार दिलाने में मदद करता है। रिपोर्ट यह भी संकेत देती है कि एआई अब केवल खर्च घटाने का जरिया नहीं रहा, बल्कि यह कंपनियों के लिए कमाई और नए कारोबार का बड़ा अवसर बन रहा है। कॉग्निजेंट में अब 40 फीसदी से अधिक साफ्टवेयर डेवलपमेंट एआई की मदद से किया जा रहा है। कंपनी वर्तमान में 8,000 से ज्यादा एआई प्रोजेक्ट्स पर काम कर रही है और उसने नए एआई प्रोडक्ट व सर्विस तैयार करने के लिए एक विशेष एआई टीम भी बनाई है। यह स्पष्ट है कि आईटी कंपनियां अब एआई के दम पर नए ग्राहक जोड़ने, इनोवेटिव सेवाएं देने और अपने कारोबार का विस्तार करने की रणनीति पर काम कर रही हैं। यह बदलती तस्वीर भारतीय आईटी सेक्टर के लिए एक सकारात्मक संकेत है।

न्यूज ब्रीफ

कन्यूटर स्कूटरों की एक नई श्रृंखला पेश करेगी पियाजियो

नई दिल्ली। भारतीय दोपहिया बाजार में अपनी पहुंच बढ़ाने के लिए पियाजियो कंपनी वर्ष 2027 की पहली छमाही में कम्यूटर स्कूटरों की एक नई श्रृंखला पेश करने जा रही है। पियाजियो के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक डिएगो ग्रैफी के अनुसार, कंपनी पूरी तरह भारत को ध्यान में रखकर एक नए प्लेटफार्म पर स्कूटरों की यह श्रृंखला विकसित कर रही है। यह केवल एक माडल नहीं होगा, बल्कि एक ही ब्रांड के तहत कई अलग-अलग स्कूटर पेश किए जाएंगे, जिनकी कीमतें प्रतिस्पर्धी रखी जाएंगी। वर्तमान में पियाजियो भारत में मुख्य रूप से वेस्पा ब्रांड के प्रीमियम स्कूटर बेचती है, जिनकी शुरुआती कीमत लगभग 1.20 लाख रुपये से अधिक है। ऊंची कीमत के कारण यह ब्रांड सीमित ग्राहकों तक ही पहुंच बना सका है। अब कंपनी कम कीमत वाले और रोजमर्रा के उपयोग के लिए उपयुक्त स्कूटरों के जरिए बड़े ग्राहक वर्ग तक पहुंचने की रणनीति पर काम कर रही है। डिएगो ग्रैफी ने स्वीकार किया कि पिछले वर्षों में कंपनी कम कीमत वाले स्कूटरों के क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा करने में सफल नहीं रही, और अब इस कमी को दूर करने की तैयारी है। इन स्कूटरों का उत्पादन महाराष्ट्र के बारामती स्थित पियाजियो के विनिर्माण संयंत्र में किया जाएगा, जहाँ पर्याप्त उत्पादन क्षमता उपलब्ध है। भारतीय स्कूटर बाजार लगातार विस्तार कर रहा है, जिसमें पेट्रोल स्कूटरों के साथ-साथ टीवीएस आईक्यूब, बजाज चेतक ईवी और एथर रिज्टा जैसे ईवी स्कूटरों का दबदबा भी बढ़ रहा है।

पीएफ खाते से पैसे निकालना, म्यूचुअल फंड से भी ज्यादा आसान होगा

नई दिल्ली। अब पीएफ खाते से पैसे निकलना आसान हो गया है। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) के सेंट्रल प्रोविडेंट फंड कमिश्नर रमेश कृष्णमूर्ति ने दावा किया है कि ईपीएफओ ने क्लेम सेटलमेंट का करीब सारा बकाया काम निपटा लिया गया है। पीएफ सदस्यों की ओर से किए गए ज्यादातर क्लेम उसी दिन या दो दिनों के अंदर निपटा दिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि नए सिस्टम में हम देख रहे हैं कि 90 फीसदी तक क्लेम आटोसेटल हो रहे हैं। हमें उम्मीद है कि सदस्यों द्वारा किए गए ज्यादातर क्लेम या तो उसी दिन या अधिकतम दो दिनों के अंदर सेटल हो जाएंगे। इसका मतलब है कि अब पीएफ से पैसे निकालना म्यूचुअल फंड से भी कहीं ज्यादा आसान हो गया है। कृष्णमूर्ति ने एक कार्यक्रम में कहा कि ईपीएफओ की नई रोजगार योजनाएं और चल रहे सुधार, नियोक्ताओं के लिए नियमों का पालन आसान बनाने के साथ-साथ सदस्यों को विश्व स्तरीय सेवाएं देने पर केंद्रित हैं। संगठन अब नियमों के पालन से जुड़े सुधारों पर ध्यान केंद्रित कर रहा है, ताकि नियोक्ताओं के लिए कामकाज आसान हो सके और नियोक्ताओं व कर्मचारियों दोनों के लिए एक भरोसेमंद सामाजिक सुरक्षा संस्थान के तौर पर विश्वास मजबूत हो सके। उन्होंने कहा कि मैं इस बात पर जोर देना चाहता हूं कि ईपीएफओ की नई रोजगार योजनाओं और सुधारों का मकसद सदस्यों को दुनिया की सबसे अच्छी सेवाएं देना है।

जुलाई में 2.11 लाख करोड़ रुपये पहुंचा GST संग्रहः सालाना आधार पर 15.4% की बढ़ोतरी

नई दिल्ली। जुलाई 2026 में वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) का कुल संग्रह 2.11 लाख करोड़ रुपये रहा। सरकार की ओर से जारी मासिक जीएसटी राजस्व रिपोर्ट के अनुसार, यह जुलाई 2025 के 1.83 लाख करोड़ रुपये के मुकाबले 15.4 फीसदी ज्यादा है। यानी एक साल में जीएसटी संग्रह में 15.4 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। यह बढ़ोतरी मजबूत घरेलू राजस्व और आयात से मिलने वाले कर में बड़ी वृद्धि के कारण हुई है। देश के अंदर होने वाले कारोबार से मिलने वाला घरेलू जीएसटी राजस्व जुलाई 2026 में 10.1 फीसदी बढ़कर 1.45 लाख करोड़ रुपये हो गया। जुलाई 2025 में यह 1.31 लाख करोड़ रुपये था। वहीं, आयात से मिलने वाले जीएसटी राजस्व में भी बढ़ोतरी दर्ज की गई। आयात से मिलने वाला जीएसटी 28.8 फीसदी बढ़कर 66,511 करोड़ रुपये हो गया। इससे जुलाई महीने का कुल जीएसटी संग्रह 2.11 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया। जीएसटी संग्रह के नए आंकड़े बताते हैं कि पश्चिम एशिया में तनाव के बावजूद देश में घरेलू खपत और कारोबार की गतिविधियां स्थिर बनी रहीं।

अमेरिका-ईरान जंग के बीच घटे एलपीजी गैस के दाम, क्या पेट्रोल-डीजल के दाम भी होंगे कम

नई दिल्ली

ईरान संकट के बीच देशवासियों को महीने के पहले दिन ही महंगाई से बड़ी राहत मिली। दिल्ली से लेकर पटना-कोलकाता तक एलपीजी गैस के दाम में बड़ी गिरावट हुई। 1 अगस्त को 19 किलो वाले कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में 200 रुपए से ज्यादा की कटौती हुई है। यह नई कीमतें लागू हो गई हैं।

हालांकि, घरेलू रसोई में इस्तेमाल होने वाले 14.2 किलो के घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर के दाम घटने का सीधा असर कारोबारियों पर पड़ता है। इससे छोटे व्यापारियों और होटल उद्योग को राहत मिलने की उम्मीद है। हालांकि, आम लोगों के लिए फिलहाल डायरेक्ट कोई राहत नहीं है।

कमर्शियल सिलेंडर की कीमतों में कमी से एक संकेत की आहट सुनाई दे रही है। वह यह कि क्या घरेलू एलपीजी सिलेंडर के भी दाम घटेंगे क्या कमर्शियल एलपीजी गैस के दाम में कमी के बाद अब पेट्रोल-डीजल की बारी है जिस तरह से कमर्शियल गैस की कीमतों में कमी हुई है, उससे यह उम्मीद की जा सकती है कि आने वाले दिनों में पेट्रोल-डीजल के दाम कम हो सकते हैं। इसकी एक वजह यह भी है कि ग्लोबल मार्केट में क्रूड ऑयल के दाम कम हुए हैं। बहरहाल, यहां स्पष्ट करना जरूरी है कि तेल कंपनियों या सरकार की ओर से पेट्रोल-डीजल के दाम घटाने को लेकर कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है।

बता दें पेट्रोल और डीजल की कीमतें कई कारकों पर निर्भर करती हैं। इनमें ग्लोबल बाजार में कच्चे तेल की कीमत, डॉलर के मुकाबले रुपए की स्थिति और टैक्स समेत अन्य खर्च शामिल हैं। इसलिए कमर्शियल एलपीजी की कीमत घटने का मतलब यह नहीं है कि पेट्रोल और डीजल के दाम भी तुरंत कम हो जाएंगे। सरकार ग्लोबल मार्केट के पैटर्न को पहले समझेगी। कच्चे तेल की कीमतों का हिसाब लगाएगी, तब जाकर सस्ता-महंगा का हिसाब हो पाएगा।

भारत का विदेशी मुद्रा भंडार बढ़कर 682.23 अरब डालर हुआ, गोल्ड रिजर्व में भी इजाफा

मुंबई । भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, 24 जुलाई 2026 को समाप्त सप्ताह में देश का विदेशी मुद्रा भंडार (फारेक्स रिजर्व) 6.118 अरब डालर बढ़कर 682.2354 अरब डालर पर पहुंच गया, जिससे इसके लगातार मजबूत होने का संकेत मिल रहा है। इससे पहले 17 जुलाई को समाप्त सप्ताह में भी विदेशी मुद्रा भंडार 1.08 अरब डालर बढ़कर 676.237 अरब डालर हो गया था। लगातार दूसरे सप्ताह आई इस बढ़ोतरी से देश की बाहरी आर्थिक स्थिति और मजबूत हुई है। आरबीआई के अनुसार, समीक्षा अवधि में स्वर्ण भंडार (गोल्ड रिजर्व) का मूल्य 1.308 अरब डालर बढ़कर 103.058 अरब डालर हो गया। वहीं, विदेशी मुद्रा भंडार का सबसे बड़ा हिस्सा माने जाने वाले विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियां (एफसीए) 4.873 अरब डालर बढ़कर 555.929 अरब डालर पर पहुंच गई। आरबीआई ने बताया कि डालर के संदर्भ में विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियों में यूरो, पाउंड और जापानी येन जैसी गैर-अमेरिकी मुद्राओं के मूल्य में उतार-चढ़ाव का प्रभाव भी शामिल होता है। हालांकि, इस दौरान स्पेशल ड्राइंग राइट्स (एसडीआर) में 5.3 करोड़ डालर की कमी आई और यह घटकर 18.617 अरब डालर रह गया। आरबीआई के साप्ताहिक सांख्यिकीय पूरक के अनुसार, इस साल की शुरुआत में वैश्विक अनिश्चितताओं के कारण विदेशी मुद्रा भंडार में जो गिरावट आई थी, उससे अब लगातार उबरने का सिलसिला जारी है। उल्लेखनीय है कि 27 फरवरी 2026 को समाप्त सप्ताह में भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 728.494 अरब डालर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया था। हालांकि, इसके बाद पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव के चलते रुपए पर दबाव बढ़ा।

मारुति ई-विटारा 47 देशों में बनी ग्राहकों की पसंद

नई दिल्ली

भारत से इलेक्ट्रिक कारों का निर्यात लगभग 14 गुना बढ़ गया है, जो पिछले साल की 1,122 यूनिट्स से बढ़कर इस साल 15,600 यूनिट्स तक पहुँच गया है। चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही (अप्रैल से जून) के यह आंकड़े इस वृद्धि को दर्शाते हैं। यह वृद्धि भारतीय आटोमोबाइल सेक्टर के लिए एक नई उड़ान का संकेत है, जिसमें विदेशी बाजारों में भारत निर्मित ईवी की बढ़ती स्वीकार्यता दिखती है।

इस शानदार सफलता का श्रेय मुख्य रूप से मारुति सुजुकी की नई इलेक्ट्रिक कार, ई-विटारा को जाता है, जिसने विदेशी बाजारों में धूम मचा दी है। कुल निर्यात की गई 15,600 कारों में से लगभग 15,200 कारें अकेले मारुति की ई-विटारा की हैं, जिससे यह भारत से सबसे ज्यादा निर्यात होने वाली कारों की सूची में सीधे तीसरे नंबर पर आ गई है।

ई-विटारा की सफलता दुनिया के 47 अलग-अलग देशों तक फैली है, जिनमें यूरोप, एशिया और अफ्रीका के कई बड़े बाजार शामिल हैं, जो मेक इन इंडिया पहल की वैश्विक स्वीकार्यता और भारतीय तकनीक, डिजाइन व सुरक्षा पर दुनिया के भरोसे को दर्शाता है।

जबकि मारुति सुजुकी वर्तमान में निर्यात में आगे है, टाटा मोटर्स और महिंद्रा एंड महिंद्रा जैसी अन्य भारतीय दिग्गज कंपनियां भी अपनी नई इलेक्ट्रिक कारों को विदेशी बाजारों में लान्च करने के लिए तेजी से तैयारी कर रही हैं, जिससे यह आंकड़ा भविष्य में कई गुना और बढ़ने की उम्मीद है।

वैश्विक मांग को पूरा करने के लिए विदेशी कंपनियां भी भारत में कारें बनवाना पसंद कर रही हैं, क्योंकि यहाँ उत्पादन लागत कम है, कुशल इंजीनियर और मजदूर आसानी से उपलब्ध हैं, और भारत सरकार भी उद्योगों को कई तरह की छूट व मदद दे रही है। यह भारत को वैश्विक आटोमोबाइल उत्पादन और निर्यात के एक बड़े केंद्र के रूप में स्थापित कर रहा है।

मालूम हो कि भारत अब केवल अपने घरेलू बाजार के लिए ही नहीं, बल्कि वैश्विक स्तर पर इलेक्ट्रिक वाहनों का एक बड़ा निर्माता बनकर उभर रहा है।

एथेनाल से पेट्रोल पर 30 प्रति लीटर की बचत हुई

नई दिल्ली । क्रूड आयल की कीमतें जब अंतरराष्ट्रीय बाजार में 135 डालर प्रति बैरल के स्तर पर पहुंच गई थीं, तब अगर तेल कंपनियों ने पेट्रोल में एथेनाल की ब्लेंडिंग न की होती, तो दिल्ली में पेट्रोल का भाव लगभग 125 रुपए प्रति लीटर पहुंच गया होता। पेट्रोलियम मंत्रालय ने एथेनाल प्रोग्राम की लागत, खाद्य सुरक्षा पर असर और टैक्सपेयर्स की सब्सिडी से जुड़े दावों का जवाब देते हुए यह बात कही। मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि संकट के समय पर इस प्रोग्राम की वजह से पेट्रोल पर प्रति लीटर लगभग 30 रुपए की बचत हुई। पेट्रोलियम मंत्रालय के अनुसार, वैश्विक बाजार में क्रूड की कीमतें बढ़ने के बावजूद देश में उपभोक्ताओं को पेट्रोल 94.77 रुपए प्रति लीटर के भाव पर मिला। इसका कारण यह था कि पूर्व-निर्धारित कीमतों पर घरेलू स्तर पर खरीदे गए एथेनाल की हर एक लीटर पेट्रोल में 20% हिस्सेदारी थी। इसी वजह से रिटेल कीमतें क्रूड के तेज उछाल से बची रहीं। 28 फरवरी को पश्चिमी एशिया में तनाव और संघर्ष शुरू होने के बाद, सरकार ने करीब 75 दिनों तक पेट्रोल और डीजल की कीमतों को स्थिर रखा था। इसके बाद मई में दामों में 7.5 रुपए प्रति लीटर की बढ़ोतरी की गई थी।

अगले महीने लांच होगा मोटोरोला का नया टैबलेट

नई दिल्ली

भारत में मोटोरोला कंपनी अपना नया 5जी टैबलेट मोटो पैड 70 अगले महीने 9 अगस्त को लान्च करने जा रही है। बड़ी डिस्प्ले, दमदार बैटरी, स्टाइलस सपोर्ट और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) फीचर्स के साथ आने वाला यह डिवाइस पढ़ाई, आफिस के काम और मनोरंजन के लिए एक मजबूत विकल्प माना जा रहा है। इसकी बिक्री लान्च के बाद फिलपकार्ट के माध्यम से शुरू होगी, हालांकि कंपनी ने अभी इसकी कीमत की घोषणा नहीं की है। मोटो पैड 70 में 12.1 इंच का 2.5के डिस्प्ले दिया गया है, जिसकी अधिकतम ब्राइटनेस 800 निट्स है।

डिस्प्ले 96 प्रतिशत डीसीआई-पी3 कलर गैमट को सपोर्ट करता है, जिससे तस्वीरें और वीडियो अधिक स्पष्ट और प्राकृतिक रंगों में दिखाई देंगे। कंपनी बाक्स में ही मोटो पेन भी उपलब्ध करा रही है, जिसमें 4096 प्रेशर लेवल, टिल्ट डिटेक्शन और पाम रिजेक्शन जैसे फीचर्स दिए गए हैं। इससे यूजर्स आसानी से नोट्स बना सकेंगे, ड्राइंग कर सकेंगे और अन्य रचनात्मक कार्य कर पाएंगे। टैबलेट में मीडियाटेक डाइमेंसिटी 6400 प्रोसेसर लगाया गया है, जो मल्टीटास्किंग और रोजमर्रा के उपयोग के लिए उपयुक्त माना जा रहा है। इसमें 10,200द्धद्ध की बड़ी बैटरी दी गई है, जिसे 68 वाट टर्बोपावर फास्ट चार्जिंग का समर्थन मिलेगा। डिवाइस मोटो फोलियो कीबोर्ड और स्मार्ट कनेक्ट फीचर को भी सपोर्ट करेगा। यह टैबलेट एंड्रायड 16 के साथ आएगा और कंपनी ने इसे एंड्रायड 18 तक आपरेटिंग सिस्टम अपडेट तथा वर्ष 2030 तक सुरक्षा अपडेट देने का वादा किया है। इसके अलावा डिवाइस में एआई रीराइट, सर्किल टू सर्च, एआई समरी, एआई कंटिन्यू राइटिंग और गूगल जेमिनी जैसे एआई फीचर्स भी शामिल किए गए हैं। मोटो पैड 70 में डाल्बी एटमास सपोर्ट वाले चार स्पीकर दिए गए हैं, जो बेहतर आडियो अनुभव प्रदान करेंगे। यह टैबलेट केवल 6.29 मिमी पतला है और इसका वजन 530 ग्राम है।

आरबीआई एफडी ब्याज दरों के नियमों में कर रहा बदलाव, 1 अक्टूबर से होंगे लागू

इसका मकसद बल्क डिपाजिट पर ट्रांसपरेंसी बढ़ाना और समान प्रोसेस तय करना

नई दिल्ली

फिक्स्ड डिपाजिट पर मिलने वाले ब्याज को लेकर भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ब्याज दर तय करने के नियमों को बदलने की तैयारी में है। इनका मकसद बल्क डिपाजिट पर ट्रांसपरेंसी बढ़ाना और सभी ग्राहकों के साथ समान प्रोसेस तय करना है। ये नियम सिर्फ कमर्शियल बैंकों पर ही नहीं, बल्कि स्माल फाइनेंस बैंक, क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक, पेमेंट बैंक, लोकल एरिया बैंक और अर्बन को-आपरेटिव बैंक पर भी लागू होंगे। नए नियम 1 अक्टूबर 2026 से लागू होंगे यानी पूरे बैंकिंग सिस्टम में बड़े जमा पर ब्याज देने का तरीका अब पहले से ज्यादा बेहतर होगा।

फिक्स्ड डिपाजिट जिसमें एक बार में 3 करोड़ रुपए या उससे ज्यादा जमा किए जाते हैं। ऐसे निवेश आमतौर पर कंपनियां, बड़े कारोबारी, ट्रस्ट और हाई नेटवर्थ वाले लोग करते हैं। अब तक बैंक इन ग्राहकों से अलग-अलग बातचीत करके ब्याज दर तय कर लेते थे। कई बार एक ही रकम जमा करने वाले दो ग्राहकों को अलग-अलग ब्याज मिल जाता था। अब ऐसा नहीं होगा। नए नियम के मुताबिक हर बैंक को हर कामकाजी दिन सुबह 10 बजे तक अपनी वेबसाइट पर बल्क डिपाजिट की ब्याज दरें जारी करनी होंगी। इसके बाद बैंक उसी दिन उसी रकम के बल्क डिपाजिट पर सभी ग्राहकों को एक जैसी ब्याज दर देंगे। चाहे ग्राहक पुराना हो या नया, किसी भी शाखा में जाए, ब्याज दर समान रहेगी। बैंक वेबसाइट पर दिखाई गई दर से अलग आफर नहीं दे सकेंगे। इससे निजी सौदेबाजी और छिपी हुई डील पर रोक लगेगी।

आरबीआई ने एक और बदलाव किया है। अब बैंक ऐसे बड़े जमा पर ज्यादा ब्याज दे सकेंगे, जिनके जल्दी निकाले जाने की संभावना होती है। बैंकिंग में इसे लिक्विडिटी कवरेज रेशियो के आधार पर देखा जाता है। उदाहरण के लिए आम लोगों की एफडी अक्सर तय समय तक बनी रहती है, लेकिन बड़ी कंपनियां जरूरत पड़ने पर करोड़ों रुपए जल्दी निकाल सकती हैं। ऐसे ज्यादा रिस्क वाले बल्क डिपाजिट पर बैंक पहले से बेहतर ब्याज दर देने का फैसला कर सकते हैं। यह सुविधा घरेलू और एनआरआई, दोनों तरह के बड़े जमा पर लागू होगी। इस बदलाव का सबसे बड़ा फायदा उन कंपनियों, संस्थानों और हाई नेटवर्थ ग्राहकों को होगा, जो 3 करोड़ रुपए या उससे ज्यादा की एफडी कराते हैं। अब उन्हें हर सुबह बैंक की वेबसाइट पर उस दिन की ब्याज दर साफ दिखाई देगी। किसी ग्राहक को सिर्फ रिश्ते या मोलभाव के आधार पर ज्यादा ब्याज नहीं मिलेगा। 3 करोड़ रुपए से कम की एफडी कराने वाले आम ग्राहकों पर यह नियम सीधे लागू नहीं होगा। हालांकि आरबीआई का कहना है कि बैंक जो ब्याज दर वेबसाइट पर दिखाएंगे, उसके मुताबिक ग्राहकों को आफर भी करना होगा। इससे बैंकिंग व्यवस्था में ट्रांसपरेंसी बढ़ेगी। अगर आप या आपकी कंपनी 3 करोड़ रुपए या उससे ज्यादा की एफडी कराती है, तो 1 अक्टूबर 2026 के बाद जमा करने से पहले बैंक की वेबसाइट पर उस दिन की ब्याज दर जरूर देखें। आपको उसी दिन उसी रकम पर वही दर मिलने का अधिकार होगा, जो वेबसाइट पर प्रकाशित है।

श्रीलंका दौरे में क्लीन स्वीप कर इतिहास दोहराना चाहेगी भारतीय क्रिकेट टीम

मुम्बई

शुभमन गिल की कप्तानी में भारतीय क्रिकेट टीम अगले माह 15 अगस्त से मेजबान श्रीलंकाई टीम के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की सीरीज खेलने के लिए उतरेगी। भारतीय टीम का लक्ष्य दो मैचों की इस सीरीज को जीतकर इतिहास दोहराना रहेगा। श्रीलंका की धरती पर भारतीय क्रिकेट टीम का टेस्ट रिकार्ड काफी रोमांचक रहा है।

भारत ने अब तक वहां कुल आठ टेस्ट सीरीज खेली हैं, जिनमें से तीन बार सीरीज उसने जीती है जबकि तीन बार मेजबान श्रीलंका की टीम को जीत मिली है। वहीं, दो टेस्ट सीरीज ड्रा रही है। भारतीय टीम ने पिछले तीन श्रीलंकाई दौरों में से 2010 की सीरीज ड्रा रही थी, जबकि 2015 और 2017 में भारत ने मेजबानों को हराकर शानदार जीत दर्ज की थी। साल 2017 के दौरे पर भारतीय टीम ने श्रीलंका के सभी मैच हराये थे। अब ठीक नौ सालों के लंबे इंतजार के बाद भारतीय टीम के पास एक बार फिर क्लीन स्वीप कर इतिहास दोहराने का अवसर है।

इस सीरीज का पहला टेस्ट गाल में खेला जाएगा जबकि दूसरा और निर्णायक टेस्ट मैच 23 अगस्त 2024 से कोलंबो में खेला जाएगा। श्रीलंका की स्पिन को सहायता देने वाली पिच और कठिन हालातों को देखते हुए भारतीय टीम की राह आसन नहीं है। इसी कारण एक ऐसी टीम चयनित की गयी है। जिसमें अनुभवी और युवा खिलाड़ी दोनो ही शामिल रहें। टीम की बल्लेबाजी को मजबूत करने के लिए यशस्वी जायसवाल, साई सुदर्शन और देवदत्त पडिक्कल को शामिल किया गया है। वहीं विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी आक्रामक बल्लेबाज ऋषभ पंत और युवा ध्रुव जुरेल को मिली है। श्रीलंकाई पिचों पर स्पिनरों की भूमिका हमेशा बेहद महत्वपूर्ण रही है, जिसे देखते हुए चयनकर्ताओं ने रवींद्र जडेजा और कुलदीप यादव के अनुभवी हाथों के साथ-साथ मानव सुथार और सारांश जैन जैसे प्रतिभाशाली स्पिनरों को टीम में अवसर दिया है। वहीं, तेज गेंदबाजी की कमान जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज संभालेंगे।

यह दो मैचों की सीरीज केवल एक सामान्य द्विपक्षीय मुकाबला नहीं है, बल्कि विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) अंकतालिका में टेबल में अपनी स्थिति मजबूत करने का एक महत्वपूर्ण अवसर भी है। अभी भारतीय टीम डब्ल्यूटीसी चक्र में पांचवें स्थान पर है, उसने नौ टेस्ट मैचों में चार जीत, चार हार और एक ड्रा के साथ 48.15 अंक प्रतिशत हासिल किए हैं। दूसरी ओर, श्रीलंका की स्थिति भी बहुत अलग नहीं है; श्रीलंकाई टीम तालिका में छठे स्थान पर है, जिसके पास चार मैचों में एक जीत, एक हार और दो ड्रा के साथ 41.67 अंक प्रतिशत हैं। ऐसे में दोनों ही टीमों के लिए यह सीरीज पाइंट्स टेबल में ऊपर चढ़ने और फाइनल की दौड़ में खुद को बनाए रखने के लिए बेहद महत्वपूर्ण है।

न्यूज ब्रीफ

रियल मैड्रिड ने युवा स्ट्राइकर कार्लोस को अपने साथ जोड़ा

मैड्रिड। स्पेन के शीर्ष फुटबाल क्लब रियल मैड्रिड ने लेवांते के युवा स्ट्राइकर कार्लोस एस्पी को अपने साथ जोड़ा है। रियल मैड्रिड ने एस्पी को करीब 25 मिलियन यूरो की मोटी रकम देकर खरीदा है। ऐसे में अब अगल सत्र से कार्लोस रियल की ओर से खेलते हुए दिखेंगे। रियल ने कहा कि कि कार्लोस अगले पांच साल तक उसके पास ही रहेंगे। इसके तहत ये फुटबालर जून, 2031 तक रियल की ओर से खेलेगा। गौरतलब है कि रियल मैड्रिड में आने से पहले कार्लोस ने लेवांते की ओर से तीन सत्र खेले हैं। इस दौरान उन्होंने कुल 66 मैचों में 20 गोल दागे हैं। उनका पिछला सीजन विशेष रूप से अच्छा रहा। इस दौरान उन्होंने 27 मैचों में 13 गोल किये। उन्हें पिछले सीजन में लीग का सर्वश्रेष्ठ अंडर-23 खिलाड़ी भी चुना गया था। कार्लोस के इन गोलों के कारण ही लेवांते को निचली लीग में जाने से बचा था। सत्र सीजन के आखिरी हफ्तों में उनके प्रदर्शन ने टीम को मजबूती मिली थी। इस स्ट्राइकर को अपनी टीम में शामिल करने के लिए स्पेनिश ला लीगा के क्लब विल्लारियल और इंग्लैंड की प्रीमियर लीग के साथ् ही कई बड़े क्लबों ने भी रुचि दिखायी थी। रियल मैड्रिड ने हालांकि इस दौड़ में बाजी मार ली। लेवांते ने संभावित चोट के खतरे को कम करने के लिए प्री-सत्र फ्रेंडली मैचों से बाहर रखा था, जो आमतौर पर बड़े ट्रांसफर से पहले किया जाता है। कार्लोस का रियल मैड्रिड में ऐसे समय में आये जब क्लब अपने स्ट्राइकर गोंजालो गार्सिया को इंग्लिश प्रीमियर लीग क्लब फुलहम को बेचने के करीब पहुंच गया है। गोंजालो की यह डील लगभग 40 मिलियन यूरो में फाइनल होने वाली है, जिससे मैड्रिड को काफी रकम मिलेगी। इससे टीम में नए स्ट्राइकर को भी जगह मिलेगी। हालांकि, अभी यह स्पष्ट नहीं है कि कार्लोस को अगले सत्र में सीधे मैड्रिड की फर्स्ट-टीम स्क्वाड में शामिल किया जाएगा या उन्हें शीर्ष स्तर का अनुभव हासिल करने के लिए किसी अन्य क्लब में लोन पर भेजा जाएगा। यह निर्णय शायद उनके प्री-सीजन प्रदर्शन और क्लब की रणनीतिक जरूरतों पर निर्भर करेगा ।

जर्सी विवाद; अब हाकी इंडिया अध्यक्ष बोले-बिना बताए कलर बदलाःदो दिन पहले कहा था- मैदान और जर्सी के नीले रंग से खिलाड़ियों को परेशानी

नई दिल्ली। भारतीय हाकी टीम की जर्सी का रंग नीला से नारंगी किए जाने पर विवाद गहरा गया है। अब हाकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने जर्सी का रंग बदलने पर फेडरेशन के अधिकारियों से लिखित जवाब मांगा है। टिर्की का आरोप है कि यह फैसला उन्हें और एग्जीक्यूटिव बोर्ड की बिना मंजूरी के बिना लिया गया। ओडिशा सरकार ने भी टिर्की से इस मामले में स्पष्टीकरण मांगा है। हाल ही में हाकी इंडिया ने अगले महीने होने वाले हाकी वर्ल्ड कप के लिए भारतीय टीम की नई जर्सी लान्च की। इसके बाद कई पूर्व खिलाड़ियों और हाकी से जुड़े लोगों ने इस बदलाव पर सवाल उठाए। हाकी इंडिया ने कहा था- जर्सी के नए रंग के लिए अफसरों से सलाह ली हाकी इंडिया ने 27 जुलाई को भारतीय टीम की नारंगी रंग की नई जर्सी लान्च की। जर्सी का नीला रंग बदले जाने के बाद कई पूर्व खिलाड़ियों और हाकी से जुड़े लोगों ने इसका विरोध किया था। इस पर हाकी इंडिया ने गुरुवार को कहा कि इस पर खिलाड़ियों और फेडरेशन के कुछ वरिष्ठ अधिकारियों से सलाह ली गई थी।

विश्वकप के मुनाफे के निजीकरण पर यू-टर्न, विरोध के बाद फीफा अध्यक्ष इनफैनटिनो ने वापस लिया प्रस्ताव

न्यूयार्क । विश्व फुटबाल की सर्वोच्च संस्था फीफा के अध्यक्ष जियानी इनफैनटिनो ने विश्व कप के मुनाफे को निजी इक्विटी कंपनियों के साथ साझा करने की अपनी विवादास्पद योजना वापस ले ली है। दुनिया भर की प्रमुख फुटबाल संस्थाओं के तीखे विरोध के बाद इनफैनटिनो को अपने फैसले पर यू-टर्न लेना पड़ा। इनफैनटिनो ने शुक्रवार को जारी बयान में कहा कि विभिन्न पक्षों से बातचीत के बाद यह साफ हो गया कि यह प्रस्ताव फुटबाल जगत में मतभेद बढ़ा रहा है। ऐसे में इसे आगे बढ़ाना उचित नहीं होगा। क्या था पूरा प्रस्ताव फीफा अध्यक्ष ने विश्व कप के संचालन और उससे होने वाले राजस्व के लिए करीब 20 अरब डालर मूल्य की एक नई कंपनी बनाने का प्रस्ताव रखा था। इस योजना के तहत निजी निवेशकों को भी इसमें हिस्सेदारी देने की बात कही गई थी। हालांकि प्रस्ताव सामने आते ही दुनिया की कई फुटबाल संस्थाओं ने इसे विश्व फुटबाल के व्यावसायीकरण की दिशा में बड़ा कदम बताते हुए विरोध शुरू कर दिया। यूईएफए से लेकर एशिया तक हुआ विरोध सबसे पहले यूरोपीय फुटबाल की सर्वोच्च संस्था यूईएफए ने इस योजना का विरोध किया। यूईएफए के 55 सदस्य देशों ने फीफा के प्रस्ताव के खिलाफ विश्व कप और फीफा की अन्य प्रतियोगिताओं के बहिष्कार तक की चेतावनी दी।

राष्ट्रमंडल खेल 2026 : नौवें दिन छह पदकों के साथ भारत पदक तालिका में 10वें स्थान पर

भारत ने पांच स्वर्ण पदक के साथ अब तक जीते कुल 23 पदक

नई दिल्ली

राष्ट्रमंडल खेल 2026 के नौवें दिन शुक्रवार को भारत ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दो स्वर्ण, दो रजत और दो कांस्य सहित कुल छह पदक अपने नाम किए। इसके साथ ही भारत के कुल पदकों की संख्या 23 हो गई और वह पदक तालिका में 10वें स्थान पर पहुंच गया। दिन की शुरुआत जूडो से हुई, जहां अस्मिता डे ने महिलाओं के 48 किलोग्राम वर्ग में स्वर्ण जीतकर राष्ट्रमंडल खेलों के इतिहास में जूडो में भारत का पहला स्वर्ण पदक दिलाया।

इसके कुछ ही देर बाद हर्ष सिंह ने पुरुषों के 60 किलोग्राम वर्ग में स्वर्ण जीतकर जूडो में भारत की ऐतिहासिक सफलता को आगे बढ़ाया। वहीं यामिनी ने अपने फाइनल मुकाबले में रजत पदक हासिल कर भारत के खाते में एक और पदक जोड़ा।

एथलेटिक्स में तेजस्विन शंकर ने पुरुषों की डेकाथलान स्पर्धा में कांस्य पदक जीतकर इतिहास रच दिया। वह इस स्पर्धा में राष्ट्रमंडल खेलों का पदक जीतने वाले पहले भारतीय बने। इसके बाद पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा में भारत ने शानदार डबल पोडियम हासिल किया। नीरज चोपड़ा ने रजत पदक जीता, जबकि यशवीर सिंह ने व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ कांस्य पदक अपने नाम किया।

नौवें दिन के खेलों के बाद आस्ट्रेलिया 55 स्वर्ण, 30 रजत और 43 कांस्य सहित 128 पदकों के साथ शीर्ष पर बना हुआ है। इंग्लैंड 17 स्वर्ण, 34 रजत और 29 कांस्य के साथ दूसरे तथा कनाडा 17 स्वर्ण, 15 रजत और 21 कांस्य सहित कुल 53 पदकों के साथ तीसरे स्थान पर है।

वहीं भारत के खाते में अब 5 स्वर्ण, 12 रजत और 6 कांस्य सहित कुल 23 पदक हैं और वह पदक तालिका में 10वें स्थान पर है।

लवप्रीत की सफलता के पीछे छिपा है परिवार का त्याग

चंडीगढ़ । पंजाब के अमृतसर जिले के एक छोटे से गांव से आने वाले वेटलिफ्टर लवप्रीत सिंह ने राष्ट्रमण्डल खेलों में रजत पदक जीतकर अपनी पहचान बनायी है। लवप्रीत का यहां तक का सफर बेहद कठिन रहा है। आर्थिक तंगी और संघर्ष से निकलकर ही वह यहां तक पहुंचे हैं। लवप्रीत एक आर्थिक रुप से कमजोर परिवार से आते हैं। उनके पिता पेशे से एक दर्जी हैं, शुरुआत से ही परिवार की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं रही। इतने कठिन हालातों और अभाव के बावजूद, लवप्रीत के माता-पिता ने कभी भी उन्हें खेलने से नहीं रोका। उन्होंने उसके पदक जीतने का सपन पूरा करने कोई कसर नहीं रखी। पिता ने कभी भी लवप्रीत की ट्रेनिंग पर इसका असर नहीं पड़ने दिया। उन्होंने अपने बेटे के सपनों को पूरा करने के लिए हर संभव प्रयास किया, भले ही इसके लिए उन्हें खुद को और भी अधिक कठिनाइयों में डालना पड़ा हो। उनकी यह दृढ़ता और बलिदान ही लवप्रीत के सफल सफर की पहली सीढ़ी बनी। परिवार के किये त्याग की भी इसमें अहम भूमिका रही। वेटलिफ्टिंग जैसे खेल में शीर्ष पर पहुंचना केवल शारीरिक शक्ति का खेल नहीं होता, बल्कि यह मानसिक दृढ़ता और अथक परिश्रम की भी मांग करता है। लवप्रीत के लिए यह रास्ता आसान नहीं था। उन्हें अपनी डाइट, ट्रेनिंग और आवश्यक उपकरणों के लिए अक्सर संघर्ष करना पड़ा। कई बार परिवार को कर्ज का सहारा भी लेना पड़ा होगा ताकि उनके बेटे का प्रशिक्षण बाधित न हो। लवप्रीत ने हर बाधा को अपनी संकल्प शक्ति से पार किया। घंटों जिम में पसीना बहाना, सख्त अनुशासन का पालन करना और हर रोज खुद को बेहतर बनाने की ललक ने उन्हें धीरे-धीरे राष्ट्रीय स्तर के मंच तक पहुंचाया। हर चुनौती को उन्होंने अपने लक्ष्य की ओर बढ़ने का एक और कदम माना। कामनवेल्थ गेम्स के मंच पर, लवप्रीत का प्रदर्शन उनकी सालों की तपस्या का फल था। 176 किलोग्राम के रिकार्ड स्नैच और फिर क्लीन एंड जर्क में शानदार लिफ्टिंग के साथ, उन्होंने कुल 388 किलोग्राम भार उठाकर दिखा दिया कि वे किसी से कम नहीं। लवप्रीत की यह कहानी सिर्फ वेटलिफ्टिंग में एक जीत भर नहीं है, बल्कि यह उन लाखों युवाओं के लिए एक मशाल है जो आर्थिक और सामाजिक बाधाओं के कारण अपने सपनों को पूरा करने से हिचकते हैं।

वैभव को कम उम्र में उपकप्तानी दिये से एक नई बहस शुरु हुई

दिग्गज खिलाड़ियों ने जतायी चिंता , चयनकर्ता ने किया बचाव

मुम्बई

15 साल के उभरते हुए क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी को अगले माह होने वाले दलीप ट्राफी 2026 के लिए ईस्ट जोन का उपकप्तान बनाये जाने के बाद से ही एक नई बहस शुरु हो गयी है। कई दिग्गजों का कहना है कि इतनी कम उम्र में अपकप्तानी के बोझ से वैभव का खेल प्रभावित होगा। वहीं चयनकर्ताओं ने अपने कदम को सही करार देते हुए वैभव को भविष्य का कप्तान करार दिया।

खेल विशेषज्ञों और पूर्व खिलाड़ियों के एक वर्ग ने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि वैभव पर उप-कप्तानी का अतिरिक्त दबाव डालने की जगह उन्हें अपनी बल्लेबाजी और खेल पर ध्यान केंद्रित करने की पूरी आजादी मिलनी चाहिए थी। विशेषज्ञों का मानना है कि एक उभरते हुए सितारे पर इतनी जल्दी नेतृत्व की भूमिका थोपना उसकी प्राकृतिक प्रगति में बाधा डाल सकता है।

हालांकि, आलोचनाओं के इस माहौल के बीच ईस्ट जोन के चयनकर्ताओं में से एक और पूर्व रणजी खिलाड़ी प्रबंजन मलिक ने इस फैसले का बचाव किया। मलिक ने चयन समिति के इस महत्वपूर्ण निर्णय के पीछे की सोच को स्पष्ट किया। मलिक ने उठ रहे सवालों का जवाब देते हुए जोर देकर कहा कि वैभव को कप्तान नहीं, बल्कि उप-कप्तान बनाया गया है, कप्तानी की जिम्मेदारी अनुभवी ईशान किशन निभाएंगे।

मलिक ने समझाया, ईशान एक विकेटकीपर हैं जो मैदान पर पूरे दिन सक्रिय रहते हैं और खेल की रणनीतियों में शामिल होते हैं।

मलिक ने आगे कहा कि जैसे-जैसे वैभव परिपक्व हो रहे हैं, उन्हें अधिक जिम्मेदारी देने से वह एक खिलाड़ी और नेतृत्वकर्ता के रूप में और बेहतर बनकर उभरेंगे। चयनकर्ताओं का मानना है कि वैभव के लिए नेतृत्व की यह भूमिका नई नहीं है। मलिक ने याद दिलाया कि वह अपनी घरेलू टीम बिहार के लिए प्रथम श्रेणी क्रिकेट में भी उप-कप्तान की जिम्मेदारी संभाल चुके हैं। इसके अतिरिक्त, 2026 के अंडर-19 विश्व कप में भी वह भारतीय टीम में आयुष म्हात्रे के डिप्टी (उप-कप्तान) रह चुके हैं। वैभव के हालिया प्रदर्शन की तारीफ करते हुए मलिक ने कहा, वह देश के लिए बहुत शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं, और राजस्थान रायल्स के लिए उनका हालिया आईपीएल सीजन भी बेहद शानदार रहा है। दलीप ट्राफी जैसे बड़े मंच पर यह जिम्मेदारी उनके लिए एक बेहतरीन अवसर है। वह देश के लिए कुछ बड़ा करना चाहते हैं और चयनकर्ताओं के रूप में हमारा मानना है कि युवा खिलाड़ियों को जिम्मेदारी देना बहुत जरूरी है। मलिक ने यह भी संकेत दिया कि चयनकर्ता वैभव में भविष्य के भारतीय कप्तान की झलक देखते हैं। उन्होंने कहा, कौन जानता है हम उम्मीद कर रहे हैं कि एक दिन वह भारतीय नेशनल टीम के कप्तान भी बन सकते हैं। वैभव को उप-कप्तान बनाने के पीछे हमारी यही सोच काम कर रही थी।

इंग्लैंड में छाए हुए हैं भारतीय आलराउंडर आशुतोष

लंदन। भारतीय तेज गेंदबाज आशुतोष शर्मा आजकल इंग्लैंड में अपने शानदार प्रदर्शन से छाये हैं। आशुतोष ने मेट्रो एकदिवसीय कप में हैम्पशायर की ओर से खेलते हुए केवल चार मैचों में ही 13 विकेट लेकर सभी को हैरान कर दिया है। उन्होंने ससेक्सस के खिलाफ मुकाबले में पांच विकेट लिए। ससेक्स के खिलाफ मुकाबले में आशुतोष ने तीन विकेट लेकर हैम्पशायर को जीत दिलायी। उन्होंने अपने 10 ओवर में केवल 51 रन देकर पांच विकेट लिए। उनकी सटीक लाइन और लेंथ के सामने विरोधी बल्लेबाज टिक नहीं पाये। एकदिवसीय कप में आशुतोष ने 21 जुलाई को यार्कशायर के खिलाफ अपने डेब्यू मैच में ही तीन विकेट लेकर अपने को साबित किया था। इसके बाद मिडिलसेक्स के खिलाफ उन्होंने चार विकेट जबकि वार्सेस्टरशायर के खिलाफ एक विकेट लिया। वहीं ससेक्स के खिलाफ पांच विकेट लेकर उन्होंने जबरदस्त जोरदार वापसी की। आशुतोष के इस शानदार प्रदर्शन से उनकी आईपीएल फ्रेंचाइजी दिल्ली कैपिटल्स भी उत्साहित है। दिल्ली कैपिटल्स ने सोशल मीडिया में आशुतोष की सराहना करते हुए उनके लिए एक पोस्ट भी साझा की है। इससे पहले आईपीएल में दिल्ली के लिए आशुतोष ने पिछले दो आईपीएल सीजन में एक फिनिशर की भूमिका बखूबी निभाई थी। उन्होंने 21 मैचों में 375 रन बनाए हैं, जिसमें उन्होंने कई बार कठिन हालातों में टीम को संभाला है। उनका यह आलराउंड प्रदर्शन उन्हें और भी मूल्यवान बनाता है।

डीपीएल 2026 : अनुज रावत का शतक बेकार, सेंट्रल दिल्ली किंग्स ने चार विकेट से जीता पहला मुकाबला

नई दिल्ली

दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) 2026 का आगाज अरुण जेटली स्टेडियम में शुक्रवार रात रोमांचक मुकाबले के साथ हुआ, जहां सेंट्रल दिल्ली किंग्स ने अनुज रावत के शानदार शतक पर पानी फेरते हुए पुरानी दिल्ली 6 को चार विकेट से हरा दिया।

मुकाबले से पहले मशहूर गायक सुखबीर सिंह और सुनंदा शर्मा के रंगारंग कार्यक्रम ने दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया।

पहले बल्लेबाजी करते हुए पुरानी दिल्ली 6 की शुरुआत बेहद खराब रही और टीम पांच ओवर के भीतर 30 रन पर तीन विकेट गंवा बैठी। इसके बाद कप्तान अनुज रावत और देव लाकड़ा ने चौथे विकेट के लिए 132 रन की शानदार साझेदारी कर टीम को संकट से उबारा।

देव लाकड़ा ने 37 गेंदों में 53 रन की संयमित पारी खेली, जबकि अनुज रावत ने कप्तानी पारी खेलते हुए 59 गेंदों में नाबाद 105 रन बनाए। उन्होंने अपनी पारी में 11 चौके और पांच छक्के लगाए। 99 रन पर जीवनदान मिलने के बाद अगली ही गेंद पर उन्होंने इस सत्र का पहला शतक पूरा किया। उनकी बदौलत पुरानी दिल्ली 6 ने 20 ओवर में चार विकेट पर 202 रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया।

203 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी सेंट्रल दिल्ली किंग्स ने आक्रामक शुरुआत की। कप्तान यश धुल और सिद्धार्थ जून ने पहले विकेट के लिए केवल 4.5 ओवर में 65 रन जोड़ दिए। जून 14 गेंदों में 23 रन बनाकर आउट हुए, जबकि युगल सैनी ने 16 गेंदों में 22 रन का योगदान दिया। यश धुल ने शानदार बल्लेबाजी जारी रखते हुए 45 गेंदों में 72 रन की कप्तानी पारी खेली। उनके आउट होने के बाद वंश बेदी ने 13 गेंदों में 28 रन बनाकर टीम को लक्ष्य के करीब पहुंचाया।

अंतिम ओवरों में मुकाबला बेहद रोमांचक हो गया। केशव दाबस ने दबाव में शानदार बल्लेबाजी करते हुए पेनल्टिमेट ओवर की आखिरी दो गेंदों पर लगातार दो चौके जड़कर समीकरण अंतिम ओवर में तीन रन का कर दिया। इसके बाद जसवीर सहरावत ने विजयी रन बनाकर सेंट्रल दिल्ली किंग्स को चार विकेट से शानदार जीत दिला दी और टीम ने डीपीएल 2026 में विजयी शुरुआत की।

बरसों का सपना साकार, अब देश के लिए खेलने का जुनून

इंदौर के सारांश जैन की टीम इंडिया तक पहुंचने की भावुक कहानी; पिता की प्रेरणा, गुरुओं की सीख और संघर्ष बना सफलता का आधार

इंदौर

वर्षों की मेहनत, संघर्ष और सपनों के लंबे इंतजार के बाद इंदौर के आलराउंडर सारांश जैन ने भारतीय क्रिकेट टीम तक पहुंचने का मुकाम हासिल कर लिया है। श्रीलंका दौरे के लिए भारतीय टेस्ट टीम में चयन के बाद उनके चेहरे पर खुशी के साथ जिम्मेदारी का भाव भी साफ दिखाई दिया। सारांश ने कहा कि भारतीय जर्सी पहनना उनके जीवन का सबसे बड़ा सपना था और अब लक्ष्य है कि देश के लिए मैदान पर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करूं।

स्टेट प्रेस क्लब, म.प्र. के रूबरू कार्यक्रम में

मीडिया से चर्चा करते हुए सारांश ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज में अंतिम एकादश में खेलने का अवसर मिलेगा। उन्होंने कहा कि मौका मिला तो वह अपने प्रदर्शन से टीम के भरोसे पर खरा उतरने का पूरा प्रयास करेंगे।

पिता की बीमारी के बीच मिला था हौसले का संदेश – सारांश ने अपनी सफलता का सबसे बड़ा श्रेय अपने पिता सुबोध कुमार जैन को दिया। उन्होंने भावुक होकर बताया कि जब उनके पिता मुंह के कैंसर से जूझ रहे थे, तब वह एमपीसीए के दौरे पर आस्ट्रेलिया में क्रिकेट खेल रहे थे। परिवार ने उस समय उनसे पिता की बीमारी की बात छिपाकर रखी थी। इंदौर लौटने के बाद जब सारांश को इस बारे में जानकारी मिली तो वह बेहद दुखी हुए। लेकिन पिता ने बीमारी के बीच भी बेटे का हौसला टूटने नहीं दिया। उन्होंने कागज पर लिखकर संदेश दिया- तुम जितना अच्छा क्रिकेट खेलोगे, मैं उतनी जल्दी ठीक हो जाऊंगा। पिता के इस विश्वास ने सारांश को नई ऊर्जा दी और उन्होंने मैदान पर अपनी मेहनत और जुनून को कई गुना बढ़ा दिया।

हिरवानी, खुरासिया और पंडित ने तराशा हुनर – आफ स्पिनर सारांश ने अपने क्रिकेट सफर में मिले मार्गदर्शन को याद करते हुए कहा कि वरिष्ठ क्रिकेटरों का योगदान उनकी सफलता में बेहद अहम रहा है। पूर्व भारतीय क्रिकेटर नरेंद्र हिरवानी और अमय खुरासिया ने उन्हें क्रिकेट की बारीकियां सिखाईं। वहीं मध्यप्रदेश टीम के कोच चंद्रकांत पंडित का मार्गदर्शन उनके लिए बेहद महत्वपूर्ण रहा। सारांश ने रविचंद्रन अश्विन और हरभजन सिंह को अपना आदर्श खिलाड़ी बताया। उन्होंने कहा कि हाल ही में हरभजन सिंह से मिली सीख ने उन्हें काफी प्रेरित किया। सफलता के लिए लगातार मेहनत और समर्पण जरूरी है, इसी सोच को उन्होंने अपने जीवन का हिस्सा बनाया।

संघर्ष के दौर में कई बार टूटा हौसला – सारांश ने अपने संघर्ष के दिनों को याद करते हुए कहा कि टीम इंडिया तक पहुंचने का सफर आसान नहीं था। कई बार परिस्थितियां ऐसी बनीं कि क्रिकेट छोड़ने का विचार आया, लेकिन परिवार ने हर कदम पर उनका हौसला बढ़ाया। रणजी क्रिकेटर रहे उनके पिता का सपना था कि उनका बेटा एक दिन भारत का प्रतिनिधित्व करे। चयन के बाद पिता का भावुक संदेश उनके लिए सबसे बड़ा पुरस्कार बना। सारांश ने अपने बड़े भाई, परिवार और मध्यप्रदेश टीम के साथियों का आभार जताते हुए कहा कि अब उनकी पूरी तैयारी भारतीय टीम के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ देने की है।

मंदिर दर्शन के बाद मिली जिंदगी बदलने वाली खबर – सारांश ने बताया कि टीम चयन वाले दिन वह इंदौर के गुमास्ता नगर नाकोड़ा जैन मंदिर और रणजीत हनुमान मंदिर में दर्शन करने गए थे। मंदिर से लौटने के बाद जैसे ही वह गाड़ी में बैठे, सोशल मीडिया पर भारतीय टीम में चयन की खबर दिखाई दी। शुरुआत में उन्हें विश्वास नहीं हुआ, लेकिन लगातार आने वाले फोन काल और बधाई संदेशों ने इस ऐतिहासिक पल को सच साबित कर दिया। सारांश ने कहा कि यह क्षण उनके और पूरे परिवार के लिए बेहद भावुक था।

बैठे-बैठे पैर हिलाइए और रहिए बीमारीमुक्त

अक्सर जब आप बैठे-बैठ पैर हिलाने लगते हैं तो आपके बड़े आपको टोक देते हैं। ऐसा हर किसी के साथ होता है। बच्चों के बैठे-बैठे पैर हिलाने से बुजुर्गों का डांटना लाजिमी है। इसके पीछे भारतीय मान्यता है। भारतीय संस्कृति के अनुसार बैठे-बैठे पैर हिलाने को अशुभ माना जाता है। पैर हिलाने को पिताजी की मृत्यु और कर्ज के संकट के तौर पर देखा जाता है। शास्त्रों के अनुसार माना जाता है कि कोई इंसान यदि पूजन कर्म या अन्य किसी तरह के धार्मिक कार्य में बैठने के दौरान पैर हिलाता है तो उसे पूजन कर्म का पूरा पुण्य नहीं मिल पाता। या फिर माना जाता है कि पैर हिलाने से धन की देवी महालक्ष्मी क्रोधित हो जाती है और धन का नाश होता है। इन अशुभ परिणामों को देखते हुए अक्सर परिवार के वृद्धजन पैर हिलाने से बच्चों को मना करते हैं। धार्मिक तौर पर पैर हिलाने के इतनी सारी हानियों को देखते हुए शायद ही कोई पैर हिलाता आपको नजर आए।

लेकिन वैज्ञानिक तौर पर देखा जाए तो पैर हिलाने से कई तरह की बीमारियां हमसे दूर रहती हैं और शरीर बीमारीमुक्त रहता है। हाल ही में हुए एक रिसर्च से पता चला है कि अगर आप बैठे-बैठे पैर हिलाते हैं तो ये आपके दिल की सेहत के लिए बड़ा शुभ होता है।

भले ही पैर हिलाना व्यायाम का विकल्प नहीं है लेकिन समय की कमी के कारण जो व्यायाम नहीं कर पाते उनके लिए बैठे-बैठे पैर हिलाना व्यायाम से कम भी नहीं। इसलिए स्वस्थ रहने के लिए बेहतर होगा कि आप काम करते करते पैरों को हिलाते डुलाते रहें। वैसे भी आपको मालुम ही है कि कुछ नहीं करने से बेहतर है कुछ तो करना।

रक्तचाप की परेशानी होती है ठीक

घंटों तक एक जगह बैठे रहने के दौरान पैर हिलाने से रक्तचाप की परेशानी ठीक होती है। एक जगह में घंटो तक बैठ कर काम करने से शरीर में रक्त प्रवाह धीमा होने लगता है जिससे ब्लड प्रेशर यानि रक्तचाप से जुड़ी बीमारियां शरीर में पनपने लगती हैं। जिससे दिल की बीमारियों का भी खतरा बढ़ जाता है। ऐसे में आप काम करना और ऑफिस जाना तो नहीं छोड़ सकते हैं। तो बेहतर होगा कि बैठे-बैठे पार हिलाइए और अपनी सेहत को इन खतरों से बचा कर रखिए।

शोध में हुआ साबित

हाल ही में कुछ महिलाओं और पुरुषों में एक शोध किया गया है जिसमें लोगों को तकरीबन कुछ घंटो तक एक ही स्थान पर बैठेकर काम करने को कहा गया। साथ में बीच-बीच में हर चार मिनट के बाद अपने पैरों को एक-एक मिनट के लिए इधर से उधर घुमाने और हिलाने के निर्देश दिए गए। शोधकर्ताओं ने इन लोगों के बैठने से पहले, बाद में तथा बैठे रहने के दौरान रक्त प्रवाह को नोट किया। परिणाम में पाया गया कि ऐसा करने से लोगों का बल्ड सर्कुलेशन धीमा होने के स्थान पर बढ़ गया जो धमनियों के लिए फायदेमंद है।

कई बीमारियों से मिलेगी मुक्ति

इस शोध के पूरे होने के बाद ये निष्कर्ष निकाला गया कि बैठ कर काम करने के दौरान पैरों को बीच में हिलाते रहने से आर्टिलरी डिज़ीज से हमारे दिल को सुरक्षित रखता है। साथ ही ब्लड प्रेशर सहित फैट के बढ़ने, डिप्रेशन और आंखों की बीमारियों से भी रक्षा करता है।

अच्छी और बुरी बातें

भले ही सोशल नेटवर्किंग का क्रेज आजकल के बच्चों में अधिक दिखता हो और इंटरनेट के मामलों में वे काफी समझदार हो गए हों, लेकिन उनको ये नहीं भूलना चाहिए कि एक छोटी सी भूल उनके लिए नुकसानदेह हो सकती है। सिर्फ बच्चों ही नहीं मां-बाप को भी इस मामले में ख्याल रखना चाहिए। सोशल नेटवर्किंग में खतरे हैं तो क्या इसका यह मतलब नहीं है कि हमें इन साइट्स को ब्लॉक कर देना चाहिए या हमें इन साइट्स का प्रयोग ही नहीं करना चाहिए।

ब्रेड खाने से अब नहीं बढ़ेगा मोटापा

शोधकर्ताओं ने एक ऐसा ब्रेड बनाया है जिसे खाने के लिए अपने स्वाद से कोई समझौता नहीं करना होगा। इस ब्रेड में आम ब्रेड के मुकाबले सात गुना ज्यादा प्रोटीन है। साथ ही हर टुकड़ें में कार्बोहाइड्रेट की मात्रा तीन ग्राम कम है जिसे खाने से वजन नहीं बढ़ेगा। प्रोटीन ब्रेड के हर टुकड़े में 15 गाम गेहूं और मटर का प्रोटीन शामिल है। इसमें ओमेगा 3 फैटी एसिड भी है जो पेट भरा होने का अहसास देता है।

HEALTH | अखरोट में नाड़ी तंत्र की रक्षा करने वाले यौगिक मौजूद

ब्रेन फूड बनाएगा आपके दिमाग को और तेज

आमतौर पर हमेशा हमारा जोर ऐसे खाने पर रहता है, जिससे हम अपने दिमाग को और भी तेज बना सकें। ऐसे में हम ड्राई फ्रूट्स खाने पर ज्यादा जोर देते हैं। इसके अलावा दूध का भी लोग खूब इस्तेमाल करते हैं। मगर शायद आपको नहीं मालूम कि दिमाग के लिए सबसे ज्यादा फायदेमंद कौन सी चीज होती है? तो आइए आज हम आपको बताते है उस ब्रेन फूड के बारे में, जिससे आप अपने दिमाग को और भी तेज बना सकते हैं।

डीजेनरेशन को कम करता है

यदि भोजन की दिखावट और यह शरीर के लिए क्या करता है, इन दोनों में कोई संबंध है तो अखरोट जिसे ब्रेन फूड कहा जाता है, वह इस मामले में सबसे पहले आता है। विशेषज्ञों के अनुसार मानवीय दिमाग को उच्च क्वालिटी फैट्स जैसे ओमेगा थ्री फैटी एसिड्स की जरूरत होती है ताकि यह सही ढंग से काम कर सके। अखरोट में नाड़ी-तंत्र की रक्षा करने वाले कई यौगिक शामिल होते हैं जैसे विटामिन ई, फोलेट, मैलाटोनिन, ओमेगा-3 फैटी एसिड्स तथा एंटी ऑक्सीडैंट्स। यह सब उम्र बढ़ने के साथ-साथ कोग्रीटिव लाइन की डीजेनरेशन को कम करने के लिए जाने जाते हैं।

बढ़ाता है मैलाटोनिन का स्तर

इनके साथ ही मैगनीका, कॉपर, आयरन, फास्फोरस, मैगनीशियम तथा कैल्शियम भी अखरोटों में पाए जाते हैं जो रक्त में मैलाटोनिन के स्तर को बढ़ाने में सहायक होते हैं। मैलाटोनिन का स्तर शरीर में निद्रा को नियंत्रित करने वाले हार्मोन्स का मुख्य कारक है। अच्छी नींद यकीनन अच्छे स्वास्थ्य के लिए जरूरी है। इस बारे में जानकार कहते हैं। अधिकतर मेवों की तरह अखरोट कोलेस्ट्रॉल का स्तर कम करने तथा हृदय के स्वास्थ्य को सुधारने में सहायक होता है। प्रतिदिन 3 या 4 अखरोटों का सेवन आपके शरीर के लिए बहुत जरूरी है। इन्हें रात भर भिगो कर रखा जाए और फिर इनका सेवन किया जाए।

ड्राई सॉकेट के लिए प्रभावी घरेलू नुस्खे

ड्राई सॉकेट एक प्रकार की दांतों की समस्या है जो बहुत ही दर्दनाक होती है, इस समस्या से बचाव के लिए आज आपको कुछ प्रभावी घरेलू नुस्खों के बारे बताते है जो काफी कारगर साबित हुए हैं। दांतों की देखभाल सही तरीके से न की जाए तो इनमें कई तरह की समस्याएं होने लगती हैं। अगर किसी कारणवश आपका कोई दांत निकल गया है और उसकी जगह आपने सॉकेट लगवाया है तो उसमें भी समस्या हो सकती है। सॉकेट में समस्या तब होने लगती है जब सॉकेट के नीचे खून के धब्बे बनने लगते हैं। इसके कारण वाहिकाओं और हड्डी में भी समस्या होने लगती है।

ड्राई सॉकेट को एल्वेलर ऑस्टीटिस नाम से भी जाना जाता है। इसके कारण संक्रमण भी हो सकता है। दांत निकालने के बाद भी अगर 3-4 दिन तक दर्द हो तो यह ड्राई सॉकेट की समस्या हो सकती है। इसके अलावा गर्दन, कान, आंख में दर्द भी इसका लक्षण है। खाने में समस्या भी हो सकती है और मुंह स्वादहीन हो जाएगा यानी किसी खाने में कोई स्वाद नहीं मिलेगा। हल्का बुखार, मुंह में सूजन, सांसों में बदबू, आदि इस समस्या के लक्षण हो सकते हैं।

बर्फ का प्रयोग

अगर ड्राई सॉकेट के कारण मुंह और जबड़ों में अधिक सूजन हो गई हो तो बर्फ से सिंकाई कीजिए। बर्फ का पैक प्रभावित हिस्से पर रखने से सूजन कम होती है और दर्द से आराम भी मिलता है।

लौंग का तेल

दांतों के लिए लौंग को बहुत ही प्रभावी माना जाता है। ड्राई सॉकेट की समस्या होने पर लौंग के तेल को लगाने से फायदा होता है। इसके आप दांतों पर सीधे कॉटन के प्रयोग से लगा सकते हैं। इसके लिए सबसे पहले साफ पानी में रूई को डुबोएं फिर पानी निचोड़कर इसे लौंग के तेल में भिगोकर दांतों में लगाएं। इसे आसपास वाले दांतों पर भी लगाएं। इसे दिन में दो या तीन बार प्रयोग करें।

नमक पानी

किसी भी प्रकार के दर्द या सूजन खासकर मुंह की समस्याओं के लिए नमक पानी को बहुत ही कारगर माना जाता है। ड्राई सॉकेट होने पर भी नमक पानी का प्रयोग करें। पानी को हल्का गरम करके उसमें नमक डाल लीजिए। फिर इस पानी से गरारा कीजिए, जल्द आराम मिलेगा।

योगर्ट: योगर्ट खाने से शरीर को दूसरे पौष्टिक तो मिलते हैं साथ ही यह ड्राई सॉकेट की समस्या का भी अच्छा उपचार है। यह एक प्रकार का नैचुरल एंटीबॉयटिक है, जिससे इस समस्या में आराम मिलता है।

टी बैग: टी बैग का प्रयोग केवल चाय पीने के लिए नहीं होता है, इसे सौंदर्य के साथ-साथ दांतों की समस्याओं को दूर करने के लिए भी कर सकते हैं। ड्राई सॉकेट की समस्या में ठंडे टी बैग को प्रभावित हिस्से पर रखें। थोड़ी देर इसे प्रभावित हिस्से पर रखने से दर्द दूर हो जायेगा। यह बहुत ही प्रभावी घरेलू उपचार है।

हल्दी है फायदेमंद: हल्दी बहुत ही गुणकारी औषधि है। ड्राई सॉकेट होने पर हल्दी का पाउडर प्रयोग करें। अगर अधिक दर्द हो रहा हो तो पानी को हल्का गरम करके उसमें हल्दी पाउडर डालें। फिर इस पानी से कुल्ला करें, दर्द दूर हो जाएगा और संक्रमण भी नहीं होगा।

नींबू और नमक: नींबू और नमक दोनों ड्राई सॉकेट के लिए एंटीसेप्टिक की तरह काम करते हैं। इसके प्रयोग से दर्द और संक्रमण दोनों दूर हो जाता है। नींबू विटामिन सी का अच्छा स्रोत है जिससे बहुत जल्दी आराम मिलता है। नींबू के रस में थोड़ा नमक डालकर इसे सीधे दांतों पर लगाएं। इससे जल्द आराम मिलेगा।

केवल चलने से कम हो सकती हैं दिल की बीमारी

अब हाल ही में हुए अध्ययन में इस बात की पुष्टि हुई है कि शारीरिक क्रियाएं जैसे की चलना और साइक्लिंग से 50% दिल की बीमारियां कम हो जाती हैं। खासकर 65 वर्ष से ऊपर वाले इंसान के लिए चलना वरदान साबित हो सकता है। अध्ययन के अनुसार 65 वर्ष की उम्र के लोगों के समूह में दिल की बीमारी से होने वाली मौतें केवल चलने से 50त्न तक कम हो सकती हैं। स्टडी के अनुसार 65 वर्ष की उम्र वाले जो लोग फीजिकली एक्टिव रहते हैं।

सप्ताह में चार घंटे चलें

यह अध्ययन में 65 से 74 उम्र की 2,456 पुरुष और महिलाओं में किया गया है। इसमें फीजिकल एक्टिविटी और दिल की बीमारी से जुड़े खतरों के बीच में संबंध देखा गया है। अध्ययनकर्ताओं ने देखा की जो लोग हफ्ते में रोजाना कुछ देर तक शारीरिक काम जैसे चलना या साइक्लिंग करते हैं उनमें दिल से जुड़ी बीमारियों का खतरा कम हुआ है।

भावुकतावश न उठाएं कोई कदम, कॅरियर पर पड़ सकता है असर

परेशानी का सबब न बन जाए नौकरी बदलना

अच्छी नौकरी छोड़ना जितना आसान है, उसे पाना उतना ही कठिन इसलिए कभी भी भावुकतावश नौकरी न छोड़ें। पहले ठंडे दिमाग से अच्छी तरह उसके फायदे-नुकसान जरूर तोल लें। अक्सर देखा गया है कि व्यक्तिगत जीवन में तनाव एवं समस्याएं आने पर पलायनवादी मन वर्तमान से पलायन चाहता है और बगैर कुछ सोचे-समझे यह कदम उठा लेता है, लेकिन इसके बाद का असर अनावश्यक परेशानियां ला सकता है।

समस्याएं सुलझाने से ही आप बनेंगे निर्णय लेने के काबिल

समस्याएं सुलझने पर ही आप सही निर्णय लेने के काबिल बनेंगे। जानकारों का मानना है कि नौकरी बदलने से पहले अपनी आकांक्षाओं को भली-भांति परख लेना चाहिए। साथ ही अपनी योग्यता को ज्यादा या कम नहीं आंकना चाहिए। सही मूल्यांकन जीवन में सफल होने के लिए अत्यंत आवश्यक है। इसी के साथ यह भी जांच लें कि कहीं ऐसा तो नहीं कि 'फैमिलियरिटी ब्रीड्स कटैम्प्ट' (किसी कार्य का गहन ज्ञान या किसी व्यक्ति से अत्यधिक नजदीकी की वजह से उनका महत्व कम होने लगना) वाली कहावत आपके कार्य के साथ भी चरितार्थ हो रही है।

इन बातों का रखें खास ध्यान...

अनजाने का आकर्षण हकीकत में कई बार मोहभंग भी करता है, लेकिन यहां यह सलाह हरगिज नहीं दी जा रही है कि महज 'ओल्ड इज गोल्ड' मान कर आप सदैव अपनी पुरानी नौकरी से ही चिपके रहें, फिर भले ही वह आपके उज्ज्वल भविष्य और शानदार कॅरियर में बाधा ही क्यों न हो। वेतन नौकरी के लिए सबसे प्रथम और महत्वपूर्ण प्रेरणा है। नई जगह अधिक वेतन मिलने जा रहा हो और अन्य सुविधाएं मिलाकर आपको आर्थिक लाभ अधिक दिखाई दे, उस कार्य पर अवश्य गौर किया जा सकता है। वर्तमान नौकरी में आपकी योग्यता का पूरा उपयोग न हो रहा हो, आगे सीखने को न मिल रहा हो, एक जड़ता की स्थिति सी आ गई हो जो आप में कार्य के प्रति ऊब भर रही हो तो आपका नौकरी बदलना एक सही कदम हो सकता है। आपके कार्य की प्रशंसा न करके बॉस आपकी हर समय आलोचना कर आपका मनोबल तोड़ने पर आमादा हो। परिणामस्वरूप आपके पास भी दफ्तर को लेकर सिर्फ नकारात्मक बातें रह जाएं और यह सब आपके व्यक्तित्व को प्रभावित कर रहा हो जिसका असर आपके पारिवारिक जीवन पर पड़ रहा हो तो नौकरी बदलने में ही समझदारी होती हैं, लेकिन नौकरी बदलते वक्त इन बातों पर ध्यान जरूर दिया जाना चाहिए।

रेसिपी

कश्मीरी रोटी

सामग्री

1 1/2 कप गेहूं का आटा, 1/2 टी-स्पून सौंफ, 1/2 टी-स्पून ज़ीरा, 1/2 टी-स्पून अजवायन, 8 - 10 काली मिर्च, 1/2 कप लो फैट दूध , 99.7% वसा मुक्त, नमक स्वादअनुसार, गेहूं का आटा , बेलने के लिए, 1 1/2 टी-स्पून तेल , पकाने के लिए

विधि

एक नॉन-स्टिक तवा गरम करें, सौंफ, जीरा, अजवायन और कालीमिर्च डालकर, हल्का भून लें। हल्का ठंडा कर, खल-बते में पीसकर दरदरा पाउडर बना लें। गेहूं के आटे, तैयार पाउडर, हींग, दूध और नमक को एक गहरे बाउल में मिलाकर, जरुरत हो उतने पानी का प्रयोग कर हल्का नरम आटा गूंथ लें। अच्छी तरह गूंथ लें। आटे को 6 भाग में बांट लें। आटे के प्रत्येक भाग को, थोड़े सूखे गेहूं के आटे का प्रयोग कर, गोल आकार में बेल लें। एक नॉन-स्टिक तवा गरम करें और प्रत्येक रोटी को 1/4 टी-स्पून तेल का प्रयोग कर, उनके दोनो तरफ से सुनहरा होने तक पका लें। तुरंत परोसें।

मलेशियन नूडल्स

सामग्री

2 टेबल-स्पून तेल, 1 टी-स्पून क्रश किया हुआ लहसुन, 1/2 कप पतली स्लाईस्ड हरी प्याज़, 1/2 कप पतली स्लाईस्ड शिमला मिर्च, 1/2 कप तिरछे कटे हुए गाजर, 1 कप बीन स्प्राउट्स, 1 टेबल-स्पून नींबू का रस, 1 टी-स्पून लाल मिर्च पाउडर, 1 टी-स्पून शक्कर, 1 टी-स्पून सोया सॉस, 2 टेबल-स्पून भूनी और क्रश की हुई मूंगफली, नमक स्वादअनुसार, 1/2 कप पनीर या टोफू के टुकड़े, 2 कप उबाले हुए फ्लैट नूडल्स, सजाने के लिए, 1 टेबल-स्पून भुनी और क्रश की हुई मूंगफली, 1 टेबल-स्पून कटे हुए हरी प्याज़ के पते,

विधि

एक वॉक या गहरी नॉन-स्टिक कढ़ाई में तेज़ आंच पर तेल गरम करें, लहसुन और प्याज़ डालकर मध्यम आंच पर 1-2 मिनट तक भून लें। शिमला मिर्च डालकर मध्यम आंच पर और 1 मिनट तक भून लें। गाजर डालकर मध्यम आंच पर 1 मिनट तक भून लें। बीन स्प्राउट्स डालकर मध्यम आंच पर और 1 मिनट तक भूनें। नींबू का रस, लाल मिर्च पाउडर, शक्कर, सोया सॉस और मूंगफली डालकर अच्छी तरह मिला लें और मध्यम आंच पर 1 मिनट के लिए, बीच-बीच में हिलाते हुए पका लें। नमक और पनीर डालकर हल्के हाथों मिला लें और मध्यम आंच पर 1 मिनट तक पका लें। नूडल्स् डालकर हल्के हाथों मिला लें और बीच-बीच मे हिलाते हुए, मध्यम आंच पर 1 से 2 मिनट तक पका लें। मूंगफली और हरी प्याज़ के पत्तों से सजाकर तुरंत परोसें।

एक बार फिर फैशन में आया पुराना ट्रेंड

महिला हो या पुरुष, बूढ़ा हो या बच्चा आजकल हर कोई फैशन ट्रेंड को फॉलो करता है। आजकल पुराने जमाने का फैशन घूम-फिर कर वापिस आ रहा है। आपको याद होगा कि पुराने जमाने की हीरोइनें लम्बा सा बेल बॉटम पहनकर इतराती थीं। पहले फ्लेयर वाले बेल बॉटम अच्छे लगते थे। उन्हें पहनना और कैरी करना भी काफी आसान हुआ करता था। हाल ही में प्रियंका चोपड़ा 'गुंडे' मूवी में भी ऐसे ही लुक में नजर आई थीं।

फिल्मों में भी बदला ट्रेंड...

वैसे हॉलीवुड मूवी में भी बेलबॉटम का ट्रेंड देखा जा सकता है, जॉन ट्रावोलेटा ने सैटर-डे नाइट फीवर में बेलबॉटम पहना है। नई लुक लेने के लिए आप भी इसे ट्राई कर सकते हैं। अगर आप जानना चाहती हैं कि बेलबॉटम आपको क्यों पहनना चाहिए तो ये जान लीजिए कि इस तरह का फैशन आपको काफी कंफर्टेबल फील कराता है। और आप बेलबॉटम पैंट पहनने के बाद काफी रिलैक्स महसूस करती हैं। आइए आज हम आपको बताते हैं कि इसका फैशन पर क्या प्रभाव है?

नए लुक के लिए: जींस के कई शेड और डिजाइन आपने ट्राई किए होंगे, लेकिन अब उनसे अगर आपका दिल भर गया हो, तो बेलबॉटम को ट्राई करें। आपको रिफ्रेश फील होगा।

कम्फर्टेबल और गुड लुकिंग...

हल्के: जींस का वजन काफी ज्यादा होता है, लेकिन बेलबॉटम सॉफ्ट और हल्के कपड़े से बनी होती है। जींस के कपड़ों से बने बेलबॉटम भी जींस की तरह हैवी नहीं होते हैं।

हाइट अच्छी लगती है: बेलबॉटम पहनने के बाद कम से कम हाइट वाले की लम्बाई भी अच्छी लगती है। क्योंकि इसे पहनने से टांगे लम्बी लगती हैं।

सेक्सी लुक : बेलबॉटम पहनने के बाद कमर और टांगों पर कसाव रहता है जिससे फिगर उभर कर सामने आता है और आप काफी सेक्सी लगती हैं।

पतली लगती हैं : बेलबॉटम की यह बात खास है कि इसे पहनने के बाद शरीर काफी पतला लगता है। छरहरे बदन पर यह काफी अच्छा लगता है, लेकिन भारी शरीर के लोग भी इसे पहनने के बाद भद्दे नहीं लगते हैं।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : प्रदीप शील ● सहयोगी संपादक : रवि शंकर चौधरी ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**